* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

चुनावी समर 2024

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

बुधवार 13 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 325

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.6	22.4
जमशेदपुर	35.6	20.2
डालटनगंज	35.2	16.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

हम चुनाव जीतने के हथकंडे नहीं अपनाते

पीएम मोदी ने कहा- हमारा विकास राष्ट्र निर्माण के लिए

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्र निर्माण के अपने मिशन के तहत विकास कार्य करती है, न कि चुनाव जीतने के लिए. मोदी ने कहा, कुछ लोग हमारे प्रयासों को चुनावी चश्मे से देखने की कोशिश करते हैं. मैं आपको बता दूं कि हम राष्ट्र निर्माण के मिशन के तहत विकास कार्य करते हैं, न कि (चुनाव जीतकर) सरकार बनाने के लिए. हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे युवाओं को वह कष्ट न सहना पड़ें, जो उनसे पहले की पीढ़ियों को झेलने पड़े. यह मोदी की गारंटी है. उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्ष में उनकी सरकार ने रेलवे के विकास पर पहले की तुलना में लगभग छह गुना अधिक राशि खर्च की है. उन्होंने कहा कि पहले रेलगाड़ियां का स्टेशन पर देरी से पहुंचना बहुत आम बात थी और सब कुछ यात्रियों के भाग्य पर छोड़ दिया जाता था.

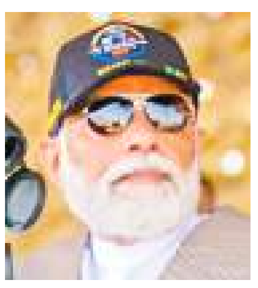

राहुल ने जाति गणना, आर्थिक सर्वे का वादा किया

हम सरकार में आये तो वन अधिकार कानून सशक्त करेंगे

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनती है, तो वह जातिगत जनगणना और आर्थिक एवं वित्तीय सर्वेक्षण कराएगी तथा वन अधिकार अधिनियम को भी सशक्त बनायेगी. भारत जोड़ो न्याय यात्रा के गुजरात से महाराष्ट्र में प्रवेश करने के बाद इस राज्य के आदिवासी-बहुल नंदुरबार जिले में उन्होंने कहा कि आदिवासी भारत की आबादी का आठ प्रतिशत हिस्सा हैं और कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें विकास में आनुपातिक हिस्सेदारी मिले. उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक बार जब हम सत्ता में आएंगे, तो कांग्रेस देश भर में जातिगत जनगणना और आर्थिक एवं वित्तीय सर्वेक्षण कराएगी. यह एक क्रांतिकारी कदम होगा... हमारे पास प्रत्येक जाति और जनसंख्या में उसके प्रतिनिधित्व का सटीक आंकड़ा होगा.

खड़गे बोले- कांग्रेस आदिवासियों की असली हितैषी

कांग्रेस ने जारी की 6 गारंटी जल-जंगल-जमीन बचाएंगे

नयी दिल्ली। चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस आदिवासियों के लिए छह गारंटी लाई है. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इनकी घोषणा की. खरगे ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के रक्षा के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है.

आदिवासियों के लिए कांग्रेस की 6 गारंटी :

1. **सुशासन:** वन अधिकार एक्ट के कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित करेंगे, एक स्पेशल बजट होगा और विशेष कार्य योजना तैयार होगी. 1 वर्ष में सभी लंबित एफआरए क्लेम्स का निपटान सुनिश्चित करेंगे. हम 6 महीने के अंदर अस्वीकृत क्लेम्स की समीक्षा के लिए प्रक्रिया स्थापित करेंगे.
2. **सुधार:** मोदी सरकार द्वारा वन संरक्षण और भूमि अधिग्रहण अधिनियमों में किए गए सभी संशोधनों को कांग्रेस वापस लेगी, जिनसे आदिवासियों को बड़े पैमाने पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

-शेष पेज 7 पर

हमने संविधान निर्माताओं का वादा पूरा किया: शाह

मोदी ने सीएए से हिंदू, जैन व सिखों को सम्मानित किया

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के जरिए हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन शरणार्थियों को नागरिकता देकर सम्मानित किया है. शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने तुष्टीकरण और वोट-बैंक की राजनीति के कारण सीएए का विरोध किया. शाह ने सीएए लागू करने को जायज ठहराते हुए कहा, हमने कहा था कि हम सीएए लाएंगे. कांग्रेस पार्टी ने सीएए का विरोध किया. उन्होंने कहा, आजादी के बाद कांग्रेस और हमारे संविधान निर्माताओं का यह वादा था कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में धार्मिक आधार पर सताये गए लोगों को भारत आने पर नागरिकता प्रदान की जाएगी, लेकिन तुष्टीकरण और वोट-बैंक की राजनीति के कारण कांग्रेस पार्टी ने सीएए का विरोध किया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,300
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस की 43 की दूसरी लिस्ट आई

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार शाम को अपने प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की. लिस्ट में 43 के नाम का ऐलान किया गया है. इस लिस्ट में 7 जनरल, 13 ओबीसी,10 एससी, 9 एसटी और एक मुस्लिम को टिकट दिया है. कांग्रेस ने छिंदवाड़ा से नकुलनाथ को टिकट दिया है, तो भाजपा से आये राहुल कस्वां को चूरू सीट से चुनावी उतारा है. इस लिस्ट में जोरहाट से गौरव गोगोई, सिलचर से सुरज्या खान, जालोर से अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को अपना प्रत्याशी बनाया है.

- पूरी सूची पेज 12 पर देखें

सीएए नियमों की कानूनी वैधता पर संदेह है: ममता

बारासात। केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 लागू किए जाने पर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएए में जिन नियमों को अधिसूचित किया गया है, उनमें कोई स्पष्टता नहीं है. उन्होंने सीएए नियमों की कानूनी वैधता पर संदेह जताया. उत्तर 24 परगना जिले के हावड़ा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने लोगों से कानून के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले कई बार सोचने का आग्रह किया. उन्होंने दावा किया, यह नागरिकों के मौजूदा अधिकारों को छीनने का खेल है.

एसबीआई ने आयोग को सौंपा चुनावी बॉन्ड का ब्यौरा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद भारतीय स्टेट बैंक ने चुनाव आयोग के पास चुनावी बॉन्ड के बारे में डेटा जमा कर दिया. बैंक के अध्यक्ष ने कोर्ट के आदेश के पालन की पुष्टि करके हलफनामा भी पेश किया. डेटा शुक्रवार शाम 5 बजे तक पोल पैनल द्वारा जारी किया जाएगा. बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक को बॉन्ड के विवरण 12 मार्च तक आयोग को देने का आदेश दिया था और चेतावनी दी थी कि समय का पालन करने में चूक हुई अवज्ञा को लेकर केस चलेगा.

14 हजार पंचायत सेवकों को चंपाई सरकार का तोहफा, अब कहे जाएंगे पंचायत सहायक

2500 मिलेगा मानदेय

कैबिनेट फैसला

राज्य कर्मियों का 4% बढ़ा महंगाई भत्ता

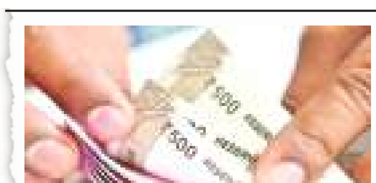

- राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में शुरू होगी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई, नियुक्त होंगे घंटी आधारित शिक्षक
- मुख्य तीर्थ स्थल भ्रमण योजना के तहत 11 राज्य और 20 दूसरे प्रदशों के तीर्थ स्थल जुड़े

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की चंपाई सोरेन सरकार ने लंबे समय से आंदोलनरत 14000 पंचायत स्वंयसेवकों को बड़ा तोहफा दिया है. मंगलवार को हुई चंपाई सरकार कैबिनेट की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी. अब राज्य के 14000 पंचायत स्वयंसेवकों को पंचायत सहायक के नाम से जाना जाएगा. इन्हें 2500 मानदेय दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिया जाएगा. मालूम हो कि हर पंचायत में चार, चार स्वयंसेवक हैं.

राजकीय पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में उनकी बहाली हुई थी. ग्रामीण विकास की योजनाओं में इनका महत्वपूर्ण योगदान था लंबे समय से यह सभी स्वयंसेवक मानदेय के लिए आंदोलन भी कर रहे थे. सरकार के इस निर्णय से पंचायत स्वंसेवकों में खुशी की लहर दौड़ गयी है. सभी ने जुलूस निकालकर जश्न मनाया और मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया.

झारखंड कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

- राज्य सरकार ने एक और अहम निर्णय लेते हुए अब राज्य के सभी 24 जिलों के प्राथमिक विद्यालायों में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई शुरू करेगी. इसके लिए घंटी आधारित शिक्षकों की नियुक्ति जिला एवं प्रखंड स्तरों पर होगी. जिसमें प्रशिक्षित शिक्षकों को प्रति घंटी 200 से 600 रुपए प्रदान की जाएगी.
- **वहीं अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रत्येक घंटी 120 रुपए से 360 रुपए का भुगतान होगा. इन्हें महीने में कम से कम 25 क्लास लेनी होगी. घंटी आधारित शिक्षकों की न्यूनतम अहर्ता इंटर होगी.**
- राज्य सरकार प्राथमिक विद्यालयों में संथाली, हो, खड़िया, कुड़ुख, मुंडारी, माल्टो, बिरहोरी, भूमिज, असुर जनजातीय भाषा तथा बंग्ला, उड़िया, पंचपरगनिया, खोरठा, कुरमाली एवं नागपुरी क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई होगी. सरकार प्राथमिक विद्यालयों में सर्वेक्षण कराएगी. इस क्रम में किसी विद्यालय में एक से अधिक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बोलने वाले छात्र पाए जाते हैं तो कक्षा 1 से 5 तक प्रति कक्षा 10 छात्र के मानक के आधाार पर संख्या मान्य होगी. ऐसे विद्यालयों में एक से अधिक शिक्षक भी चयनित किए जा सकते हैं.
- राज्य सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए राज्य कर्मियों को 1 जनवरी 2024 की तिथि से प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाया है. इसका लाभ पेंशनधारी ओर पारिवारिक पेंशन धारी को भी मिलेगा. अभी 46 प्रतिशत मिलता जो बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा. इसके अतिरिक्त राज्य के लेवल वन और लेवल 2 के कर्मियों के लिए परिवहन भत्ता 3600 और प्लस महंगाई भत्ता और वाई लेबल के कर्मियों के लिए 18 00 रुपए प्लस महंगाई भत्ता दिया जाएगा.
- **सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ स्थल भ्रमण को लेकर भी अहम फैसला लिया है. अब पहले से चयनित तीर्थ स्थल के अतिरिक्त राज्य के 11 एवं दूसरे प्रदेश के 20 तीर्थ स्थलों को शामिल किया गया है. पहले से राज्य के छह तीर्थ स्थल शामिल थे वहीं राज्य के बाहर के 11 तीर्थ स्थल शामिल थे. जिसमें क्रमश 10 एवं 20 और जोड़े गए हैं.**

पीएम ने रांची-वाराणसी वंदे भारत को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

सौगात

संवाददाता। रांची

झारखंड को मंगलवार को एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली है. यह ट्रेन राज्य की राजधानी रांची और उत्तर प्रदेश के वाराणसी के बीच चलेगी. राज्य और देश भर में कई अन्य रेलवे परियोजनाओं के अनावरण के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद से वर्चुअल माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. पीएम ने इससे पहले हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और रांची-बंडामुंडा रेलवे लाइन का उद्घाटन भी किया. पीएम ने रांची, हटिया, गोविंदपुर रोड, इटकी, मुरी, पिस्का, सिल्ली, टांगरबसली, ततिसिलवाई स्टेशनों, बरकाकाना, रांची रोड और प्रधानखंता स्टेशनों पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत स्टॉलों (दुकानों) का भी उद्घाटन किया. मोदी ने धनबाद जिले के हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) सिंदरी और रामगढ़ जिले के सेंट्रल कोलफील्ड्स के बरका-सयाल क्षेत्र के उत्तरी उरीमारी में गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों का भी उद्घाटन किया. मौके पर मौजूद रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि राजधानी से तीसरी नयी वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हो रही है. आज से देशभर में 10 नयी ट्रेनें शुरू की जा रही हैं. जिसमें रांची से बनारस तक वंदे भारत ट्रेन भी शामिल है. बता दें कि इस वंदे भारत ट्रेन का रंग केसरिया है.

झारखंड को पीएम की अन्य सौगातें

- हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई
- रांची, हटिया समेत 12 स्टेशनों के एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत स्टॉलों का का भी उद्घाटन किया
- धनबाद के सिंदरी कारखाने और उरीमारी के गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन किया

ट्रेन करीब 8 घंटे में पहुंचाएगी बनारस

रांची के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक निशांत कुमार ने बताया कि रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन 18 मार्च से शुरू होगा. ट्रेन गुरुवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी. यह ट्रेन 7 घंटे 50 मिनट में 571 किलोमीटर की दूरी तय करेगी.

ट्रेनों और बेहतर किया जा रहा है : राज्यपाल

इस अवसर पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड की ट्रेनों को जल्द ही कंप्लीट इलेक्ट्रिफिकेशन कर और बेहतर किया जायेगा. वर्तमान में जिस तरह से भारत सरकार झारखंड को ट्रेनों की सौगात दे रही है, वो निश्चित रूप राजधानी के लोगों को राहत पहुंचायेगी. जिस तरह से देश के साथ-साथ झारखंड के रेलवे स्टेशन बेहतर बन रहे हैं, वह काबिले ए तारीफ हैं.

जो वादा किया था, वह आज पूरा हुआ : सेठ

मौके पर मौजूद सांसद संजय सेठ ने कहा कि कुछ दिन पहले वादा किया गया था, वो आज पूरा हुआ. आज पीएम मोदी ने देश को 10 वंदे भारत समर्पित की है. उनमें एक रांची भी शामिल है. उन्होंने कहा कि देश के राज्यों में बहुत कम राजधानियां हैं, जहां से तीन-तीन वंदे भारत ट्रेन चल रही है. इसके साथ उन्होंने चुनाव के बाद चौथी वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत करवाने का वादा किया.

मंगलवार को उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक कार्यक्रम के दौरान. (पीटीआई फोटो)

लिव इन रिलेशनशिप पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला

बिना तलाक किसी के साथ नहीं रह सकती विवाहिता

एजेंसी। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि हिन्दू विवाह अधिनियम के अनुसार यदि पति-पत्नी जीवित हैं और तलाक नहीं लिया गया है तो उनमें से कोई दूसरी शादी नहीं कर सकते. हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून के विरुद्ध संबंधों को न्यायालय का समर्थन नहीं मिल सकता. इसी के साथ कोर्ट ने लिव इन रिलेशनशिप में रहनेवाली विवाहिता की याचिका खारिज कर दी. यह आदेश न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल ने यूपी के कासगंज की एक विवाहिता व अन्य की याचिका खारिज करते हुए दिया है.

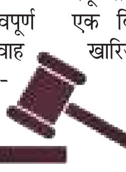

हाईकोर्ट ने कहा कि विवाहिता तलाक लिए बिना किसी अन्य के साथ लिव इन में नहीं रह सकती है. ऐसे रिश्तों को मान्यता देने से अराजकता बढ़ेगी. याचियों ने सुरक्षा की मांग को ले याचिका दाखिल की थी. कहा गया कि दोनों लिव इन पार्टनर हैं. उन्होंने एसपी से सुरक्षा मांगी थी. सुनवाई नहीं होने पर यह याचिका दाखिल की. सुनवाई के दौरान दूसरे याची के अधिवक्ता ने आधार कार्ड प्रस्तुत कर बताया कि वह उसकी शादीशुदा पत्नी है. यह भी कि पहली याची भी एक व्यक्ति की पत्नी है. दोनों में से किसी याची का अपने पति या पत्नी से तलाक नहीं हुआ है. विवाहिता याची दो बच्चों की मां है और दूसरे याची के साथ लिव इन में रह रही है. हाईकोर्ट ने इसे विधि विरुद्ध माना और सुरक्षा देने से इनकार करते हुए याचिका को दो हजार रुपए हर्जाने के साथ खारिज कर दिया.

नायब सिंह सैनी बने हरियाणा के नए सीएम

एजेंसी। चंडीगढ़

- मनोहर लाल खट्टर का पैर छूकर लिया आशीर्वाद
- जेजेपी से टूटा गठबंधन, विज भी शपथ से रहे दूर

नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को हरियाणा के नए सीएम पद की शपथ ली. शपथ लेने से पहले नायब सिंह सैनी ने मनोहर लाल खट्टर का पैर छूकर आशीर्वाद लिया. दिलचस्प बात ये रही कि जेजेपी के भी चार विधायक देवेंद्र बबली, ईश्वर सिंह, जोगीराम और राम निवास शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए. वहीं, अनिल विज इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बने. उन्होंने पार्टी आलाकमान से साफ कह दिया है कि वो अपने जूनियर के साथ काम नहीं कर सकते हैं. नायब सिंह सैनी को मंगलवार को विधायक दल का नेता चुना गया. बाद में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकत कर सरकार बनाने का दावा पेश किया. बीजेपी ने मंगलवार को हरियाणा में अपने फैसले से सबको चौंका दिया. मनोहर लाल खट्टर सहित सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया. इस तरह से राज्य में जेजेपी के साथ बीजेपी का गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले टूट गया. दरअसल, हरियाणा में बदलाव की बात एक हफ्ते पहले ही शुरू हो गई थी. सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व की बैठक हुई. उस बैठक में हरियाणा के सियासी हालात पर चर्चा हुई. उस बैठक में एक रिपोर्ट पेश किया गया जिसमें ये बताया गया कि हरियाणा का जाट समुदाय मनोहर लाल खट्टर के साथ नहीं है. रिपोर्ट के जरिए कहा गया कि अगर मनोहर खट्टर आगे भी पद पर रहते हैं, तो ये मुमकिन है कि जाट वोटर्स वो एकजुट हो जाएं और कांग्रेस के पक्ष में चले जाएं. ऐसे में पार्टी को खामियाजा उठा पड़ सकता है.

कौन हैं नायब सिंह सैनी

पिछले लोकसभा चुनाव में नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से बीजेपी के सांसद चुने गए थे. हरियाणा बीजेपी के अध्यक्ष हैं. ओबीसी समाज से ताल्लुक रखते हैं. उन्हें मनोहर खट्टर का बेहद करीबी माना जाता है. सूत्रों के मुताबिक, मनोहर खट्टर की सहमति से ही नायब सिंह सैनी का नाम तय किया गया है.

इंडिया गठबंधन प्रभारी गुलाम अहमद मीर झामुमो से बात करके दिल्ली गए, एक-दो दिनों में हो सकती है घोषणा

चाईबासा सुलझा, तो लोहरदगा पर फंसा पेंच, फैसला अब दिल्ली में

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में इंडिया गठबंधन की सीट शेयरिंग पर अभी कई पेंच बन हुए हैं. इसको लेकर दो दिनों तक रांची में रहकर कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने अपने सहयोगी झामुमो और राजद के साथ मंथन किया.

इस मंथन में कांग्रेस और झामुमो के बीच अब लोहरदगा सीट और कांग्रेस-राजद के बीच पलामू और चतरा सीट का पेंच फंस गया है. सारी रिपोर्ट लेकर कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर दिल्ली वापस लौट गए हैं. अब अंतिम फैसला दिल्ली दरबार में होगा. मिली जानकारी के अनुसार एक से दो दिनों के अंदर सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है.

- झामुमो के लोहरदगा पर दावे से बिफरी कांग्रेस, बंधु, चमरा लिंडा के लिए सीट छोड़ने से कर रहे मना
- झामुमो विधायक चमरा लिंडा हर हाल में लोहरदगा से उतरने की तैयारी में, बंधु बन रहे हैं रोड़ा
- नए समीकरण के तहत कांग्रेस राजद को चतरा देने के मूड में, पलामू खुद लड़ने की तैयारी में

कांग्रेस अब अधिक झुकने के मूड में नहीं

गीता कोड़ा के भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस ने चाईबासा सीट झामुमो को दे दी. मगर झामुमो लोहरदगा पर अड़ा है. जिस पर कांग्रेस मानने को तैयार नहीं. लोहरदगा में पांच विधानसभा में 3 पर झामुमो काबिज है. जिसमें बिशुनपुर, सिसई और गुमला शामिल है. जबकि मांडर व लोहरदगा कांग्रेस के कब्जे में है. चाईबासा की तरह विस में संख्या के आधार पर और आदिवासी बहुल क्षेत्र होने से झामुमो इस पर दावा ठोंक रहा है. कांग्रेस का तर्क है कि गत चुनाव वह केवल 9 हजार वोट से हारी थी. अगर यह सीट झामुमो को दे दी, तो अपना हाथ काट लेगी. ऊपर से कांग्रेस धीरज साहु की रास सीट झामुमो के दबाव में वह छोड़ चुकी है. अब कांग्रेस अधिक झुकने को तैयार नहीं दिख रही है.

झामुमो लोहरदगा चमरा के लिए चाहता है

झामुमो यह सीट विधायक चमरा लिंडा के चाहता है. चमरा शुरू से ही लोहरदगा से ताल ठोंक रहे हैं. इसको लेकर वे पार्टी से नाराज चल रहे थे. मगर आश्वासन मिलने के बाद ही वे माने और चंपाई सरकार को समर्थन दिया और लगातार विस, पार्टी की बैठकों में जा रहे हैं. अब अगर सीट झामुमो के खाते में नहीं जाती तो भी वो लोहरदगा से ही उतरेंगे. चाहे निर्दलीय ही क्यों नहीं. दरअसल बंधु तिर्की उनके लिए यह सीट छोड़ देने के पक्ष में नहीं है. वे इसके लिए नेतृत्व पर दबाव बनाए हुए हैं. इसके अतिरिक्त आदिवासी धर्म गुरु बंधन तिग्गा भी नहीं चाहते हैं कि लोहरदगा से चमरा लिंडा झामुमो से उतरें.

चतरा से भोक्ता की दावेदारी के बाद पलामू-चतरा में फंसा पेंच

कांग्रेस अपने कोटे से पलामू सीट राजद को देने की तैयारी में थी. मगर राजद के पास पलामू में मजबूत प्रत्याशी न है और मंत्री सत्यानंद भोक्ता का चतरा सीट पर दावेदारी के बाद अब कांग्रेस और राजद के बीच पेंच फंस गया है. अब लालू प्रसाद व तेजस्वी से बात के बाद दिल्ली में फैसला होगा. राजद पलामू, चतरा व कोडरमा से दावेदारी करते आयी है.

- **झामुमो के हिस्से आने वाली संभावित सीट :** राजमहल, दुमका, गिरिडीह, जमशेदपुर और चाईबासा. **(कोडरमा, इसमें संस्पेंस)**
- **कांग्रेस के हिस्से आने वाली संभावित सीट :** रांची, लोहरदगा, हजारीबाग, धनबाद, गोड्डा, खूंटी, पलामू और चतरा में से एक
- **राजद के हिस्से आने वाले संभावित सीट :** पलामू या चतरा में एक माले की संभावित सीट कोडरमा

झामुमो ने लगाया आरोप- इंडिया गठबंधन को नहीं दिया जा रहा है समय

राष्ट्रपति का समय नहीं मिलना दुर्भाग्य की बात : विनोद पांडे

विशेष संवाददाता। रांची

इंडिया गठबंधन को राष्ट्रपति से मिलने का समय नहीं मिल सका. इसपर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने प्रतिक्रिया दी है. झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं को राष्ट्रपति से मिलने का समय नहीं मिलना प्रदेश के लोगों के लिए दुर्भाग्यजनक है. पांडे ने कहा कि 4 मार्च को झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा एक पत्र राष्ट्रपति भवन को भेजा गया था, जिसमें झामुमो व गठबंधन दल के नेताओं की ओर से राष्ट्रपति से मिलने के लिए समय मांगा था, मगर राष्ट्रपति भवन द्वारा आयी सूचना के अनुसार, समय अभाव के कारण राष्ट्रपति मिलने में असमर्थ हैं.

विनोद पांडे ने कहा कि यह दुर्भाग्य वाली बात है कि झारखंड की अस्मिता से जुड़े तीन मामले आरक्षण का दायरा बढ़ाने, सरना धर्म कोड और 1932 खतियान आधारित स्थानीय व नियोजन नीति को लेकर इंडिया गठबंधन का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति से मिलना चाहता था, पर समय नहीं मिल पाया. उन्होंने कहा कि सरना धर्म कोड झारखंड के आदिवासी समाज का

सबसे प्रमुख मांग रहा है और इसको लेकर लंबे समय से आंदोलन किया जा रहा है. इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने इस बिल को विधानसभा से पास करके राजभवन भेजा. इसके साथ ही 1932 खतियान आधारित स्थानीय और नियोजन नीति का बिल भी हेमंत सोरेन सरकार ने विधानसभा से पास करके राजभवन को भेजा. मगर इस दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि राजभवन में लंबे समय से इसे लटकाया व फिर सरकार को वापस भेज दिया गया. फिर सरकार ने इस बिल को पास करके राजभवन को भेजा है. इसी तरह झारखंड में एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण का दायरा बढ़ाते हुए एसटी को 26 से 28, एसी का 10 से 12 और ओबीसी का 14 से 27 प्रतिशत करने का बिल पास करके राजभवन को भेजा गया. पांडे ने कहा कि फिर से राष्ट्रपति भवन को पत्र लिख समय की मांग की जाएगी.

11 लाख लोग देश छोड़कर चले गए : झामुमो

विनोद पांडे ने सीएए कानून पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि यह अजीब सी स्थिति है. हमारे देश से 11 लाख लोग भारत छोड़कर चले गए, जो कहीं ना कहीं हमारे देश के आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा संकेत नहीं है. सरकार इन्हें वापस लाने के बजाय विदेश के लोग को यहां पर बसाने का रास्ता खोलना चाहती है. इस कानून को जिस अंदाज से और जितनी हड़बड़ी में लाया गया है. उससे प्रतीत होता है कि इस कानून का लाभ मोदी सरकार चुनावी चश्मा के तहत उपयोग करना चाहती है.

गठबंधन का खाका तैयार, जल्द होगी घोषणा

विनोद पांडे ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सीटों का खाका तैयार हो चुका है. बहुत जल्द सीट और प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी. किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है. कौन सीट पर क्या पेंच है. यह मीडिया की उपज है, सबकुछ तय हो चुका है. बस थोड़ा सा इंतजार करें.

दलित और आदिवासी विरोधी है हेमंत सरकार पार्ट 2 : प्रतुल

प्रमुख संवाददाता। रांची

झामुमो की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने

पलटवार किया. कहा कि झामुमो चुनाव के वक्त आदिवासी-मूलवासी, एसटी-एससी और ओबीसी के लिए लिए घड़ियाली आंसू बहाता है. अगर झामुमो सच में पिछड़ों के आरक्षण के लिए गंभीर थी तो उसकी सरकार ने पंचायत चुनाव बिना ओबीसी आरक्षण के क्यों करवा लिया. सरकार तो निकाय चुनाव भी बिना ओबीसी आरक्षण के बिना करने जा रही थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ये रुका. झामुमो की सरकार ने सवा चार वर्षों के बाद भी ट्रिपल टेस्ट की शुरुआत तक नहीं की. यही इनकी असलियत को दर्शाता है. प्रतुल ने कहा कि झारखंड में गठबंधन की सरकार सवा चार वर्षों से शासन कर रही है, लेकिन 1932 उनके लिए चुनावी झुनझुना रहा है. 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति को यह सिर्फ एक सरकारी संकल्प से जारी कर सकते थे, लेकिन इन्होंने विधानसभा भेज कर उसे लटकाने का काम किया. उन्होंने कहा कि भाजपा दर्जनों बार अपना स्टैंड क्लियर कर चुकी है कि वह आदिवासियों को हक देने के लिए उठे हर कदम का साथ देगी.

ब्रीफ खबरें

जेपीएससी ने जारी किया एडमिट कार्ड

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है. एडमिट कार्ड जारी करने से पहले शनिवार को जेपीएससी में अधिसूचना जारी कर 12 मार्च को एडमिट कार्ड जारी करने की बात कही थी. सिविल सेवा की परीक्षा 17 मार्च को है. परीक्षा दो पालियों में होगी पहली पाली की परीक्षा 10 से 12 वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दो से चार बजे तक होगी. जेपीएससी के आधिकारिक वेबसाइटhttps://www.jpsc.gov.in/ पर जाकर अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं. एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए यूजर आईडी जैसे रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी और पासवर्ड डालना होगा.

'सुराज' की ऑनलाइन शुरुआत आज होगी

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च यानी बुधवार को पलामू से सुराज पोर्टल की शुरुआत करेंगे. इसको लेकर देश के कई जिलों में ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा भी शिरकत करेंगे. इस दौरान पीएम पलामू के कई लाभुकों से संवाद भी कर सकते हैं. इसकी तैयारी को लेकर डीसी और एसपी ने समीक्षा बैठक की. बताते चलें कि पीएम सुराज पोर्टल की शुरुआत मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है. सुराज पोर्टल के माध्यम से लोगों को आसान दर पर ऋण उपलब्ध करवाने की योजना है. योजना के तहत ऋण में लोगों को रियायत भी देना है.

अमिताभ को पीआरडी का अतिरिक्त प्रभार

रांची। राज्य सरकार ने श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक सुखदेव सिंह को मुख्य स्थानिक आयुक्त, झारखंड भवन, नई दिल्ली के अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव डॉ अमिताभ कौशल को सचिव सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. सीएम के सचिव अरवा राजकमल को स्थानिक आयुक्त, झारखण्ड भवन, नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. प्रभारी सचिव, श्रम के पद पर पदस्थापित मुकेश कुमार को प्रभारी सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. प्रबंध निदेशक, झारखण्ड राज्य खाद्य निगम के पद पर पदस्थापित सत्येन्द्र कुमार को निदेशक, नगरीय प्रशासन, नगर विकास एवं आवास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

3 शहरों में 1237 करोड़ में बनेंगे सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

2026 तक दामोदर होगा प्रदूषण से मुक्त

दामोदर को हर दिन मिलेगा **246** मिलियन लीटर साफ पानी

खास बातें

- रामगढ़, फुसरो में एसीटीपी का निर्माण शुरू
- धनबाद के लिए जल्द निकाला जाएगा टेंडर

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड की प्रमुख नदी दामोदर के पानी को स्वच्छ करने के लिए नगर विकास विभाग ने प्लान तैयार किया है. केंद्र सरकार की नमामि गंगे परियोजना के तहत 2026 तक दामोदर को औद्योगिक और शहरी प्रदूषण से मुक्त करने का लक्ष्य है. झारखंड में 300 किलोमीटर तक बहने वाली गंगा की सहायक दामोदर नदी को सबसे अधिक प्रदूषित करने वाले तीन शहरों (रामगढ़, फुसरो और धनबाद) में 1237 करोड़ की लागत से सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे. अभी इन तीनों शहरों में कई जगहों पर कारखानों का गंदा पानी दामोदर में सीधे गिरकर नदी के पानी को जहरीला बना है ही. वहीं दर्जनों जगहों पर नालियों और सिवर का पानी सीधा दामोदर में गिर रहा है. उन सभी नालियों और सिवर लाइन को डायवर्ट करके वहां बनने वाले सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाया जाएगा और फिर वहां से पानी को स्वच्छ करके दामोदर में छोड़ा जाएगा. इससे नदी प्रदूषण मुक्त होगा.

रामगढ़ में 310 करोड़ से 40 एमएलडी का एसटीपी बनेगा

इंटरसेप्शन एंड डायवर्सन तकनीक से रामगढ़ में 40 मिलियन लीटर प्रतिदिन की क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाएगा. करीब 310 .11 करोड़ की लागत ये यहां दो एसटीपी का निर्माण होगा. इनमें एक एसटीपी की क्षमता 17 एमएलडी और दूसरे की क्षमता 23 एमएलडी होगी. जुडको के माध्यम से इसका टेंडर हो चुका है. कंपनी ने काम शुरू कर दिया है. 2026 तक इसे कंप्लीट करने का लक्ष्य रखा गया है.

बेरमो में 68 करोड़ से 14 एमएलडी का एसटीपी

इंटरसेप्शन एंड डायवर्सन तकनीक से ही बोकारो जिले के बेरमो में 14 एमएलडी क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनेगा. 68 .77 करोड़ की लागत से यहां एसटीपी बनाया जाएगा. यहां नाला और डायवर्जन भी बनाये जाएंगे. दामोदर में गिरने वाले सभी नालों को डायवर्ट करके एसटीपी ले जाया जाएगा. टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और कंपनी ने काम भी शुरू कर दिया है. कंपनी को 2025 तक योजना कंप्लीट करने का टारगेट दिया है.

धनबाद में 858 करोड़ में बनेंगे 5 एसटीपी, 192 एमएलडी पानी हर दिन होगा साफ

धनबाद में 5 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे. इस योजना में 858 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. सभी एसटीपी को मिलाकर कुल 192 मीलियन लीटर गंदा पानी हर दिन साफ करके दामोदर में गिराया जाएगा. योजना के तहत शहर में 200 किलोमीटर अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाई जाएंगी. यह योजना अभी टेंडर स्टेज में है. जल्द ही जुडको की ओर से इसका टेंडर निकाला जाएगा.

आठ को अतिरिक्त प्रभार शशिकर बने पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ

रांची। राज्य सरकार ने आठ आईएफएस (भारतीय वन सेवा) को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. वन विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया. निदेशक बंजर भूमि विकास बोर्ड के पद पर पदस्थापित शशिकर सामंत को पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एफडीए के पद पर पदस्थापित विश्वनाथ साह को निदेशक झारपार्क्स का अतिरिक्त पर्भार सौंपा गया है. क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक दुमका के पद पर पदस्थापित सतीश चंद्र राय को वन संरक्षक देवघर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं प्रतीक्षारत सत्य प्रकाश नेगी को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य नियोजना की जिम्मेवारी सौंपी गई है. डीएफओ देवघर के पद पर पदस्थापित राजकुमार साह को सामाजिक वानिकी प्रमंडल देवघर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. उपनिदेशक पीटीआर के पद पर पदस्थापित कुमार आशीष को डीएफओ मेदिनीनगर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. विकास उज्जवल को डीएफओ सिमडेगा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं रांची डीएफओ श्रीकांत वर्मा को सामाजिक वानिकी प्रमंडल रांची का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

14 आरक्षियों को हवलदार रैंक में मिलेगी प्रोन्नति

रांची। आईजी मुख्यालय की अध्यक्षता में बोर्ड की एक बैठक हुई, जिसमें 14 पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति देने का निर्णय लिया गया. जिन्हें प्रोन्नति मिली है, उनमें पुष्कर कृष्ण, ईश्वर राम, सरोज राम, दिलीप कुमार, राधाकांत प्यारेलाल, परमा राम, लाल सिंह मुंडा, रमाशंकर रजक, विवेक कु. चौधरी, सोहन लाल, मनोज कुमार, विजय रजवार, अर्जुन राम, विनोद कुमार दास शामिल हैं.

ग्रामीण कार्य विभाग के 67 इंजीनियर इधर से उधर

रांची । ग्रामीण कार्य विभाग के 67 इंजीनियरों का तबादला किया गया है. मंगलवार को ग्रामीण कार्य विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

नाम	कहां गए
अनिल कुमार साहू	विशेष प्रमंडल बोकारो
दीपक कुजूर	विशेष प्रमंडल, लातेहार
दिनेश मुंडा	ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, रांची
एजाज अहमद	विशेष प्रमंडल साहिबगंज
संजीव कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, रांची
परमानंद पासवान	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रांची
गोपाल पासवान	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, देवघर
अभय कुमार दास	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल ,गढ़वा
आनन्द कुमार तिवारी	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू
राम लोचन शरण	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जमशेदपुर
कामेश्वर बाखला	ग्रामीण विकास विशेष अंचल, पलामू
सुभाष चंद्र	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, साहिबगंज
मृत्युंजय कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, रांची
रिशु उरांव	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जामताड़ा
विमल कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जामताड़ा
प्रदीप कुमार रजक	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पाकुड़
रूपेन्द्र कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चाईबासा
आलोक कुमार चौधरी	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा
संजीत भगत	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
कृष्ण गंझु	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा
संतोष कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जमशेदपुर
सिद्धार्थ कुमार आर्य	ग्रामीण विकास प्रमंडल गोड्डा
अमर रविदास	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चाईबासा
चलचित कुमार महतो	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू
शंभू कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, साहिबगंज
अमृत घेरमाको	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला
प्रफुल कुमार महतो	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार
मुकेश कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद
महेन्द्र मुर्मू	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं-2. गढ़वा
ब्रजकिशोर महतो	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो
सुनील भगत	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार
अमरेन्द्र भारती	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
कृष्ण खलखो	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं-2. गढ़वा
सुरेश उरांव	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा
कौशल किशोर भगत	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चाईबासा
आलोक कुमार दास	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पाकुड़
अरुणोदय कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रांची
मंजीत कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, दुमका
मिथिलेश कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, दुमका
जम्मूनाथ सिंह	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सरायकेला
सुरेन्द्र कुमार सारेन	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा
अजय कुमार कुजूर	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा
मिखाईल किस्कू	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा
बलराम पासवान	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल चाईबासा
लव कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
सुमन चन्द्र पटेल	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा
प्रवीण कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूंटी
शिवनाथ एस	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला
ज्योतिष कुमार उरांव	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जमशेदपुर
विनोद कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
दिनेश कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रांची
राजीव रंजन सिंह	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा
जितेन्द्र कुमार जैसल	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल कोडरमा
सत्यदेव पासवान	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गिरिडीह
श्यामल हॉसदा	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चाईबासा
सत्येन्द कुमार पाल	ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, रांची
नकुल ठाकुर	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल जमशेदपुर
हरिन्द्र कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल गुमला
सजय कुमार दास	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल गिरिडीह
प्रेम कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल साहिबगंज
अरविंद कुमार	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रांची
भुवन दास	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
रुस्तम आजाद	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रांची
राज कुमार भारती	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रामगढ़
बसंत मुंडा	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल गुमला
सुनील कुमार सिन्हा	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल जामताड़ा
सूरज प्रकाश चौधरी	ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल लातेहार

भारत अनाथों का देश नहीं हो सकता : सीपी. राधाकृष्णन

रांची। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन की सराहना की और कहा कि भारत अनाथों का देश नहीं हो सकता है, जो किसी को भी उनकी इच्छा के अनुरूप जब चाहे आने और जाने की अनुमति दे. कानून के विरोध के बारे में संवाददाताओं के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी भी नई चीज पर शुरुआत में सवाल उठाया जाता है. उन्होंने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, भारत अनाथों का देश नहीं हो सकता, जहां कोई भी आ सके और बाहर जा सके. हमें इसे सुव्यवस्थित करना होगा. यह (सीएए का कार्यान्वयन) उस दिशा में एक अच्छा कदम है. राधाकृष्णन ने कहा कि अवैध प्रवास को रोकना होगा. उन्होंने कहा, हमारी आबादी पहले से ही 140 करोड़ है. उन्होंने कहा, इन सभी जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को देखने के बाद इसे लागू किया जाना चाहिए.

राज्य के पांच जिलों में 1.5 फीसदी ही हैं बैंकों के ब्रांच

11 जिलों में 3% से भी कम हैं बैंकों की शाखाएं

रवि भारती। रांची

खास बातें

- 10 जिलों में दो फीसदी से भी कम है एटीएम की सुविधा
- राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

झारखंड के 11 जिलों में विभिन्न बैंकों की तीन फीसदी से भी कम शाखाएं हैं. लातेहार, खूंटी, जामताड़ा और लोहरदगा में डेढ़ फीसदी से भी कम बैंकों के ब्रांच हैं. खूंटी में 1.5, लातेहार में 1.5 और लोहरदगा में 1.4% बैंकों की शाखाएं हैं. जामताड़ा में 1.9% ही बैंकों की शाखाएं हैं. सिमडेगा में सबसे कम 1.3 फीसदी ही बैंकों की शाखाएं हैं. वहीं चतरा में 2%, गढ़वा में 2.8%, गुमला में 2.1%, कोडरमा में 2.1, पाकुड़ में 2.1 व साहिबगंज में 2.5% बैंकों की शाखाएं हैं.

सबसे अधिक शाखा रांची में : बैंकों की सबसे अधिक शाखाएं रांची में हैं. रांची में विभिन्न बैंकों की 542 शाखाएं हैं. बैंकों की कुल 16% शाखा रांची में हैं. इसके बाद धनबाद में 8.8, बोकारो में 6.8, देवघर में 4.2,दुमका में 3.6, गिरिडीह में 5.2, गोड्डा में 3.2, हजारीबाग में 5.3, पलामू में 4.2, पश्चिम सिंहभूम में 3.9, पूर्वी सिंहभूम में 10.4, रामगढ़ में 3.6 और सरायकेला-खरसांवा में 3.6% बैंकों की शाखाएं हैं.

खूंटी-सिमडेगा में सबसे कम एटीएम : खूंटी और सिमडेगा में सबसे कम एटीएम की सुविधा उपलब्ध है. यहां सिर्फ 0.8% और सिमडेगा में 0.7% ही एटीएम है. खूंटी में 35 एटीएम ही हैं. वहीं सिमडेगा में सिर्फ 31 एटीएम हैं. सबसे अधिक 837 एटीएम रांची में हैं. इस हिसाब से रांची में 20.01% एटीएम की सुविधा उपलब्ध है. बोकारो में 323, धनबाद में 503, हजारीबाग में 263, पूर्वी सिंहभूम में 616 एटीएम हैं.

किस जिले में कितने एटीएम

जिला	एटीएम की संख्या
बोकारो	323
चतरा	59
देवघर	160
धनबाद	503
दुमका	94
गढ़वा	65
गिरिडीह	186
गोड्डा	90
गुमला	64
हजारीबाग	263
जामताड़ा	47
खूंटी	35
कोडरमा	81
लातेहार	49
लोहरदगा	44
पाकुड़	47
पलामू	143
पश्चिमी सिंहभूम	115
पूर्वी सिंहभूम	616
रामगढ़	151
रांची	837
साहिबगंज	55
सरायकेला-खरसांवा	98
सिमडेगा	31

चिंतनीय | राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के आंकड़ों की रिपोर्ट जारी हुई

झारखंड में 3 लाख किसान क्रेडिट कार्ड डिएक्टिवेट

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में किसान क्रेडिट कार्ड के डिएक्टिव होने की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. राज्य में 299230 किसान क्रेडिट कार्ड डिएक्टिवेट हो गए हैं. इसकी वजह कई त्रुटियां और बैंक बैलेंस नहीं होना बताया जा रहा है. राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक पब्लिक सेक्टर के बैंकों ने किसान क्रेडिट कार्ड जारी किया था. पब्लिक सेक्टर के बैंकों ने कुल 533889 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए थे, इसमें से 234984 किसान क्रेडिट कार्ड ही एक्टिव हैं. 298905 किसान क्रेडिट कार्ड डिएक्टिवेट हो गए हैं.

जारी हुआ था 807844 किसान क्रेडिट कार्ड

झारखंड में 807844 किसान क्रेडिट कार्ड जारी हुआ था. इसमें से 508614 किसान क्रेडिट कार्ड ही एक्टिव हैं. इस तरह कुल 62.96 फीसदी कार्ड एक्टिव हैं. वहीं ग्रामीण और सहकारी बैंकों द्वारा जारी किसान क्रेडिट कार्ड अब तक एक्टिव हैं. इन बैंकों द्वारा जारी कार्ड में से एक भी डिएक्टिवेट नहीं हुए हैं. ग्रामीण बैंकों द्वारा 266362 और सहकारी बैंकों द्वारा 257 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे.

पब्लिक सेक्टर के सिर्फ 44.01 फीसदी ही कार्ड एक्टिव

पब्लिक सेक्टर के बैंकों द्वारा जारी किए गए कार्ड में से सिर्फ 44.01 फीसदी ही कार्ड एक्टिव हैं. वहीं निजी बैंकों द्वारा जारी किए गए कार्ड में से 95.97 फीसदी कार्ड एक्टिव हैं. वहीं ग्रामीण और सहकारी बैंकों द्वारा जारी किए गए किसान क्रेडिट कार्ड में से शत प्रतिशत कार्ड एक्टिव हैं.

क्या है किसान क्रेडिट कार्ड की स्थिति

बैंक	जारी कार्ड की संख्या	एक्टिवेट कार्ड की संख्या	एक्टिवेट प्रतिशत
पब्लिक सेक्टर के बैंक	533889	234984	44.01
प्राइवेट सेक्टर के बैंक	7336	7011	95.57
ग्रामीण बैंक	266362	266362	100
कोऑपरेटिव बैंक	257	257	100

292.65 करोड़ से बनेगी देवघर से बासुकीनाथ फोरलेन सड़क

रांची । देवघर से बासुकीनाथ फोरलेन सड़क का निर्माण 292.65 करोड़ की लागत से किया जाएगा. इस योजना को केंद्रीय पथ परिवहन एवं हाईवे मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है. इसका निर्माण के दुमका के नेशनल हाईवे 114 ए में टावर चौक से बासुकीनाथ सेक्शन सड़क को एचएएस मोड पर फोरलेन किया जाएगा. इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से आवागमन काफी सुगम हो जाएगा. साथ ही इस क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी. देवघर और बासुकीनाथ पर्यटन क्षेत्र का भी विकास होगा. फिलहाल यह सड़क टू लेन की है. इसे फोरलेन में तब्दील करने की वजह श्रावणी मेला में होने वाली भीड़ है.

CLASSIFIED

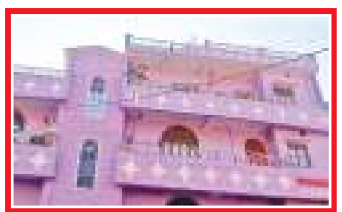

ईडी की दबिश

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

बुधवार 13 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~X~~ ● वर्ष : 1, अंक : 325 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जमीन पर अवैध कब्जा और ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर बड़ी कार्रवाई

अंबा प्रसाद से जुड़े 17 ठिकानों पर छापेमारी में 20 लाख कैश मिले

सौरभ सिंह। रांची

ईडी की टीम ने मंगलवार को कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद से जुड़े लोगों के 17 ठिकाने पर रांची से लेकर हजारीबाग तक एकसाथ छापेमारी की. ईडी की टीम ने जिन ठिकानों पर छापेमारी की,

उनमें विधायक अंबा प्रसाद के रांची के धुर्वा और बड़कागांव स्थित आवास, सीओ शशि भूषण सिंह के बिरसा चौक के हवाई नगर के रोड नंबर 4 स्थित आवास, भाजपा कार्यकर्ता राजू साव के हजारीबाग के केरेडारी स्थित आवास, विधायक के करीबी बिंदु दांगी, रुद्र सिंह, कांग्रेस के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के साथ साथ उनके भाई धीरेंद्र साव, साला मुकेश साव के हजारीबाग स्थित घर शामिल हैं.

इसके अलावा हजारीबाग जिला तेली समाज के अध्यक्ष सह व्यवसायी राजेंद्र साव के हजारीबाग खजांची तालाब रोड स्थित आवास और अंबा प्रसाद के ननिहाल में ईडी का छापा पड़ा. ईडी की टीम सुबह छह बजे ही एक साथ सभी ठिकाने पर छापेमारी शुरू कर दी थी. छापेमारी में ईडी को जमीन की खरीद-बिक्री व निवेश से जुड़े दस्तावेज और सभी ठिकानों को मिला कर करीब 20 लाख रुपए नकद मिलने की सूचना है. इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे.

जमीन पर कब्जा का प्रयास का आरोप लगा था

हाल ही में एक जमीन विवाद में अंबा प्रसाद और उनके पूरे परिवार का नाम आया था. उसकी चहारदीवारी भी जिला प्रशासन ने गिरा दी थी. सरकारी जमीन पर कब्जे का प्रयास का आरोप अंबा प्रसाद और उनके परिवार पर लगा था. दरअसल, हजारीबाग शहर के हुरहुरू स्थित खासमहाल की सरकारी जमीन पर निर्माण कार्य पर रोक के बावजूद चहारदीवारी खड़ी कर दी गई थी. 11 नवंबर 2023 को खासमहाल की जमीन पर मालिकाना हक को लेकर विवाद हुआ था, और जांच के बाद सीओ ने तत्काल जमीन पर निर्माण कार्य करने पर रोक लगा दिया था. साथ ही जमीन से संबंधित कागजातों की जांच के लिए 22 नवंबर 2023 की तिथि सीओ के कोर्ट में निर्धारित की गई थी, लेकिन सुनवाई से पूर्व ही सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए जमीन पर चहारदीवारी खड़ी कर दी गई थी.

जमीन खरीद-बिक्री व निवेश से जुड़े कागजात मिलने की सूचना

11 नवंबर 2023 को खासमहाल जमीन पर मालिकाना हक के लिए विवाद था

राजनीति में आकर बर्बाद हो गया पूरा परिवार : निर्मला देवी

हजारीबाग के हुरहुरू स्थित अंबा प्रसाद के आवास पर ईडी की छापेमारी के दौरान विधायक की मां निर्मला देवी कहीं बाहर से पहुंचीं. इस दौरान ईडी की टीम के

साथ आए सीआरपीएफ जवान उन्हें अंदर प्रवेश नहीं करने दे रहे थे. काफी देर बाद उन्हें आवास के अंदर जाने दिया गया. इससे पूर्व ईडी की दबिश के संबंध में पूछे जाने पर निर्मला देवी मीडिया के समक्ष भावुक हो गईं. उन्होंने कहा कि राजनीति में आकर उनका पूरा परिवार बर्बाद हो गया है. ईडी की छापेमारी को उन्होंने लोकसभा चुनाव के संदर्भ में राजनीति से प्रेरित बताया. वहीं, अंबा प्रसाद के लोकसभा चुनाव लड़ने पर कहा कि राजनीति बहुत गंदी चीज है. वह अपनी बेटी को भी मना करती हैं. खुद उन्होंने 10 साल राजनीति के दुष्परिणाम भुगते हैं.

जानें किन मामले को लेकर था केस दर्ज

विधायक अंबा प्रसाद के खिलाफ झड़प और गाली-गलौज के आरोप में एक मामला 30 जुलाई, 2018 में केरेडारी थाना में दर्ज हुआ था. इस केस में पांच-छह अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया था. इस केस में पुलिस अंबा प्रसाद की भूमिका पर अनुसंधान पूरा कर उनके खिलाफ 27 मार्च, 2019 को न्यायालय में चार्जशीट समर्पित कर चुकी है. वहीं, तीन मई 2021 में धोखाधड़ी सहित अन्य गंभीर आरोप में बड़कागांव थाना में अंबा प्रसाद एवं 11 अन्य लोगों पर नामजद दर्ज हुआ था. इसका वर्तमान में पुलिस अनुसंधान कर रही है. तीसरा केस कटकमदाग थाना में 29 जून, 2021 को सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, आपदा प्रबंधन अधिनियम सहित अन्य आरोप में दर्ज हुआ था. इसमें 12 अन्य लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था. इस केस में भी पुलिस अनुसंधान कर रही है. अंबा प्रसाद के खिलाफ चौथा केस कटकमदाग थाना में 12 दिसंबर 2021 को दर्ज हुआ था. इस में चार नामजद के अलावा 40 से 50 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया था. केस में सभी आरोपियों पर झड़प, मारपीट और गाली- गलौज करने का आरोप था. पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही है.

फर्जी रसीद से दाखिल -खारिज कराने सहित कई आरोप हैं शशिभूषण पर

हजारीबाग सदर अंचल के पूर्व सीओ शशि भूषण सिंह पर फर्जी रसीद निर्गत कर दाखिल खारिज करने सहित कई आरोप है. हजारीबाग के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बभनवै गांव निवासी रंजीत कुमार ने सीओ के विरुद्ध डीसी को शिकायत की थी. इसके अनुसार सीओ ने गलत तरीके से खाता नंबर 28 प्लॉट नंबर 985 रकबा 69 डिसमिल जमीन का दाखिल खारिज कर दिया है. जनवरी 2024 में एक साथ 66 वर्षों का फर्जी रसीद भी निर्गत करने का आरोप है. उक्त खतियानी जमीन वॉल्यूम नंबर 01 पेज नंबर 30 का रसीद स्व० बोधा महतो व मो पनवा देवी के नाम से रसीद कटता चला आ रहा है. यह रसीद वर्ष 2023-2024 तक निर्गत होते चला आ रहा है. लेकिन पूर्व सीओ ने पार्वती देवी पति द्वारिका मिस्त्री को लाभ पहुंचाते हुए उसके नाम से 66 साल तक का रसीद निर्गत कर दिया. नियम विरुद्ध म्यूटेशन एवं रसीद निर्गत करने का यह कार्य अंचल अधिकारी सदर हजारीबाग शशि भूषण सिंह द्वारा राजस्व कर्मचारी एवं राजस्व निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन के बिना ही स्वयं के लॉगिन से किया गया है.

इन ठिकानों पर हुई छापेमारी

- **योगेंद्र साव** : हजारीबाग में कालावती अस्पताल के बगल में, डूमर लाज के पास हुरहुरू रोड यहां हबिकान प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स अष्टभूजी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स मां अस्टभूजी सेरामिक, वी कनेक्ट इंडिया, लक्ष्मण सेरामिक एंड मिनरल, मेसर्स अंकित राज, मेसर्स योगेंद्र प्रसाद, मेसर्स एसकेएस इंटरप्राइजेज, मिलियन ड्रीम फाउंडेशन.
- **मुकेश साव** : 349, 1, मुंद्रिका भवन, बड़कागांव रोड, बिश्वेशवर नर्सिंग होम, हजारीबाग.
- मेसर्स जय मां अष्टभूजी कंस्ट्रक्शन एंड रेसिडेंशियल
- **प्रेमिसेज आफ राजेश साव** : 349, 1, मुंद्रिका भवन, बड़कागांव रोड, बिश्वेशवर नर्सिंग होम, हजारीबाग.
- **संजय कुमार** : खरांती, गोसाईंबलिया, बड़कागांव, हजारीबाग.
- **अंबा प्रसाद** : विधायक, एफ-44, सेक्टर-3, जगन्नाथपुर, धुर्वा, रांची.
- **पंकज नाथ** : फ्लैट नंबर -9, ब्लाक-बी, जी-9, साईं रेसिडेंसी, चित्रगुप्तनगर, बड़गाईं गांव, बड़गाईं एरिया, बड़गाईं रोड, रांची.
- **अजीत कुमार गुप्ता उर्फ इंदर** : पिता राजेंद्र प्रसाद, 68 केबी रोड, खजांजी तलाब के नजदीक, सदर, हजारीबाग.
- **कुशाग्र रुद्र** : पिता दिनेश कुमार राणा, दिनकर नगर, फॉरेस्ट कॉलोनी, हजारीबाग.
- **बिंदेश्वर कुमार दांगी** : पिता प्रेम नाथ महतो, जीडीएम चौकथाना के नजदीक, गुरुचट्टी, बड़कागांव, हजारीबाग.
- **मनोज कुमार अग्रवाल** : पिता गजानंद अग्रवाल, फ्लैट नंबर 101, फर्स्ट फ्लोर, मुंका बगीचा, महेश सोनी चौक, हजारीबाग
- **उदय साव** : पिता महावीर साव, मेयातू गेट, सुल्ताना हजारीबाग.
- **शशि भूषण सिंह** : पिता मकसुदन प्रसाद, रोड नंबर-5, हवाई नगर, रांची.
- **योगेंद्र साव** : पतरवा चौक, हजारीबाग.
- **पंकज नाथ** : ओकनी बाड़ा, हजारीबाग
- **धीरेंद्र साव** : हुरहुरु रोड, हजारीबाग.

नाजिर अली लेन में फैली गंदगी से लोग परेशान, निगम का नहीं ध्यान

संवाददाता। रांची

रमजान का पाक माह शुरू हो गया है. इसके बावजूद मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की सफाई नाकाफी है. मेन रोड से करीब चर्च रोड स्थित नाजिर अली लेन में करीब 5 हजार की आबादी है. पास में ही मस्जिद है. इस मार्ग से बड़ी संख्या में नमाजियों का आना जाना लगा रहता है, लेकिन नगर निगम का इस ओर थोड़ा भी ध्यान नहीं है. क्षेत्र की नालियां अटी पड़ी हैं, जगह-जगह कचरे का अंबार लगा है. लोग काफी परेशान हैं.

निगम को ध्यान देने की जरूरत : रज्जाक

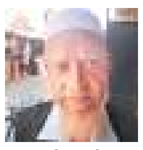

क्षेत्र के अब्दुल रज्जाक ने कहा कि गंदगी की परेशानी बनी हुई है. रमजान का महीना भी शुरू हो गया है. कम से कम नमाजियों का ख्याल करते हुए नगर निगम को इस ओर बेहतर साफ-सफाई करने की जरूरत है.

अधूरी सफाई से फैल रही गंदगी : मोख्तार

मो. मोख्तार ने कहा कि लेन में घनी आबादी है, यहां निगम की ओर से झाड़ू भी नहीं दी जाती. कचरा उठाव भी भली भांति नहीं होता है. अधूरी सफाई की वजह से गंदगी की परेशानी बनी हुई है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

सफाई के प्रति निगम का ध्यान नहीं : फैज

फैज अहमद ने कहा कि क्षेत्र की नालियों की सफाई नहीं होती, कचरे का उठाव भी नहीं हो रहा. परेशानी बनी हुई है. इस संबंध में जानकारी दी गई, लेकिन पहल अबतक नहीं की गयी है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

गंदगी से बढ़ी बदबू की परेशानी : शाहिद : शाहिद अख्तर ने कहा कि क्षेत्र में वर्षों से गंदगी की परेशानी बनी हुई है. इस ओर नगर निगम का ध्यान नहीं है. गंदगी की वजह से दुर्गंध की परेशानी भी है. रमजान का महीना है, निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

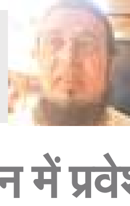

धरना, प्रदर्शन, रैली को देखते हुए दो माह के लिए धारा 144 लागू

संवाददाता। रांची

शहर के कई स्थानों पर दो माह के लिए धारा 144 लगा दी गयी है. सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने धारा 144 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 144 लागू करने का निर्देश दिया है. बताया जाता है कि विभिन्न संगठनों, दलों द्वारा धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली आदि किये जाने की सूचना को लेकर सदर एसडीओ ने आदेश जारी किया है. बता दें कि हाल के दिनों में पूर्व में निर्धारित स्थान जाकिर हुसैन पार्क की जगह ऐसे कार्यक्रम राजभवन के मुख्य द्वार, मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड पर भी शुरू हो गये हैं. प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से सरकारी काम-काज में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था बाधित होती है. विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने तथा शांति भंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता.

इन स्थानों पर लगायी गयी है धारा 144

- मुख्यमंत्री आवास मोरहाबादी की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में
- पुराना मुख्यमंत्री आवास कांके रोड की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में
- राजभवन की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में (जाकिर हुसैन पार्क को छोड़ कर)
- झारखंड उच्च न्यायालय की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में
- नयी विधानसभा की चहारदीवारी से 500 मीटर की परिधि में
- प्रोजेक्ट भवन, नेपाल हाउस की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में

पीएम आज सफाईकर्मियों से करेंगे संवाद

रांची। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को समाज के वंचित वर्ग और नमस्ते योजना के लाभार्थियों से बात करेंगे. पीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दैनिक सफाईकर्मियों के साथ अन्य श्रमिकों से लाइव संवाद करेंगे. कार्यक्रम श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान के ऑडिटोरियम में होगा. कार्यक्रम में नमस्ते योजना और पीएम दक्ष योजना से जुड़े लोग और वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में जुटे लोग भी शामिल होंगे. संवाद कार्यक्रम के लिए राज्य के 17 जिलों के 6310 लोगों का चयन किया गया है.

कब होगा गौशाला न्यास समिति चुनाव

नयी समिति के लिए 19 उम्मीदवार कर रहे बेसब्री से इंतजार

संवाददाता। रांची

गौशाला न्यास समिति का चुनाव कब होगा. 19 उम्मीदवार बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसका कार्यकाल नवंबर 2023 में ही खत्म हो चुका है. इसके मद्देनजर 4 फरवरी को चुनाव की तिथि तय की गयी थी, लेकिन 135 सदस्यों को सदस्यता नहीं दिए जाने का मामला गरमा गया. इससे चुनाव टालना पड़ा. इसके बाद मान्या पैलेस, मोरहाबादी में 28 फरवरी को चुनाव कराने की तैयारी की गयी, पर वह भी सदस्यता मामले की भेट चढ़ गयी. इसी बीच दैनिक शुभम संदेश ने बाढ़ू मौजा स्थित गौशाला की 15.95 जमीन औने-पौने भाव में बेचे जाने के मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिससे सदस्यों के साथ-साथ मारवाड़ी समाज में भी विरोध के स्वर मुखर होने लगे. मामला गो सेवा आयोग तक पहुंचा. एक ओर से गौशाला न्यास समिति के चेयरमैन रतन जालान, सचिव प्रदीप राजगढ़िया सहित कई प्रमुख लोगों ने अपनी अपनी बातें आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद के समक्ष रखीं, तो दूसरे पक्ष से समिति के सदस्य और उम्मीदवार ललित कुमार पोद्दार और ज्योति बजाज सहित कई लोगों ने अपनी बातें आयोग अध्यक्ष को बतायीं. दोनो पक्षों की बात सुन राजीव रंजन प्रसाद ने चुनाव टाल कर आम सहमति से सारे फैसले लेने की बात कह कर मामला सुलटाया.

दूसरी बार भी टल चुका है चुनाव : गौशाला न्यास समिति का चुनाव उठे विवादों के कारण दूसरी बार भी टल गया. मान्या पैलेस, मोरहाबादी में 28 फरवरी को चुनाव न करा कर आम सभा की गयी. जिसमें सदस्यों की मान्यता और गौशाला की जमीन कौड़ी के भाव बेचे जाने को लेकर खूब नोंक-झोंक हुई. स्थिति बिगड़ती देख चेयरमैन रतन जालान ने 15 दिनों के अंदर सारे मामले निबटा लिए जाने का आश्वासन दिय. बावजूद आम सभा में सवाल पर सवाल उठते रहे, तो मौके नजाकत को देखते हुए समय पूर्व ही अध्यक्ष पुनीत कुमार पोद्दार ने उपाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल से धन्यवाद ज्ञापन करा कर सभा समाप्त करा दी थी.

15 दिनों का है टाइम बाउंड, गुजर गये 13 दिन : गौशाला न्यास समिति के चेयरमैन रतन जालान ने आम सभा में सब कुछ ठीक-ठाक कर देने की बात कह कर 15 दिनों का समय सदस्यों से मांगा था. इधर सभा के 13 दिन गुजर गये हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में किसी तरह की सार्थक पहल नहीं की गयी है. सभी को टाइम बाउंड समाप्त होने का इंतजार है. एक सदस्य ने बताया कि गौशाला के 120 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दो बार घोषणा कर के भी चुनाव नही कराये गये हों.

बनी है असमंजस की स्थिति : गौशाला न्यास समिति के चुनाव के लिए नामांकन कर चुके 19 लोग चुनाव तिथि की घोषणा किये जाने को लेकर जहां असमंजस में हैं, वहीं 110 सदस्य मान्यता को लेकर आशांकित है. एक उम्मीदवार ने बताया कि जमीन घोटाला से लेकर 2020 में बनाये गये सदस्यों को मान्यता देने के मामले में बड़ा पेंच है. ऐसे में जल्द चुनाव कराना संभव न होगा. आगे देखना है कि ऐसे में न्यास और कार्यकारिणी समिति विवेक से मसले को सुलटा कर क्या फैसला लेती है?

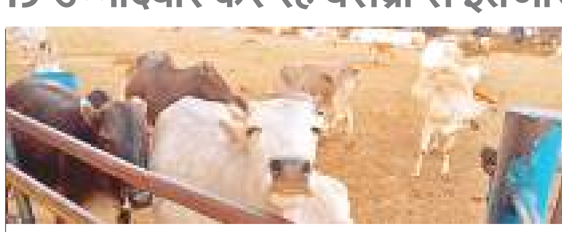

गौशाला न्यास समिति चुनाव के उम्मीदवार

अरुण कुमार बुधिया	ज्योति बजाज	राजगड़िया
वासुदेव लाल भाला	कमल खेतावत	प्रेम मित्तल
भगवती प्रसाद सराफ	कमल कुमार	राजेंद्र बंसल
भानु प्रकाश जालान	सिंघानिया	राजेंद्र कुमार चौधरी
भारत कुमार बगरिया	काशी प्रसाद कनोइ	राजेश कुमार चौधरी
दीपक कुमार पोद्दार	ललित कुमार पोद्दार	सुरेश कुमार जैन
हेमेंद्र सिंह	प्रदीप कुमार	विश्वनाथ जाजोदिया

क्या कहते हैं उम्मीदवार

- **प्रेम मित्तल :** चुनाव जब होगा, तब होगा. इससे ज्यादा मतलब नहीं है. इसे वर्चस्व की लड़ाई न बनायें. गौशाला धार्मिक संस्थान है. सर्वसम्मति से मसलो को सुलझाएं. कार्यकारिणी का पद रिक्त है. जल्द चुनाव कराया जाना चाहिए.
- **सुरेश जैन :** पद से मतलब नहीं है. गो सेवा करते थे और कर रहे हैं. आगे भी करते रहेंगे. टीम लीडर का जैसा निर्देश होगा, वैसा ही करेंगे. कार्यकारिणी में तीन साल के लिए चुन कर आते हैं. कार्यकाल पूरा हो गया है, लेकिन सेवा जारी है.
- **अरुण बुधिया :** गौ माता की कृपा से जल्द से जल्द सब मामला सुलझ जाये. गो सेवा का कार्य निरंतर चलता रहना चाहिए, चाहे कोई भी बाधा आये. चुनाव उतना जरूरी नहीं है, जितना कि गौ माता की सेवा जरूरी है.
- **वासुदेव लाल भाला :** ट्रस्टी जब मर्जी करा लें चुनाव. हम तो सिंपल मेंबर हैं, कुछ नहीं कह सकते. ट्रस्टी ही निर्णय लेकर जो आदेश देते हैं, उसी का पालन कार्यकारिणी सदस्य करते हैं. गौ माता का खाना और घर बेहतर है कि नहीं यही देखना हमारा काम है, लेकिन जो विवाद उठ रहा, वह ठीक नहीं है. आमसहमति से इसे सुलझाना चाहिए.
- **राजेंद्र बंसल :** टर्म खत्म होने के बाद तो चुनाव कराना चाहिए. हम तो उम्मीदवार हैं. कुछ नहीं जानते क्या मसला है, फिर भी दो बार तो प्रयास किया ही गया था, लेकिन नहीं हुआ तो इसमें हम क्या कह सकते हैं. चुनाव में देरी परिस्थितिवश हुई है. आगे कब चुनाव करायेंगे ये तो पदाधिकारी ही बता सकते हैं.
- **ललित कुमार पोद्दार :** वर्ष 2020 में बनाये गये 135 सदस्यों को मतदान का अधिकार दे कर चुनाव करवा दें, किसी को कोई आपति नहीं है. पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय ज्ञानप्रकाश बुधिया, पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय चतुर्भुज जी खेमका और पूर्व सचिव ज्योति बजाज के द्वारा जो सदस्य बनाये गये थे, उन्हें मान्यता देनी ही चाहिए. गौशाला धार्मिक और सामाजिक संस्था है, इसके संचालन में ईगो नहीं रखनी चाहिए. गौशाला हमारे पूरे समाज की है, सबको साथ लेकर चलना चाहिए.

पंचांग सूर्यदेव कुंभ राशि से निकल कर मीन में प्रवेश करेंगे, शहनाई पर लग जाएगा विराम

खरमास कल से, अब एक माह नहीं होंगे मांगलिक कार्य

राजन बॉबी। रांची

मांगलिक कार्य के सिर्फ एक दिन बचे हैं. फिर पूरे माह इंतजार करना होगा, क्योंकि 14 मार्च से खरमास लग रहा है. गुरुवार को दोपहर बाद सूर्य देव की कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास लगेगा. इसके साथ ही मांगलिक कार्य नहीं होंगे. खरमास में शादी-विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश आदि शुभ कार्य करना वर्जित है. आचार्य श्यामसुंदर भारद्वाज और अजय मिश्रा बताते हैं कि इस दौरान नये कारोबार की शुरुआत और जमीन आदि खरीदारी से परहेज करना चाहिए. शुभ कार्यों के लिए सूर्य और वृहस्पति का अच्छी स्थिति में रहना जरूरी है, लेकिन खरमास में दोनों कमजोर रहते हैं.

ऐसे में मांगलिक कार्य नहीं किए जा सकते. 13 अप्रैल को भुवन भास्कर पुनः ब्रह्मांड की परिक्रमा कर जब मेष राशि में प्रवेश करेंगे, तो शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाएगी. सनातनी मांगलिक कार्यों प्रारंभ कर देंगे. शहनाइयां बजने लगेंगी. आचार्य श्यामसुंदर भारद्वाज ने बताया कि भगवान सूर्य कुंभ राशि से निकलकर गुरुवार को दिन के 03.21 बजे मीन राशि में प्रवेश करेंगे. इसके साथ ही खरमास की शुरुआत हो जाएगी. उन्होंने बताया कि सूर्यदेव मीन राशि में 13 अप्रैल रात 11:27 बजे तक रहेंगे. भुवन भास्कर के मेष राशि में आने के साथ ही खरमास का समापन हो जाएगा.

खास बातें

- शादी-विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश शुभ कार्य होंगे वर्जित
- 14 मार्च के दिन के 03.21 बजे से लगेगा खरमास

साल में दो बार लगता है खरमास

आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि खरमास में सूर्य अपने गुरु गृह की सेवा में होते हैं. इसस शुभ कार्यों पर सूर्य का प्रभाव कम हो जाता है. खरमास में विवाह, मुंडन समारोह और गृह प्रवेश पर रोक होती है. पूजा-पाठ, दान, जप-तप, गुरु, गाय और साधु-संन्यासियों की सेवा, तीर्थ यात्रा, भगवान सूर्य को जल अर्पण आदि धार्मिक कार्य किये जा सकते हैं. साल में दो बार खरमास लगता है. एक बार सूर्य जब धनु राशि में प्रवेश करते हैं तो और फिर जब सूर्य मीन राशि में आते हैं तब.

17 मार्च से होलाष्टक की शुरुआत : आचार्य श्रीकृष्ण ने पंचांग की गणना कर बताया कि होलिका दहन से आठ दिन पहले होलाष्टक की शुरुआत हो जाती है. होलाष्टक 17 मार्च से शुरू हो रहा है. इसका समापन 25 मार्च को होगा. आचार्य श्यामसुंदर भारद्वाज ने बताया कि होलाष्टक के दौरान भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं.

अप्रैल में पांच ही है शादी के शुभ मुहूर्त : अप्रैल -18, 19, 20,21 और 22 को ही शहनाई बजेंगी. आचार्य श्रीकृष्ण ने बताया कि इससे पहले और बाद में कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं है. मांगलिक कार्य नहीं होंगे.

23 अप्रैल 30 जून तक नहीं है शादी के शुभ मुहूर्त : आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि 23 अप्रैल से 30 जून तक शादी-विवाह के शुभ मुहूर्त नहीं है. शुक्र ग्रह के अस्त रहने से शहनाइयां नहीं बजेगी. उन्होंने बताया कि विवाह लग्न के लिए सूर्य का उदय रहना जरूरी है.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बिंदे कुमार
- सर्जरीः डॉ विनय प्रताप
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- आर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- कार्डियोलॉजीः डॉ पीके श्रीवास्तव
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- नेत्रः डॉ दीपक लकड़ा
- ऑब्स गायनीः डॉ अतीमा भारती
- ईएनटीः डॉ जेडएम खान
- सीटीवीएसः डॉ राकेश कुमार
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ अभिषेक कुमार सिंह
- न्यूरोलॉजीः डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वसुधा, डॉ वीणा विनायक
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ संतोष
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ प्रशांत कुमार
- कार्डियो डायबिटिकः डॉ एके झा
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष
- अंकोलॉजीः डॉ गुंजेश कुमार

यूजी सेमेस्टर 4 का परीक्षा परिणाम जारी, सभी छात्रों को प्रोमोट करने पर कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय तक धरना प्रदर्शन

रिजल्ट में खुद को प्रोमोट देख कर चौंक गए छात्र, रांची विवि में की तालाबंदी

संवाददाता। रांची

मारवाड़ी कॉलेज के सभी छात्रों को प्रमोट कर दिया गया. प्रमोट होने वाले छात्र स्नातक (यूजी) सत्र 2021-24 के सेमेस्टर 4 के हैं. रिजल्ट मंगलवार सुबह जारी हुआ. छात्रों ने जैसे ही अपना रिजल्ट देखा, तो चौंक गए. एक-दूसरे से संपर्क किया, तो सभी ने बताया कि मैं भी प्रमोट हूं. अपनी प्रमोट होने की बात को लेकर छात्र कॉलेज पहुंचे, तो वहां उनके साथ बदसलूकी की गई. नाराज छात्रों ने विश्वविद्यालय की ओर रुख किया और धरना प्रदर्शन किया.

इसी क्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में ताला जड़ दिया गया. छात्रों का आरोप है कि एक घंटा पहले जब वे मारवाड़ी कॉलेज में धरना दे रहे थे, वहां के कर्मचारियों ने छात्रों के साथ बदसलूकी की, जिससे नाराज होकर छात्र विश्वविद्यालय पहुंचे और अपनी मांग को लेकर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन में ताला जड़ दिया. रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा ने बताया कि ओटोनोमस के समय मारवाड़ी कॉलेज ने परीक्षा ली थी, जिसका डेटा विश्वविद्यालय को नहीं भेजा गया था. इसके कारण ही छात्रों के साथ प्रमोट लगा है. वैसे छात्रों को 5वें सेमेस्टर का फॉर्म भरने दिया जा रहा है.

छात्र नाराज

- परीक्षा नियंत्रक बोले- डेटा के अभाव में किया गया प्रमोट
- छात्रों कर आरोप- मारवाड़ी कॉलेज में की गई बदसलूकी

विवि को समय पर भेज दिया था डेटा : प्राचार्य

मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि मारवाड़ी कॉलेज से सारा डेटा विश्वविद्यालय को समय पर ही भेज दिया गया है. उन्होंने कहा रांची विश्वविद्यालय ने नोटिस जारी कर के कहा कि 5वें सेमेस्टर की परीक्षा मारवाड़ी कॉलेज ही लेगी. बता दें कि इससे पहले सोमवार को भी रांची विश्वविद्यालय में तालाबंदी की गई थी.

साईं नाथ विवि और लॉ कॉलेज के बीच एमओयू

रांची। साईं नाथ विश्वविद्यालय और छोटानागपुर लॉ कॉलेज, रांची के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया है. कार्यक्रम में साईं नाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो डॉ एसपी अग्रवाल व छोटानागपुर लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल सह रांची विवि के विधि विभाग के डीन डॉ पंकज चतुर्वेदी समेत लॉ कॉलेज के संकायाध्यक्ष डॉ साक्षी पाठक मौजूद थे. इस एमओयू के द्वारा नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरुआत हुई है. एमओयू का उद्देश्य पाठ्यक्रम के अनुरूप छात्र इंटर्नशिप के साथ-साथ छात्र और संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना है. साथ ही मूट कोर्ट व पुस्तकालय आदान-प्रदान कर विधि के विद्यार्थियों की वकालत का कौशल बढ़ाना है. विधि के छात्रों को अदालतों और मुकदमों से परिचित करवाया जाएगा. छात्र कानून की विभिन्न धाराओं में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे. छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों के लिए भी सीखने और नए खोज करने के लिए एक बेहतर योजना होगी. इसके अलावा मूट कोर्ट, कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे, जो दोनों संस्थानों के लिए लाभप्रद साबित होगा. इस मौके पर साईं नाथ विवि के कुलपति डॉ अग्रवाल ने कहा कि इस एमओयू के जरिये कानून का अध्ययन करने से लेकर समाज की वर्तमान चिंता की समस्याओं के साथ सीधे जुड़ाव के माध्यम से प्रयोगात्मक शिक्षा की ओर बदलाव लाना है. इस एमओयू में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई. कुलपति ने मूट कोर्ट की महत्ता को बताते हुए कहा कि मूट कोर्ट विद्यार्थियों को कौशल बढ़ाने का अवसर देता है, ताकि छात्र समाज के हित में कार्य करें.

- एमओयू के जरिए नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरुआत
- सीखने और नये खोज की योजना को मिलेगा बल

ब्रीफ खबरें

द. छोटानागपुर आयुक्त बने अंजनी कुमार मिश्र

रांची। मंगलवार को अंजनी कुमार मिश्र ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल के 27 वें आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया. वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2011 बैच के अधिकारी हैं. इससे पूर्व वे राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, में विशेष सचिव, के पद पर कार्यारत थे. इस अवसर पर आयुक्त के सचिव जुल्फिकार अली, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी गौतम कुमार भगत, परिवहन आयुक्त समेत आयुक्त कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

ग्रामीण विकास सचिव बने के. श्रीनिवासन

रांची। के. श्रीनिवासन ने मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के 18 वें सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया. इस मौके पर निवर्तमान सचिव चंद्रशेखर ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया. पदभार लेने के बाद के श्रीनिवासन ने पदाधिकारियों के से मुलाकात की. मौके पर मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, संयुक्त सचिव अवध नारायण प्रसाद, अरुण कुमार सिंह , विशेष सचिव राजेश कुमार राय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

सीईसी ने दी व्हीकल मैनेजमेंट की ट्रेनिंग

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने सभी जिलों के वाहन कोषांग पदाधिकारियों और कर्मियों को इलेक्शन ड्यूटी को लेकर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पारदर्शी और कम खर्च वाले व्हीकल मैनेजमेंट सिस्टम तैयार करें. इसके लिए एनआईसी द्वारा विकसित वीएमएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें. इससे चुनाव कार्य में उपयोग किये जाने वाले

रांची सीवरेज ड्रेनेज सिस्टम

18 साल, 4 जोन, 2 कंपनी और काम अधूरा

तरुण कुमार चौबे। रांची

रांची शहर में सीवरेज ड्रेनेज प्रोजेक्ट का काम 18 साल पहले शुरू हुआ था. अभी तक पूरा नहीं हो सका है. इसके साथ ही घरों के नालियों को सीवरेज-ड्रेनेज से जोड़ने का भी काम अधूरा है. जोन-एक के घरों को सीवरेज-ड्रेनेज सिस्टम से जोड़ने के लिए रांची नगर निगम ने तीन बार टेंडर निकाला, लेकिन किसी भी एजेंसी ने इंटरेस्ट नहीं दिखाया. निगम ने अब चौथी बार टेंडर निकाला है, जिसके मुताबिक 4.58 करोड़ रुपए की लागत से जोन-एक के घरों के नालियों को सीवर लाइन से जोड़ने की योजना है. उल्लेखनीय है कि शहर को चार जोन में बांट करके घरों की नालियों को सीवरेज-ड्रेनेज सिस्टम से जोड़ा जाना है.

2005 में शुरू हुआ था काम, ज्योति बिल्डकॉन को बीच में ही हटाना पड़ा

सीवरेज-ड्रेनेज प्रोजेक्ट का काम वर्ष 2005 में शुरु हुआ था. वर्ष 2007 में शहर को चार जोन में बांट कर योजना का डीपीआर तैयार किया गया था. जब भी काम शुरू हुआ, विवाद साथ में उठ खड़ा हुआ. इस कारण वर्ष 2014 में प्रोजेक्ट में संशोधन किया गया. शहर में 210 किमी सीवर लाइन बिछाने का निर्णय लिया गया. वर्ष 2015 में ज्योति बिल्डकॉन ने टेंडर हासिल किया. पहले चरण में शहर के नौ वार्डों में सीवर लाइन बिछाने के लिए 356 करोड़ का टेंडर हुआ था. दो साल में काम पूरा करना था. तीन बार एक्सटेंशन लेने के बाद भी कंपनी ने काम पूरा नहीं किया. कंपनी पर अनियमितता के आरोप भी लगे. जिसके बाद सरकार ने कंपनी को टर्मिनेट कर दिया. फिर काम की जिम्मेदारी एलसी इंफ्रा को दी गई.

एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन

जानकारी के मुताबिक सीवरेज ड्रेनेज सिस्टम को पूरा करने के लिए पहला एक्सटेंशन सितंबर 2017 में दिया गया. दूसरा एक्सटेंशन मार्च 2019 में दिया गया. फिर तीसरा एक्सटेंशन देते हुए समय सीमा जनवरी 2023 तक बढ़ा दी गयी. वर्ष 2024 के दो माह बीत चुके हैं. काम अब भी अधूरा है. काम पूरा होने में देरी के कारण महालेखाकार ने भी सवाल उठाया है. महालेखाकार की रिपोर्ट के मुताबिक विभाग ने भी शर्तों का उल्लंघन कर अयोग्य और अनुभवहीन संवेदक को काम दे दिया, जिस कारण काम पूरा नहीं हो पाया है. योजना की डीपीआर तैयार करने के लिए 16.04 करोड़ रुपए परामर्शी को दिया गया, जो बेकार चला गया.

जोन में खर्च होंगे (अनुमानित)

- जोन-1 : 182.36 करोड़
- जोन-2 : 100.41 करोड़
- जोन-3 : 1462.30 करोड़
- जोन-4 : 556.39 करोड़
- कुल : 3210.43 करोड़

किस जोन में कौन-सा क्षेत्र

- जोन-1 : वार्ड नंबर-1, 2, 3, 4, 5, 30, 31, 32 व 33 (मोरहाबादी, चिरौंदी, पंडरा, कांके, डुमरदगा, टैगोर हिल एरिया, रातू रोड, बजरा, बूटी मोड़)
- जोन-2 : वार्ड नंबर-8, 9, 10, 11, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 (लालपुर, वर्धमान कंपाउंड, अलबर्ट एक्का चैक, पुरुलिया रोड, कोकर, नामकुम)
- जोन-3 : वार्ड नंबर-20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29 34, 35, 36, 37, 38, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50 (पहाड़ी मंदिर, हरमू, अशोक नगर, हिनू, कडरू)
- जोन-4 : वार्ड नंबर-37, 38, 39, 40, 50, 51, 52 व 53 (धुर्वा, एचईसी, हटिया, बिरसा चौक, हेसाग, तुपुदाना, जगन्नाथ मंदिर)

सिटी अपडेट

6 बाइक के साथ गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

रांची। पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया है. एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चोरी के छह बाइक साथ तीन चोर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में सूरज कुमार, कौशलेंद्र कुमार और तौफिक आलम शामिल है. मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि डेली मार्केट थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान तीन संदिग्ध वाहन चालकों को उनके वाहन सहित पकड़ कर पूछताछ की गई. इस क्रम में उनसे वाहन संबंधित कागजात की मांग किए जाने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया. पूछताछ के दौरान पता चला कि तीनों व्यक्ति बिहार के हैं, जो रंची में रह कर बाइक चोरों का गिरोह बना जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं. पकड़े गए तीनों आरोपियों की निशानदेही पर लालपुर, कांके और अनगड़ा थाना क्षेत्र से कुल 6 बाइक, कई फर्जी नंबर प्लेट और बाइक चोरी में प्रयुक्त होने वाले औजार बरामद किए गए.

नामकुम में 3 दुकानों लगी आग, भारी नुकसान

रांची। जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के नामकुम बाजार चौक स्थित दुकानों में तड़के करीब 3 बजे भीषण आग लग गई. एक दुकान में आग लगने के बाद आग ने बगल की दो और दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर पुलिस ने इसकी जानकारी अग्निशमन विभाग को दी. इसके बाद अग्निशमन विभाग के दमकल वहां पहुंचे और आग पर काबू पाया. आग से भारी नुकसान की बात कही गई है. जिन दुकानों में आग लगी, उनमें पूनम देवी का पूजा के सामान और कपड़ा धुलाई की दुकान, शंकर रजक की फल और पूजा के सामान की दुकान और सत्येंद्र यादव की पान पेट्रोल, डीजल और जनरल स्टोर की दुकानें शामिल हैं. आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है.

युवा शक्ति के रांची बंद का मिला जुला असर रहा

रांची। राष्ट्रीय युवा शक्ति के बैनर तले वर्ष 2023 में मोरहाबादी बापू वाटिका के समक्ष वीर भगत सिंह की प्रतिमा की स्थापना की गई थी, जिसे नगर निगम द्वारा हटा दिया गया था. उसके बाद से संगठन लगातार प्रतिमा स्थापना के लिए शातिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा था. एक वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रतिमा स्थापित नहीं करने पर बाद राष्ट्रीय युवा शक्ति ने मंगलवार को रांची बंद का आह्वान किया था. राजधानी में बंद का मिला जुला असर रहा. कुछ जगहों जैसे हरमू, विद्यानगर, पिस्का मोड़ पर सुबह 10 बजे बंदी का असर दिखा. अल्बर्ट एक्का चौक, अपर बाजार, मोरहाबादी, लालपुर में बंद का कोई खासा असर नहीं था. मेन रोड में सभी दुकानें सजी हुई थीं. वहीं अन्य जगहों पर दोपहर से ही चहल-पहल शुरू हो गई.

सोशल वर्कर सर्वेश सिंह ने सीएम को लिखा पत्र

पंचायती राज की निदेशक निशा उरांव पर टेंडर टालने का आरोप

संवाददाता। रांची

आरटीआई एक्टिविस्ट और सोशल वर्कर सर्वेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा है कि पंचायती राज विभाग की निदेशक निशा उरांव 14 महीने से मैन पावर की निविदा को अनावश्यक रूप से टाल रही हैं. सर्वेश ने कहा कि पंचायती राज विभाग ने मैनपावर उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों के चयन के लिए जनवरी 2023 में निविदा निकाली थी.

विभाग को उसके मन मुताबिक एजेंसी नहीं मिली और टेंडर रद्द कर दिया गया. इसके बाद फिर से अक्टूबर 2023 में टेंडर निकला, लेकिन वह भी अभी तक निष्पादित नहीं हुआ है. सर्वेश सिंह ने कहा कि विभाग के मंत्री के लोगों का सेलेक्शन नहीं होने के कारण टेंडर फाइनल होने में देर हो रही है. अगर यह टेंडर निष्पादित हो जाता, तो 1500 बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मिल जाता. उन्होंने कहा कि जो टेंडर 3 महीने में फाइनल हो जाना चाहिए था, उसे निशा उरांव 14 महीने में फाइनल नहीं करवा पाई हैं. सर्वेश ने सीएम से आग्रह किया है कि जब निशा उरांव एक टेंडर करवाने में सक्षम नहीं हैं, तो तत्काल उनकी सेवा कार्मिक विभाग को वापस कर दी जाए.

हेमंत सोरेन प्रकरण में 27वें दिन भी जारी रहा झामुमो का उपवास

विपक्ष को खत्म करने की साजिश : संजय

संवाददाता। रांची

मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष झामुमो का उपवास कार्यक्रम 27वें दिन भी जारी रहा. मंगलवार को झामुमो के गिरिडीह जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. इस दौरान रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम भी मौजूद रहे. संजय सिंह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने एक चुनी हुई सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन को एक ऐसे मुकदमे में फंसाया है, जिससे दूर-दूर तक उनका कोई लेना-देना नहीं है.

केंद्र की भाजपा सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का सहारा लेकर तानाशाही रवैया अपनाते हुए देश के सारे विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है. वहीं रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा कि हेमंत सोरेन को केंद्र सरकार द्वारा प्रताड़ित करने के विरोध में यहां की आम जनता में भी काफी रोष है, क्योंकि जिस तरह से हेमंत सोरेन राज्य का विकास कर रहे थे, जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभ दिला रहे थे, उन विकास कार्यों को केंद्र की भाजपा सरकार ने बाधित किया. झारखंड के लोग आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार को जवाब देंगे.

उपवास कार्यक्रम में मुख्य रूप से गिरिडीह जिला से राजधनवार के पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी, गांडेय के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, केंद्रीय समिति सदस्य बबली मरांडी, अजित कुमार पप्पू, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सह केंद्रीय समिति सदस्य दिलीप मंडल, रांची जिला से केंद्रीय सदस्य सुशीला एक्का, समनूर मंसूरी, पवन जेडिया, गिरिडीह जिला सचिव महालाल सोरेन, डुमरी से अखिलेश महतो उर्फ राजू महतो, रांची जिला से रामशरण तिर्की, अंतू तिर्की, रांची जिला उपाध्यक्ष कलाम आजाद, बीरु साहू, अश्विनी शर्मा, बीरु तिर्की, मुन्ना बड़ाईक, सचिव डॉ. हेमलाल मेहता, महिला मोर्चा गिरिडीह जिलाध्यक्ष प्रमिला मेहरा, सचिव ज्योति सोरेन, गिरिडीह प्रखंड अध्यक्ष प्रधान मुर्मू, सचिव दिलीप रजक, गांवा प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह, रांची जिला से आफताब आलम, तालकेश्वर महतो, बबलू राम, रांची जिला प्रवक्ता अरविन्द सिंह देवल, सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे.

साधा निशाना

- केंद्र की भाजपा सरकार ने चुने हुए मुखिया को फंसाया
- लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा को जवाब देगी जनता

कवायद

सरकारी स्कूल के बच्चों के न्यूट्रिशन को बढ़ाने और शारीरिक विकास पर जोर

2500 बच्चों को एमडीएम में दिया जा रहा गिफ्ट मिल्क

रजनीश प्रसाद। रांची

रांची जिले के 2500 बच्चों को गिफ्ट मिल्क दिया जा रहा है. सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन के साथ इसे दिया जाता है. गिफ्ट मिल्क देने की शुरुआत फरवरी माह के पहले सप्ताह से शुरू हुई. ये मार्च तक दिया जाएगा. गिफ्ट मिल्क देने का उद्देश्य सरकारी स्कूल के बच्चों के न्यूट्रिशन को बढ़ाना और बच्चों का शारीरिक विकास करना है.

एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन गिफ्ट मिल्क दे रहा है. गिफ्ट मिल्क देने में झारखंड मिल्क फेडरेशन का भी सहयोग है. 2500 स्कूलों के बच्चों को मिल्क फ्री में दिया जा रहा है.

मिड डे मील में मिल्क नहीं दिया जाता है. ये केवल दो महीने के लिए ही दिया जाएगा. यह योजना पूरे झारखंड में लागू नहीं है. फाउंडेशन ने चिह्नित करके बच्चों को गिफ्ट मिल्क दे रहा है.

जिला शिक्षा अधीक्षक को लिखा था पत्र : एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन ने रांची जिला शिक्षा अधीक्षक के नाम पत्र लिखा था. इसके बाद जिला शिक्षा अधीक्षक ने पत्र जारी कर बच्चों को गिफ्ट मिल्क देने का निर्देश दिया. निर्देश देने के बाद 2500 बच्चों को गिफ्ट मिल्क दिया जाने लगा.

बता दें कि मिड डे मील में 8वीं तक के बच्चों को एक वक्त का खाना दिया जाता है. सप्ताह के 6 दिन अलग-अलग प्रकार का खाना दिया जाता है. प्रत्येक दिन का मेन्यू पोषण को ध्यान में रखकर बनाया गया है. मेन्यू के अनुसार ही हर दिन बच्चों को खाना दिया जाता है.

कक्षा 3,5 व 8 के छात्रों के लिए 'सफल' क्लास शुरू

रांची। छात्रों के शिक्षा व बौद्धिक स्तर का पता लगाने के लिए सीबीएसई ने 'सफल' (स्ट्रक्चर्ड एसेसमेंट फॉर अनालाइजिंग लर्निंग) कार्यक्रम शुरु किया है. नई शिक्षा नीति में इस कार्यक्रम को जोड़ा गया है. इसके तहत तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा के छात्रों की वैज्ञानिक विचार क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा. नई शिक्षा नीति में परीक्षण व वैज्ञानिक तरीके से योग्यता आधारित शिक्षा की बात कही गई है. इसी के मद्देनजर रांची के सीबीएससी स्कूलों में छात्रों के लिए अलग से क्लास शुरु की गई है. छात्रों को दो घंटे के लिए स्कूल बुलाया जाता है. शिक्षक छात्रों को नए तरीके से पढ़ाई करने के बारे में बता रहे हैं. इसमें रट कर याद करने के बदले वैज्ञानिक तरीके से पढ़ाई करने के तरीके शामिल हैं.

सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी में क्लास शुरू : रांची के सुरेंद्र नाथ सेंटेनरी स्कूल में सोमवार से सफल क्लास का आयोजन किया जा रहा है. अन्य स्कूलों में भी 'सफल' क्लास शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है, ताकि बच्चों को नई शिक्षा नीति के तहत जरुरी जानकारी दी जा सके. साथ ही पढ़ाई के नए तौर-तरीकों से उन्हें अवगत कराया जा सके.

पंडरा ओझा मार्केट डबल मर्डर केस में एक अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

पंडरा ओपी क्षेत्र के ओझा मार्केट स्थित जनक नगर में 21 फरवरी की देर शाम अज्ञात अपराधियों ने बिरसा उरांव और उसकी पत्नी सोनी मुंडा की गोली मार कर हत्या कर दी थी. इस मामले में रांची पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार करके उससे पूछताछ कर रही है.

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आरोपी ने बिरसा उरांव की आपसी विवाद में हत्या कर दी थी. जेल से निकलने के बाद बिरसा आरोपी युवक को लगातार धमकी दे रहा था. इसी वजह उसने बिरसा की हत्या कर दी. जिस वक्त बिरसा को गोली मारी गयी, उस दौरान बिरसा की पत्नी सोनी मुंडा ने आरोपी युवक को पकड़ लिया था, जिस वजह से उसकी भी गोली मारकर हत्या कर दी गयी. बिरसा उरांव घटना से कुछ देर पहले अपने घर लौटा था. उसकी पत्नी घर के बाहर खाना बना रही थी. इसी दौरान एक अपराधी बगल के खेत के रास्ते मौके पर पहुंचा और दोनों को गोली मार दी थी.

मिली कामयाबी

- 21 फरवरी को बिरसा उरांव और पत्नी को मारी थी गोली
- आरोपी को लगातार धमकी दे रहा था बिरसा उरांव

सरयू राय ने दी विशेष अधिकार हनन की सूचना

रांची। विधायक सरयू राय ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष और मानद सचिव पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगाया है. उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो से मिलकर विशेषाधिकार हनन की सूचना सौंपी. बीते दिनों आईएमए की जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष और मानद सचिव ने सरयू राय के विधानसभा में प्रश्न पूछने के अधिकार पर सवाल खड़ा किया था और इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उनकी निंदा की थी. स्पीकर ने आश्वासन दिया कि वे विशेषाधिकार हनन की सूचना पर विधिसम्मत

ब्रीफ खबरें

डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों के लिए चयन प्रतियोगिता कल

रांची। झारखंड खेल विभाग के तत्वावधान में संचालित डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों में रांची जिला अंतर्गत संचालित केंद्रों में 2024-25 में रिक्त खिलाड़ियों की संख्या को भरने के लिए प्रतिभा चयन प्रतियोगिता होगी. खेल विभाग द्वारा 14 मार्च को सुबह 9 बजे से मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. इसमें 13 डे बोर्डिंग केंद्रों में 8 खेलों में 85 रिक्त खिलाड़ियों की संख्या को पूरा करने के लिए चयन प्रतियोगिता होगी. इसमें फुटबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, खो खो, एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन और जिम्नास्टिक के खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा.

आजसू छात्र संघ ने रांची विवि के कुलपति को सौंपा ज्ञापन

रांची। मारवाड़ी कॉलेज में सेमेस्टर 4 के लगभग सभी छात्र फेल हो गए हैं. ये सभी छात्र स्नातक सत्र 2021-24 है. इस मामले को ले कर आजसू छात्र संघ ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन दिया. ज्ञापन देने समय आजसू छात्र संघ के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला, विशाल यादव समेत अन्य शामिल रहे. अभिषेक शुक्ला ने कहा कि आज ही मारवाड़ी महाविद्यालय सेमेस्टर 4 का रिजल्ट जारी हुआ है. इसमें महाविद्यालय के एक भी छात्र-छात्राएं पास नहीं है. सभी को प्रमोट किया गया है. यह कहीं ना कहीं कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है.

आरयू ने अनुबंध शिक्षक पद के लिए मांगा आवेदन

रांची। रांची विश्वविद्यालय ने आवश्यक्ता आधारित शिक्षकों (अनुबंध)के लिए आवेदन मांगा है. योग्य उम्मीदवार चांसलर पोर्टल में जा कर आवेदन कर सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए रांची विश्वविद्यालय के अधिकारिक वेबसाइट पर जा कर देख सकते हैं. यह नियुक्ति सहायक प्राध्यापकों के रिक्त पदों के विरुद्ध होगा.

जी एंड एच स्कूल में हुआ कार्यशाला का आयोजन

रांची। शिक्षा में तकनीक के सुगम उपयोग पर जी एंड एच हाई स्कूल में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर शिक्षकों को तकनीक के उपयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण बातें साझा की गईं. वहीं इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में तकनीक के सदुपयोग और इसके इस्तेमाल के दौरान आने वाली बाधाएं व चुनौतियों का समाधान था.

अभिनंदन : उत्साहित धर्मावलंबियों ने रथ का किया स्वागत, निकाली शोभायात्रा, उतारी आरती

भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का मंगल प्रवेश

संवाददाता. रांची

भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का मंगलवार को मंगल प्रवेश हुआ. दिगंबर जैन मंदिर, जेजे रोड पहुंचने पर उत्साहित अनुयायियों ने रथ का भव्य स्वागत किया. बाद में इंद्रो द्वारा और पालना, आरती आदि के साथ भव्य शोभायात्रा मंदिर जी से निकाली गयी. रथ के साथ बड़ी संख्या में धर्मावलंबी, हरमू रोड होते हुए गाजे बाजे के साथ वासुपूज्य जिनालय आये . जहां पुनः आरती उतार रथ का स्वागत किया गया. रथ में इन्द्र के रूप में विराजने का सौभाग्य रांची के माणिकचंद जी और मोतीलाल जी काला को मिला. धन कुबेर का सौभाग्य प्रमोद जी और अमीत जी जैन को, रथ के पालने झुलाने का सौभाग्य रोहित जी बाकलीवाल को मिला. प्रतिमा दातार के रूप में चमेली देवी, अरूण कुमार, अजय कुमार अजमेरा,श्रीपाल जी, संजय कुमार, विजय कुमार काला, मैना देवी, राजेश कुमार, विकाश पाटनी रहें. अंत में आरती का सौभाग्य नरेन्द्र कुमार, मनोज कुमार और मनीष कुमार गंगवाल को मिला. इसके बाद अयोध्या से आए शास्त्री जी का सम्मान अध्यक्ष नरेन्द्र गंगवाल ने किया. इस मौके पर नरेन्द्र गंगवाल, प्रदीप बाकलीवाल , नरेन्द्र पांड्या, पूरणमल सेठी, पदम छाबड़ा, प्रमोद झांझरी, संदीप दगड़ा, कैलाश बड़जात्या , हेमन्त सेठी, पदम गोधा, संजय पाटनी, सुभाष विनायक्या, मोनिका ठोल्या , जितेन्द्र छाबड़ा के अलावा पूरा समाज एकत्रित था.सभा का संचालन मंत्री पंकज पांड्या ने किया.

जनजागरण के लिए रथ का प्रवर्तन

शाश्वत तीर्थ अयोध्या जो कि भगवान ऋषभदेव आदि पांच तीर्थंकरों की शाश्वत जन्मभूमि है, वहां से जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी भारत गौरव गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्रीज्ञानमती माताजी की पावन प्रेरणा से अयोध्या तीर्थ का समुचित विकास किया जा रहा है। जिसके लिए माता जी के करकमलो से 11 जुलाई 2023 को पूर्वांचल प्रांत के लिए भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का अयोध्या से जैन समाज में जनजागरण के लिए प्रवर्तन किया गया है.

माह-ए-रमजान

तकवा ही है रोजे की फरजीयत का मकसद : मुफ्ती सलमान

संवाददाता। रांची

मुफ्ती सलमान कासमी ने बताया कि रोजे की फरजीयत का मकसद तकवा ही है, जैसे कि कुरआन करीम में इरशाद है, जिसका तजुर्मा (माने) है. ऐ ईमान वालों तुम पर रोजा फर्ज किया गया है. जैसा कि इससे पहले के लोगों पर फर्ज किया गया था, ताकि तुम्हारे अंदर तकवई की शिफत हासिल हो सके. दिलचस्प बात यह है कि इस आयत से तारीख से यहां की जग फराई हैसियत हो जाती है और इस तरह के आयत से तीन मालूमात का हमसफर और रफीक बन जाती है. इसलिए तमाम इबादत का खुलासा तकवा ही है.

नन्हे रोजेदार

6 साल के तैमूर ने रखा पहला रोजा

हिंदपीढ़ी अफाक एकेडमी स्कूल का छात्र मो तैमूर आलम छह साल का है. बच्चे ने इस वर्ष पहला रोजा रखा है. बच्चे ने कहा, मेरा तो इरादा है, इस बार के सारे रोजे रखूंगा. तैमूर अपने नाना की उंगली पकड़ कर उनके साथ नमाज के लिए जाता है. सेहरी में बड़ों की तरह पहले से ही उठ कर मुंह हाथ धोकर यह बच्चा रोजा रखने के लिए तैयार हो जाता है.

4 साल की माहेनूर ने रखा आधा रोजा

हिंदपीढ़ी निवासी माहेनूर हुमैरा महज चार साल की नन्ही बच्ची है. बच्ची रोजा रखना चाहती है, सेहरी के वक्त अपने से उठ गई और रोजा रखने की जिद करने लगी. बच्ची के पिता मकसूद आलम व माता दोनों ने रोजा रखने से अभी मना किया. पर वह रोने लगी. फिर बच्ची को सेहरी दिया गया, हुमैरा ने दोपहर तक का रोजा रखा. बच्ची की इस लगन से परिवार में खुशी की लहर है.

10 साल की आरजू रखेगी पूरा रोजा

हरमू निवासी मो आरिफ की सबसे छोटी बेटी आरजू आरिफ इस बार भी रोजा रख रही है. आरजू 10 साल की है, संत कुलदीप स्कूल की कक्षा 3 की छात्रा है. इस बच्ची ने पिछले वर्ष 15 रोजे रखे थे. आरजू कहती है कि इस बार अल्लाह ने चाहा तो पूरा रोजा रखेंगे. मेरे अब्बा मुंबई शहर में हम लोगों के लिए दूर रह कर मेहनत करते हैं. रमजान में आ जायेंगे, साथ मिल कर ईद करेंगे.

रांची विवि के स्कूल ऑफ मास कम्यूनिकेशन विभाग में मना महिला दिवस

महिलाओं को सम्मान देने से समाज को ही होगा लाभ : चंदन

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के वूमेन स्टडी सेंटर, प्रतिज्ञा और स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को महिला दिवस समारोह मनाया गया. स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के ऑडिटोरियम में आयोजित उक्त समारोह में 4 लघु फिल्में बुलबुल, चेंज चैंपियन, लेडीज़ फर्स्ट, और राइटिंग विथ फायर दिखायी गयीं. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मास कम्यूनिकेशन डिपार्टमेंट के डिप्टी डायरेक्टर विष्णु , वूमेन स्टडी सेंटर से ममता कुमारी, प्रतिज्ञा के कोऑर्डिनेटर चंदन सिंह, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर लक्ष्मी कुजूर और झारखंड वूमेन स्टडीज प्रोजेक्ट के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. रंजना श्रीवास्तव मौजूद थे. इस अवसर पर प्रतिज्ञा के कोऑर्डिनेटर चंदन सिंह ने कहा कि महिलाओं को जितना सम्मान देंगे, समाज को उतना ही लाभ होगा. उन्होंने कहा कि हम किसी भी महिला या लड़की पर उसकी आजादी, शिक्षा, सशक्तीकरण, समानता आदि का जितना इन्वेस्टमेंट करेंगे वह समाज में बेहतर स्थान हासिल करेगी और समाज को आगे ले जाने में अपना योगदान देगी. कार्यक्रम के दौरान वूमेन स्टडीज सेंटर के कोऑर्डिनेटर ममता कुमारी ने कहा कि हमें एक समूह बनाकर मीडिया में आनेवाले समाचारों के विषय में चर्चा कर उसकी सत्यता की पहचान करनी चाहिए.

डीएवी नीरजा सहाय स्कूल में नारी शक्ति का हुआ सम्मान

रांची। दुनियाभर में 8 मार्च को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, लेकिन नारी को सम्मान देने के लिए पूरे मार्च महीने में कई कार्यक्रम आयोजित होते हैं. इसी क्रम में कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को कविता, गीत, अभिभाषण, नृत्य, संस्मरण आदि का आयोजन हुआ. इस अवसर पर प्राचार्या किरण यादव ने सृष्टि की पूर्णता में स्त्री एवं पुरुष दोनों की सहभागिता पर बल दिया. कार्यक्रम में ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के निदेशक ब्रह्मा कुमारी निर्मला एवं ब्रह्मा कुमारी इंदु शामिल हुईं. इस मौके पर ब्रह्माकुमारी निर्मला ने कहा कि जिस प्रकार शरीर की शोभा आभूषण होते हैं, वैसे ही आत्मा का आभूषण शिक्षा होती है. शिक्षित व्यक्ति सदा से ही समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहता है. वहीं ब्रह्मा कुमारी इंदु ने ध्यान की महिमा को दर्शाया. कार्यक्रम के अंत में महिलाओं के सशक्तीकरण और महिला सम्मान को बनाए रखने का संकल्प लिया गया.

सीएमपीडीआई में मना महिला दिवस

रांची। सीएमपीडीआई (मुख्यालय) रांची में विविधता, सशक्तीकरण और आर्थिक असमानताओं के महत्व को उजागर करने के लिए इस वर्ष की थीम महिलाओं में निवेशः प्रगति में तेजी जाएं और अभियान थीम इंस्पायर इंक्जूजन के साथ मंगलवार को विश्व महिला दिवस मनाया गया. इस समारोह में सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची तथा इसके क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची की लगभग 170 महिलाओं ने भाग लिया. कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्ष रूपाली गुप्ता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर उन्होंने कहा कि यदि मजबूत अर्थव्यवस्था और एक स्वस्थ प्लानेट बनाना चाहते हैं तो लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को पहले से अधिक महत्ता प्रदान करना होगा। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा, निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) अच्युत घटक, महिला सभा की सदस्य सुषमा भारती, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

अब ईवी वाहनों से होगा कचरा उठाव

रांची। ईको फ्रेंडली वाहनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा निगम दैनिक सफाई कार्य में उपयोग होने वाले टाटा मैजिक वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है. अब निगम द्वारा कूड़े का उठाव ईवी वाहनों से ही किया जाएगा. इन वाहनों के ईवी में परिवर्तित होने के बाद कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों की संख्या बढ़ जाएगी और डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव करने में सहूलियत होगी. इस काम के लिए मेसर्स सीरियस क्लीनटेक प्राइवेट लिमिटेड नामक एजेंसी को हायर किया गया है. पहले चरण में कुल 57 वाहनों को ईवी में परिवर्तित किया जा रहा है. साथ ही इन वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट भी बनाने की योजना है.

इंटरव्यू तकनीक पर संत जेवियर कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता। रांची

संत जेवियर्स कॉलेज में मंगलवार को इंटरव्यू तकनीक पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह आयोजन जेवियर्स कॉलेज के आईक्यूएसी सेल और कोलकाता स्थित जेवियर्स यूनिवर्सिटी ने किया. कार्यशाला दो दिनों तक चलेगी. इसका उद्घाटन कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल रॉबर्ट प्रदीप कुजूर एसजे ने किया. इस कार्यशाला में संत जेवियर्स विश्वविद्यालय के डीन प्रो. सितांग्शु खाटुवा ने इंटरव्यू तकनीक के बारे में छात्रों को समझाया. साथ ही कहा कि किसी भी इंटरव्यू से पहले विषय की पूरी जानकारी होनी चाहिए. अपने अंदर की कमियों को जानते हुए तर्क के साथ रखें.

मौके पर ये रहे मौजूद : इस मौके पर प्रो. प्रियंकुर बोस ने भी छात्रों को इंटरव्यू की जानकारी दी. प्रो. एकता आर्या, प्रो. गौतम रुद्रा, डॉ. अभिजित डे, प्रो. निधि आर्या, प्रो कौशिक दत्ता, प्रो. शकील अनवर, प्रो. दीपेन्द्र कुमार, प्रो. राकेश दीक्षित, प्रो. हुसैन अहमद, प्रो. फेबियन टेटे और प्रो. मनीषा तिर्की समेत अन्य मौजूद रहे.

कहानिका का राष्ट्रीय अधिवेशन सह कवि सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता। रांची

लालपुर स्थित होटल सिटी पैलेस में कहानिका का राष्ट्रीय अधिवेशन सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि सरोज झा, विशिष्ट अतिथि डॉ. कमल बोस, पवन झा, रेणु झा 'रेणुका' और श्याम कुंवर भारती ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके बाद रेणु झा ने गणेश वंदना, खुशबू बरनवाल ने सरस्वती वंदना, देवी गीत श्याम कुंवर भारती, स्वागत गीत रेणुबाला धार और ऋतुराज वर्षा ने किया. इसके बाद रंगोली सिन्हा एवं उनके ग्रुप ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया. मधुमिता साहा ने स्वागत भाषण किया, वहीं संचालन राज्य प्रभारी एसके पाठक निराला ने किया. कार्यक्रम में कहानिका के सौजन्य से सोपिजन प्रकाशन गुजरात द्वारा प्रकाशित कहानी सांझा संकलन, श्याम कुंवर भारती की लिखी पुस्तक 'धरती पुत्र महामानव' और 'आत्मा की शांति' कहानी का विमोचन मुख्य अतिथि सरोज झा, विशिष्ट अतिथि कमल बोस और पवन झा ने किया.

श्रीराणीसती मंदिर में होली रंगोत्सव 15 से

तीन दिनों तक पूजा-पाठ के साथ बहेगी भक्ति की अविरल धारा

संवाददाता। रांची

श्रीराणी सती मंदिर कमेटी इस बार भी धूमधाम से श्रद्धापूर्वक होली रंगोत्सव का खास आयोजन कर रहा है. तीन दिनी उत्सव 15 मार्च से शुरू होगा. जन-जन को कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए प्रचार वाहन पूरे शहर में घूम रहा है. अध्यक्ष सतीश तुलस्यान ने बताया कि मंदिर में शाम चार बजे श्रीगणेश पूजन से उत्सव की शुरुआत होगी. इसके बाद छह बजे श्रीदादी की संगोष्ठी होगी. तेजस राणा कथा वाचन करेंगे. दूसरे दिन शनिवार को सुबह आठ बजे श्रीदादी जी का जलाभिषेक किया जाएगा. दिन के दस बजे कृष्ण यादव और मनोज शर्मा के सान्निध्य में मेहंदी उत्सव मनाया जाएगा. फिर दिन के 11 बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी. शाम चार बजे ज्योत प्रज्वलन के साथ भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा. मनोज शर्मा, हर्षिता डीडवानिया और पायल अग्रवाल भक्ति गीतों की अविरल धारा बहायेंगी. इस दौरान शाम सात बजे चुनरी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. रात आठ बजे महाआरती उतारने के साथ दूसरे दिन का कार्यक्रम संपन्न होगा. अंतिम दिन 17 मार्च को सुबह सात बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित किया जाएगा. इसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु राजस्थानी वेशभूषा में मंगला पाठ करेगी. दिन के दो बजे भजन-संकीर्तन किया जायेगा. शाम पांच बजे प्रसिद्ध भजन गायक सौरभ मधुकर और केशव मधुकर भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देंगे. मौके पर आयोजित हाउजी महोत्सव का अलग आकर्षण रहेगा.

खास बातें

- निकली जायेगी शोभायात्रा आयोजित होंगे अनेक कार्यक्रम
- श्रीदादी दरबार में श्रद्धालु जम कर खेलेंगे फूलों की होली

श्रीमहावीर मंडल का चुनाव 17 मार्च को

रांची। श्री महावीर मंडल के चुनाव का बिगुल बज चुका है. चुनाव की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. केंद्रीय कार्यालय, श्रीदुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन में 17 मार्च को चुनाव होगा. इस बार अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार मैदान में हैं. प्रचार मंत्री पद के लिए मुन्ना शर्मा और अंकेक्षक पद के लिए प्रदीप कुमार गुप्ता भोला निर्विरोध रहे. चुनाव मैदान में अध्यक्ष पद के लिए जय सिंह यादव, राकेश कुमार सिंह, अशोक कुमार पुरोहित, रवि कुमार पिंकु, उपाध्यक्ष पद के लिए मकू यादव, राज किशोर प्रसाद, राजा सेन गुप्ता, प्रेमकुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, मंत्री पद के लिए राजेश कुमार सिन्हा, सुभाष कुमार साहू, नीलेश यादव, राकेश कुमार वर्मा पिंकु, दीपक ओझा, सह-मंत्री पद के लिए सुनील सिंह, उदय रविदास, प्रेमचंद चौधरी, गोपाल प्रसाद सोनी, जीवा धन प्रसाद, कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रमोद कुमार सारस्वत और निशांत कुमार सिन्हा नीशू.

धूमधाम से मनायी जाएगी शिव मंडा पूजा, आयोजन समिति का गठन

संवाददाता। रांची

शिव मंडा पूजा समिति चुटिया में मंगलवार को बैठक समिति के संरक्षक मनपुरण नायक जी के अध्यक्षता में संपन्न हई. इस वर्ष 2024 में शिव मंडा पूजा धूमधाम से मनाने के लिए मंदिर के पुजारी हरिमोहन पांडे ने पूजन कार्यक्रमों की घोषणा की. इस बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया. नई कार्यकारिणी के मुख्य संरक्षक पद्मश्री मुकुंद नायक, विजय साहू, मदन केसरी, विजय तिर्की, राधेश्याम केसरी, संरक्षक रामवृत्त महतो, लालो महतो, सुरेश साहू, प्रमोद गोप, मनपुरण नायक, रामलखन महतो, संजय प्रसाद, कैलाश केसरी, लखन महतो, मदन सिंह, नंदू ठाकुर, अरविंद कुमार, वीरू साहू, मदन मुंडा, रविंद्र प्रसाद, सरवन महतो, पीतांबर महतो, राम उरांव, रामशरन तिर्की, अनिल रंजन चौधरी, अध्यक्षः राजकुमार महतो, कार्यकारी अध्यक्ष, रवि गोप, उदय पासवान, महामंत्रीः मनोज गोप (चुन्नू), वरीय उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, मनोज गोप, धर्मेंद्र सोनी, विक्रम साहू, अंकित केसरी, उपाध्यक्ष भोला चौधरी, रवि सिंह, अनूप ठाकुर, गुल्लू गोप, कौशल चौधरी, बद्री विशाल, दिलीप साहू, अमित साहू, राजेंद्र केसरी, रामदेव लोहरा, मंत्री दिलीप गोप, कुलदीप साहू, पंकज कुमार, प्रतीक चौधरी, संगठन मंत्री रितेश गोप, प्रेम साहू, राजू राम लोहरा, सुबोध साहू, सुरेश मुण्डा, शिवम केसरी, अमन केसरी, अंकित आनंद केसरी, विवेक कुमार महतो, गोपाल साहू, कोषाध्यक्ष रणजीत राम, सह कोषाध्यक्ष राजू गोप, प्रचार मंत्री विनय कुमार महतो, अंकेक्षकः अजीत कुमार साहू तथा 47 कार्यकारिणी सदस्य चुने गये.

तैयारी संत मरिया गिरजाघर में किया जाएगा विदाई समारोह का आयोजन, तैयारी शुरू

कैथोलिक कलीसिया बिशप फेलिक्स टोप्पो 17 को होंगे विदा

संवाददाता। रांची

कैथोलिक कलीसिया रांची के महाधर्माध्यक्ष बिशप फेलिक्स टोप्पो की विदाई समारोह 17 मार्च को संत मरिया गिरजा घर में दी जाएगी. तेलस्फोर टोप्पो की अध्यक्षता में बिशप फेलिक्स टोप्पो ने 24 जून 2018 को रांची के धर्माध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया था. बिशप ने अपना पूर्ण योगदान रांची धर्मप्रांत के लिए किया. वे पूरी सक्रियता और जवाबदेही के साथ अपने दायित्व का निर्वाह करते रहे हैं. उन्होंने अपना कार्यकाल 31 दिसंबर 2023 पूरा कर लिया इसके बाद उन्होंने पदभार से मुक्त होने की इच्छा के साथ त्याग

पत्र दे दिया. बिशप टोप्पो समारोह में प्रदेश के अनेक कलीसिया धर्माध्यक्षों के भाग लेने की संभावना है. विदाई समारोह के अवसर पर बिशप फेलिक्स टोप्पो द्वारा दिया मिस्सा भी जाएगा. विदाई समारोह सुबह आठ बजे संत मरिया गिरजाघर में शुरू होगा. आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं.

बिशप फेलिक्स टोप्पो की जीवनी

फेलिक्स टोप्पो का जन्म 21 नवंबर 1947 झारखंड के गुमला सूबा के टोंगो में हुआ था. 1968 में सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) में शामिल हुए और उन्हें 14 अप्रैल 1982 को सोसाइटी ऑफ जीसस के लिए पुजारी नियुक्त किया गया. जेसुइट्स के भीतर वह कई बार पूर्व-नौसिखियों, नौसिखिए मास्टर और वरिष्ठों के निदेशक भी थे. उन्होंने 1990 में ग्रेगोरियन यूनिवर्सिटी, रोम से मनोविज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की. पोप जॉन पॉल द्वितीय ने उन्हें 14 जून 1997 को जमशेदपुर का बिशप नियुक्त किया. 27 सितंबर 1997 को कार्डिनल तेलेस्फोर प्लासीडस टोप्पो ने उन्हें धर्माध्यक्षीय अभिषेक करया था. उन्होंने एक बिशप के रूप में सीबीसीआई (कैथोलिक बिशप्स कांफ्रेंस ऑफ इंडिया) चार वर्षो तक सेवा दी. 24 जून 2018 से 30 दिसंबर 2023 तक उन्होंने अपनी सेवा दी. 76 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपना इस्तीफा पोप फ्रांसिस को दिया. 30 दिसंबर 2023 को उनका इस्तीफा स्वीकार किया गया.

खाटू धाम जाकर अर्पित किए श्रीश्याम निशान

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम मित्र मंडल का 108 सदसीय जत्था मंगलवार को खाटू धाम पहुंच कर श्रीश्याम को निशान समर्पित किया. अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में भक्तों ने 17 किमी की पदयात्रा कर अपने इष्ट के दरबार में माथा टेका. अरदास कर सुख-समृद्धि और शांति की कामनाएं कीं. इसके पूर्व भक्तों का दल रिंग्स स्थित निशान भवन में पहुंच कर बाबा श्याम का भव्य दरबार लगा कर गणेश वंदना कर सभी देवी देवताओं के भजन गायन कर खाटू नरेश के मीठे मीठे भजन गाए. सभी भक्तों ने एक एक कर अखण्ड ज्योति मे आहुति देकर बाबा को रिझाया. मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि राजधानी में 18 मार्च को भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जायेगी. यात्रा मारवाड़ी भवन हरमू रोड से प्रारंभ होकर रातु रोड, प्यादा टोली, महावीर चौक, गांधी चौक, शहीद चौक, कार्टसराय रोड, जेजे रोड होते हुए श्रीश्याम मंदिर पहुंचेगी.

गूंजा सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को खाटू नरेश का केशर चंदन तिलक शृंगार किया गया. साथ ही 93वें श्री सुंदरकांड और श्रीहनुमान चालीसा पाठ का खास आयोजन किया गया. देर शाम तक मंदिर परिसर पाठ के कर्णप्रिय उच्चार से गुंजायमान रहा. मंत्री श्याम सुंदर शर्मा और मंदिर के प्रथम आचार्य रत्नाकर शर्मा ने प्रभु का शृंगार किया. मनीष सारस्वत और ओम शर्मा साथियों संग संगीतमय पाठ किया.

ब्रीफ खबरें

रंजय हत्याकांड में गवाह को कोर्ट में पेश करने का आदेश

धनबाद। विधायक संजीव के करीबी रंजय सिंह की हत्या के आरोप मे जेल मे बंद आरा के नंद कुमार सिंह उर्फ मामा को जिला एवं सत्र जज अखलेश कुमार की कोर्ट ने रांची के होटवार जेल से वीसीएस के द्वारा पेश किया गया. वहीं जमानत पर मुक्त हर्ष मंगलवार को हाजिर नहीं थे. अभियोजन ने गवाह पेश करने हेतु समय की याचना की कोर्ट ने अभियोजन को गवाह पेश करने का निर्देश दिया. बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता आयुष श्रीवास्तव ने पैरवी की. मामा 8 अगस्त से जेल में है. नवंबर 18 को सरायढेला थाना प्रभारी ने मामा को शूटर बताते हुए उसके विरुद्ध चार्जशीट दायर किया था. जबकि चंदन शर्मा, हरेन्द्र सिंह के विरुद्ध अनुसंधान जारी रखा है.

नीरज हत्याकांड में चंदन सिंह के आवेदन पर आदेश सुरक्षित

धनबाद। पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों के हत्याकांड की सुनवाई जिला एवं सत्र जज अखिलेश कुमार की कोर्ट में हुई. अधिवक्ता मो जावेद एवं समित प्रकाश ने बहस की. दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश के लिए 16 मार्च की तारीख तय की है. 29 फरवरी को सतीश की ओर से कहा गया था कि राम आह्लाद के घर से पुलिस ने प्लेट, बल्ब व बर्तन बरामद किए थे और फिंगरप्रिंट लिया था, इसलिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को गवाही के लिए अदालत में बुलाया जाए. 21 मार्च 2017 की शाम नीरज सिंह अपनी कार से रघुकुल लौट रहे थे.

भाजपा 13 व आजसू 1 सीट पर लड़ेगी चुनावः लक्ष्मीकांत

आदित्यपुर। झारखंड में भाजपा 13 और आजसू एक सीट पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी. यह बात कोल्हान प्रमंडल के दौरे पर निकले भाजपा झारखंड प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा. उनके सरायकेला जिला आगमन पर भाजपा अध्यक्ष उदय सिंह देव ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. मौके पर प्रदेश प्रभारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा 13 सीट और आजसू एक सीट पर चुनाव लड़ेगी और एनडीए सभी सीट जीतेगी. इसमें किसी तरह का कोई संशय नहीं है. झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा कि बीजेपी बूथ कार्यकर्ता ही चुनाव को जिताएंगे, इन्होंने कहा कि महागठबंधन गठबंधन नहीं यह ठगबंधन है. ईडी, सीबीआई से बचने के लिए गांठजोड़ किया गया है. महागठबंधन नवजात बच्चे की मौत को कोख में हो गई है. महागठबंधन तो टुकड़े में बंट गया है.

औद्योगिक विकास को गति देने का करेंगे प्रयास : एसके बेहरा

आदित्यपुर। पिछले दिनों आरएसबी ट्रांसमिशन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर एस के बेहरा को सीआईआई के ईस्टर्न रीजन काउंसिल का चेयरमैन चुना गया था, उनकी उपलब्धि पर इसरो के उद्यमियों ने उनके आवास पर जाकर उनका अभिनंदन किया. बता दें कि एसके बेहरा को सीआईआई की पूनर्गठित पूर्वी क्षेत्र परिषद की पहली बैठक मे वर्ष 2024-25 के लिए ईस्टर्न रीजन कौंसिल का चेयरमैन चुना गया है. उन्हें जिम्मेदारी मिलने से उद्यमियों में उत्साह का माहौल है. उपलब्धि को ले इंडस्ट्रियल एस्टेबिली एंड रिफॉर्म्स आर्गेनाइजेशन का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष रूपेश कतरियार के साथ बेहरा का स्वागत किया है. आरएसबी ग्रुप देश के जीडीपी में भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रहा है. इसरो के प्रतिनिधियों से मंगलवार को बेहरा ने खुल कर अपनी कार्ययोजना की चर्चा की.

मैनुअल तरीके से होगी पुलिस विभाग में बहाली

रांची। मैनुअल तरीके से अब पुलिस विभाग में बहाली होगी. इसे लेकर झारखंड गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है. जारी अधिसूचना के मुताबिक, पुलिस सेवा के लिए भर्ती पद्धति 2014 के नियम-7 (iii) से (vi) तक में बदलाव किये गए हैं. जो अब झारखंड राज्य पुलिस नियुक्ति (संशोधन) नियमावली 2024 कहलाएगा. इस बदलाव के बाद बिना तकनीक इस्तेमाल किये मैनुअल तरीके से पुलिस की बहाली का रास्ता साफ हो गया है. सिपाही भर्ती में पारदर्शिता लाने और धांधली रोकने के लिए तकनीक अपनाया गया था. डिजिटल तरीके से किसी भी तरह की गड़बड़ी और हर अभ्यर्थी की गतिविधि पर नजर रखे जाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाता था.

कोयलांचल के मस्जिदों व कॉलोनी में शुरू हुई तरावीह की नमाज

पाक-ए-रमजान का आगाज, इबादत में जुटे रोजेदार

संवाददाता। पिपरवार

सीसीएल पिपरवार और आस पास के क्षेत्रों में पाक -ए-रमजान का आगाज होते ही, इबादत में जुट गये क्षेत्र के रोजेदार. मंगलवार को रमजान महीने का पहला रोजा रखा गया, जिसमें महिला व पुरुष के अलावे बच्चों में भी रोजा का उत्साह देखा गया. वहीं इससे पहले सोमवार की शाम रमजान का चांद नजर आने के साथ ही क्षेत्र के सभी मस्जिदों और आवासीय कॉलोनी में नमाजे तरावीह की शुरुआत हुई. जानकारी के अनुसार बचरा जामा मस्जिद, राय जामा मस्जिद, कल्याणपुर, बहेरा

और न्यूमंगरदाहा मस्जिद के अलावा बसंत विहार कॉलोनी बाजारटांड़ और बिशुझापा सहित अन्य जगहों पर तरावीह की नमाज शुरू हो गई है. बसंत विहार कॉलोनी में हाफिज नेहाल अख्तर नमाज-ए- तरावीह पढ़ा रहे है, जिसमें नमाजियों की काफी भीड़ देखी जा रही है।बंसत विहार में चल रहे नमाज-ए- तरावीह में पूर्णाडीह पीओ शकील अख्तर, मगध परियोजना खान प्रबधंक मोहम्मद अकरम, श्रमिक प्रतिनिधि इस्लाम अंसारी, कांग्रेस चतरा जिला महासचिव अब्दुल कुदूस, असलम आजाद, आबिद हुसैन, जसमुदीन अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, मन्जुर आलम, शाहीद आलम, कलाम अंसारी, नेजाम अंसारी, सफीद अंसारी, साकीरउदीन अंसारी, सहित कई लोग नमाज-ए- तरावीह में शामिल हुए. वहीं रमजान के पहले दिन क्षेत्र के बाजारों में भी काफी भीड़ देखी गई. लोग बाजारों में फल, सब्जी आदि समानों की खरीदारी करते देखे गए। रमजान को लेकर बच्चों में भी काफी गुस्सा देखा जा रहा है और छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा भी रोजा रखा जा रहा है.

एक शौचालय की सफाई पर सालाना 36 हजार रुपये खर्च

नाम का है मॉड्यूलर टॉयलेट बिना नाक ढंके जाना मुश्किल

जयंती कच्छप। रांची

शहर भर में स्थापित मॉड्यूलर शौचालयों की सफाई की जिम्मेदारी रांची नगर निगम के हिस्से में है, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है. बिना रखरखाव के इन शौचालयों में गंदगी का अंबार लग गया है. इन मॉड्यूलर टॉयलेट्स की सफाई पर नगर निगम हर महीने 3000 रुपये यानी साल में 36 हजार रुपये खर्च करता है, फिर भी ये शौचालय हमेशा गंदे रहते हैं. अगर किसी को आपात स्थिति में इन शौचालयों का उपयोग करना पड़े तो मुंह और नाक ढंके बिना यह संभव नहीं है. क्योंकि इन शौचालयों के दरवाजे खुलते ही चारों ओर तेज दुर्गंध फैल जाती है जो असहनीय होती है.

दिन में तीन बार सफाई की बात, फिर भी शौचालय गंदे : वर्तमान में, रांची में 140 स्थानों पर 506 मॉड्यूलर शौचालय हैं. नगर निगम के मुताबिक इन शौचालयों की दिन में तीन बार सफाई की जाती है, फिर भी ये शौचालय साफ नहीं रहते. निगम कर्मचारी का कहना है कि लोगों द्वारा उपयोग करने के बाद पानी नहीं गिराया जाता है, जिससे सफाई के कुछ देर बाद शौचालय गंदा हो जाता है.

लोगों का क्या है कहना

शौचालय में दुर्गंध फैली होती है : पंकज

कचहरी चौक निवासी पंकज कुमार ने बताया कि जब भी वे इन शौचालयों का उपयोग करने गये हैं तो इनमें पानी नहीं होता था. साथ ही शौच फर्श पर ही रहता है, जिस पर दुर्गंध फैली होती है. हम इन शौचालयों का उपयोग तभी करते हैं जब कोई आपात स्थिति हो.वरना इनका इस्तेमाल कोई नहीं करना चाहता.

शौचालयों की सफाई कोई नहीं करता : मोईन

लालपुर निवासी मोईन रजा ने बताया कि इन शौचालयों की सफाई कोई नहीं करता है. इन जगहों पर अक्सर नशे के आदी लोग घुस आते हैं और नशा करते रहते हैं. वहीं शौचालय के टैंक में पानी नहीं है. यहां तक कि इस इलाके में कई टॉयलेट के पाइप भी चोरी हो चुके हैं. नगर निगम द्वारा इन पर ध्यान नहीं दिया जाता है.

फर्श पर शौच फैला हुआ होता हैं : सौरभ

रातू रोड निवासी सौरभ त्रिवेदी ने कहा कि वे जब भी इन शौचालयों का उपयोग करने गये हैं तो या तो इनमें पानी नहीं था, या फिर फर्श पर शौच फैला हुआ था. उन्होंने आगे कहा कि ये शौचालय सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च कर लगवाए थे. देखभाल के बिना ये कूड़े का ढेर बन गए हैं, जहां अक्सर लोग नशा करते हुए पाए जाते हैं.

फिलहाल शहर भर में कुल 321 शौचालय हैं. इनमें से 38 शौचालय सामुदायिक शौचालय हैं और 33 सार्वजनिक शौचालय हैं, जिनका उपयोग लोगों को भुगतान करके करते हैं.

सिमडेगा के मजदूर शंकर की गोवा में मौत

सिमडेगा। जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र निवासी शंकर केरकेट्टा, जो अपने परिवार के भरण पोषण के लिए गोवा के मडगांव मे काम कर रहा था. बीती रात बिजली का करंट लगने से उसकी मौत हो गई. जैसे ही उसके परिवार वालों को मौत की जानकारी मिली, परिवार में मातम छा गया. जिला परिषद अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेन से मिल कर परिवार ने शंकर का शव घर लाने की लिए गुहार लगाई है. जिला परिषद अध्यक्ष ने परिवार वालों को भरोसा दिलाया कि हर संभव मदद की जाएगी. शव लाने में भी मदद करेंगे और इस कार्य के लिए उन्होंने वरीय पदाधिकारी से बात की है.

हिमाचल में सिसई के दो मजदूरों की मौत

गुमला। हिमाचल प्रदेश में हिमस्खलन होने और उसमें दबने से सिसई के दो मजदूरों की मौत और एक मजदूर के घायल होने की सूचना है. मृत मजदूर बिरिया उरांव 53 वर्ष और रतनलाल उरांव 31 वर्ष दोनों रेड़वा कुचईटोली के रहने वाले थे. जबकि घायल मजदूर चन्द्रनाथ उरांव 45 वर्ष रेड़वा लावागांई का निवासी है. जानकारी के अनुसार सभी मजदूर हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिला में पन बिजली प्रोजेक्ट में काम करते थे. इस प्रोजेक्ट में इन लोगों के अलावे इस क्षेत्र में अन्य लोग भी काम करते हैं. घटना की सूचना मिलने के बाद गांव में मातम पसर गया है. उम्मीद लगायी जा रही है कि दोनों मृत मजदूरों का शव बुधवार की सुबह गांव पहुंचेगा. घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक मजदूर के परिवार के सदस्यों का रो-रोक कर बुरा हाल है. गांव शोकाकुल है.

विधायक राजेश कच्छप ने किया कई योजनाओं को शिलान्यास किया

संवाददाता। नामकुम

दुर्गा सोरेन चौक से रामपुर रिंग रोड फोरलेन डिवाईडर , चौड़ीकरण कार्य का कार्य का विधायक राजेश कच्छप ने शिलान्यास किया. इस दौरान जय प्रभा कमला नेहरू बालिका उच्च विद्यालय टाटीसिलवे के पास विधायक मद से शौचालय निर्माण कार्य व जिला योजना अनाबद्ध निधि मद अंतर्गत आरा सिधाटोली में विभिन्न गलियों में 2470 फीट पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया . श्री कच्छप ने बताया कि इस पथ का चौड़ीकरण आवश्यक है. पथ चौड़ा नहीं होने के कारण रोड एक्सीडेंट बराबर होता है पथ चौड़ीकरण से रोड एक्सीडेंट में कमी आएगी.मौके पर प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप, अशोक कुमार मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, रमेश पाण्डेय, माधो कच्छप, मेरी तिर्की, विजय टोप्पो, अर्चना मिश्रा, सुनील उरांव, मुखिया सरस्वती देवी, मुखिया लक्ष्मी देवी, पंसस कल्याण लिण्डा, पंसस करण मुंडा , पंसस गुरुसहाय मुण्डा, मंगरा कच्छप, मदन टोप्पो, राजेश सिंह मुण्डा, लक्ष्मण लकड़ा, कृष्णा गोप, मीनू सिंह, तेलोस्फोर मिंज, किष्टो कुजूर, मंगल मुंडा, खुदिया कच्छप, अरविंद लोहरा, महेश्वर महतो, अंजू लकड़ा, अनु बेक, पंचु तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

नामकुम बाजार चौक की 3 दुकानें जलकर खाक

संवाददाता। नामकुम

नामकुम बाजार चौक स्थित बजरंगबली मंदिर से सटे दुकानों में मंगलवार की सुबह लगभग 3 बजे आग से कई दुकान और उसमें रखी सामग्री जलकर राख हो गई, इन दुकानदारों में प्रतिदिन कमाने खाने वाले लोग हैं,आग कैसे लगी इस बात का पता नहीं चल पाया है . किन्तु आग की लपटें इतनी ज्यादा थी कि इसपर काबू पाना मुश्किल था,अग्निशमन विभाग की दो गाड़ी के आने के बाद आग पर काबू पाया गया. किंतु तीन दुकान जिसमें एक विधवा महिला पूनम देवी का लाउंड्री और पूजा दुकान,शंकर रजक का फल,पूजा और जूस दुकान एवम सतेंद्र प्रसाद यादव का जनरल स्टोर,पूजा दुकान और चाय दुकान जलकर राख हो गया,सभी दुकानदार और उनके बच्चों का रो रोकर का बुरा हाल हो गया है ,आगलगी की सूचना मिलने पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर,बरगावां की मुखिया अनिता तिर्की,उप मुखिया सुबोध सिंह सहित कई लोग पहुंच

पीड़ित परिवार को सांत्वना दिया, अंचल कार्यालय को सुबह ही सूचना देने के बाद भी जब कोई घटनास्थल पर नहीं पहुंचे तो सभी पीड़ित परिवार,मुखिया अनिता तिर्की, आरती कुजूर सरपंच सुषमा हेमरोंम अंचल अधिकारी से मिल घटना की जानकारी दी. तब जाकर राजस्व कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे,सरकारी अधिकारियों की लापरवाही से आम जनता नाराज थे और सभी ने एक स्वर में इन गरीबों को अविलंब क्षतिपूर्त देने की मांग की.

उठाए सवाल

- आग से दुकान में रखे सारे सामान जलकर हुआ राख
- प्रभावितों ने सरकार से की मुआवजा देने की मांग

प्रतियोगिता झारखंड प्रीमियर लीग की चैंपियन बनी बोकारो सुपर किंग्स

जेपीएल खेल के क्षेत्र में नजीर पेश करेगा : सुदेश महतो

संवाददाता। सिल्ली

सिल्ली के एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में झारखंड प्रीमियर लीग (जेपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच बोकारो सुपर किंग्स और तेलंगाना टाइटंस के बीच खेला गया. इस रोमांचक मुकाबले का नतीजा पेनल्टी शूट आउट से आया. पेनल्टी शूट आउट में बोकारो सुपर किंग्स ने तेलंगाना टाइटंस को 4-2 से शिकस्त दी. समापन समारोह में पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी अध्यक्ष सदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड प्रीमियर लीग का उद्देश्य स्थानीय युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए एक सशक्त मंच देने का है. इस लीग में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई

दिग्गज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. इन अनुभवी खिलाड़ियों के साथ स्थानीय खिलाड़ियों को मैदान साझा करने और उनसे खेल की बारीकियों से रूबरू होने का सुनहरा अवसर मिला. सिल्ली ही नहीं पूरे राज्य में इस तरह के टूर्नामेंट की आवश्यकता है जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ स्थानीय युवाओं को खेलने का मौका मिले. फुटबॉल के क्षेत्र में यह टूर्नामेंट पूरे राज्य में नजीर पेश करेगा. खेल की शुरुआत राष्ट्र गान से हुई. इससे पूर्व स्थानीय लोक कलाकारों ने नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में समा बांधा. विभिन्न समूहों के द्वारा अलग अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए. झारखंडी नृत्य के साथ खिलाड़ियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया. मैच समाप्ति के बाद सिल्ली का आसमान शानदार आतिशबाजी से गुलजार हुआ. फाइनल मैच का लुत्फ उठाने भारी संख्या में फुटबॉल प्रेमी सिल्ली स्टेडियम पहुँचे. दर्शकों ने मैदान में खेल रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया था. टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सुदेश महतो ने पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के ईस्टर्न रीजनल हेड सत्यजीत संकृत, सीसीएल के डायरेक्टर पर्सनल हर्ष नाथ मिश्रा और पीआरओ ऑफिसर शंकर झा समेत अन्य अधिकारियों और टीम के संचालकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत,केंद्रीय महासचिव गोमिया विधायक लंबोदर महतो, हरेलाल महतो, जितेंद्र सिंह, सतेंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहें.

उठाए सवाल

- बोकारो सुपर किंग्स ने तेलंगाना टाइटंस को 4-2 से शिकस्त दी
- सिल्ली का आसमान शानदार आतिशबाजी से गुलजार हुआ

न्यूज अपडेट

पिपरवार के बिलारी गांव में हुई ग्रामीणों की बैठक

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र अंतर्गत बिलारी शिव मंदिर प्रांगण में बिलारी के ग्रामीणों ने बैठक की. बैठक की अध्यक्षता विजयलक्ष्मी और संचालन अमर कुमार एवं पंकज कुमार दास ने संयुक्त रूप से किया. बैठक में गांव के विकास से संबंधित बातों पर विचार विमर्श किया गया.गांव में होने वाले विभिन्न पंचायत स्तर के बैठकों में अनिवार्य रूप से शामिल होने का निर्णय लिया गया. इसके अलावे सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ गांव के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना और योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया.

बारेंदा में हाथी के हमले से वृद्ध की हुई मौत

सोनाहातू। प्रखंड क्षेत्र के बारेंदा पंचायत के बसंत लाल कोईरी 65 को उनके घर से सौ फिट की दूरी पर हाथी ने पटक दिया. बसंत लाल के परिवार मौत का ये मंजर अपनी आंखों से देख रहे थे, लेकिन किसी के बस का बात नहीं कि रोक सके. घायल को परिजनों ने तुरंत आनन फानन सिंगपुर हॉस्पिटल ले गये. लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. बता दें की बसन्त लाल कोईरी सुबह 5:30 बजे शौच के लिए बाहर गये थे. जब बसन्त लाल कोईरी शौच के लिए बैठा था तभी जंगली हाथी पीछे से आकर अचानक हमला कर दिया. ज्ञात हो कि दिन प्रतिदिन सोनाहातू-राहे क्षेत्र के ग्रामीणों को जंगली हाथियों का सामना करना पड़ रहा है. इस क्षेत्र में शाम होते ही दहशत का माहौल बन जाता है.

सांसद संजय सेठ मृतक के परिजनों से मिले

सोनाहातू। प्रखंड में मंगलवार की सुबह को सोनाहातू प्रखंड के बारेंदा क्षेत्र में 76 वर्षीय एक ग्रामीण बुजुर्ग बसंत लाल कोईरी की मौत तब हो गई. जब उसका सामना हाथी से हो गया, अहले सुबह जब बुजुर्ग शौच के लिए खेत में निकला था तभी अचानक एक हाथी ने उनके ऊपर हमला कर दिया. सूचना मिलते ही सांसद संजय सेठ परिजनों के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया. सांसद ने मौके पर डीएफओ एवं रेंजर को दूरभाष पर बात कर हाथियों के मूवमेंट पर नजर रखने को कहा साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में लाइट की व्यवस्था, टॉर्च, पटाखे एवं मसाल आदि वितरण करने का निर्देश दिया .

सुदेश महतो ने योजनाओं का किया शिलान्यास

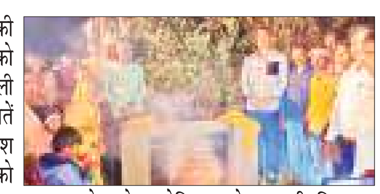

सोनाहातू। गांवों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करना हमारी पहली प्राथमिकता है. उक्त बातें सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने मंगलवार को कई योजनाओं के शिलान्यास कर समारोह को सम्बोधित करते हुए कही. विधायक ने देर शाम तक तेंतला पंचायत के बड़ाईकटांड़ से गाड़ाडीह तक डेढ़ किमी सड़क निर्माण जिसकी लागत राशि 1 करोड़ 68 लाख, जामुदाग रोड से एदेलडीह गांव होते हुए इड़कू तक लगभग 2 किमी सड़क 1 करोड़ 90 लाख तथा दुलमी से मगनडीह तक 2 किमी 90 लाख राशि से निर्माण कार्य का शिलान्यास किया.

सांसद ने वंदे भारत ट्रेन को मुरी में दिखाई हरी झंडी

सिल्ली/मुरी। प्रदेश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर रांची से बनारस के लिए रवाना किया.ट्रेन 10:40 बजे मुरी पहुंची.जहां प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर सांसद संजय सेठ ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया.सभी ने इस ट्रेन को प्रदेश के साथ-साथ सिल्ली के लिए गौरव बताया.बता दें कि ट्रेन का शुभारंभ रांची रेलवे स्टेशन में समारोह के साथ किया गया था. शुभारंभ के बाद उसी ट्रेन से सांसद संजय सेठ मुरी स्टेशन पहुंचे. जहां स्थानीय भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज एवं मंडल अध्यक्ष विनोद साहू जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया.मौके पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन झारखंड की तीसरी बड़ी सौगात है.रेल मंत्री से मैंने इसके लिए आग्रह किया था. जो अब पूरा हो गया .

फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी का हुआ भव्य स्वागत

ओरमांझी। अंडर-16 भारतीय महिला फुटबॉल टीम में चयन होने पर मंगलवार को ओरमांझी लौटी दिव्यानी लिंडा का भव्य स्वागत हुआ. भगवान बिरसा मुंडा सदमा चौक में जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा,22 पड़ाह समिति के अध्यक्ष बाबूलाल महली, रमेश चंद्र उरांव, प्रदीप मुंडा, रवि मुंडा, गीता कच्छप के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया.ओरमांझी की बेटी दिव्यानी लिंडा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि खेल के साथ पढ़ाई को मैनेज करना काफी मुश्किल होता था. परंतु फिर भी उसने खेलना जारी रखा. फिर कहती है कि यह तो बस अभी शुरुआत है, सफर अभी बहुत लंबा है, दूर तक जाना है. इसके अलावा दिव्यानी लिंडा ने सरकार और जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहती है कि ओरमांझी में भी फुटबॉल ग्राउंड और सेंटर बनना चाहिए.

डॉ आशा लकड़ा ने पदभार ग्रहण किया

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की नव मनोनीत सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने मंगलवार को दिल्ली स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण किया. इस अवसर पर आयोग की सचिव अलका तिवारी ने उन्हें वारंट सौंपा और फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया. पदभार संभालने के बाद आशा लकड़ा ने सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि तीन दिनों के अंदर आयोग में लंबित मामलों की सूची ए, बी व सी केटेगरी के तहत सूचीबद्ध करें, ताकि प्राथमिकता के तहत सभी मामलों को निष्पादित किया जा सके. इस क्रम में उन्होंने सचिव से यह भी कहा कि झारखंड से संबंधित लंबित मामलों को भी ए, बी व सी केटेगरी में सूचीबद्ध करें, ताकि आवश्यक मामलों को जल्द से जल्द निष्पादित किया जा सके. कहा, 14 मार्च को पुनः लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर बैठक की जाएगी. इस दौरान आशा लकड़ा ने सचिव से आयोग के क्रियाकलापों व पूर्व में निष्पादित कीए गए मामलों की जानकारी ली.

उप प्रशासक ने किया झिरी में बायोगैस प्लांट का दौरा

रांची । गेल इंडिया लिमिटेड झिरी में बायो गैस उत्पादन के लिए कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का निर्माण कर रहा हैं. जिसके प्रथम चरण का काम पूरा हो चुका हैं. इस काम के लिए रांची नगर निगम से गेल इंडिया के द्वारा एमओयू साइन किया गया है. मंगलवार को उप प्रशासक रविंद्र कुमार द्वारा झिरी स्थित गेल इंडिया द्वारा निर्मित बायोगैस प्लांट का निरीक्षण किया गया. मौके पर गेल इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि उक्त प्लांट मार्च महीने से शुरू हो जायेगा तथा इसके बेहतर आउटपुट के लिए रांची शहर में उत्पन्न होने वाले गीले कचरे की आवश्यकता हैं. उप प्रशासक ने कहा कि निगम क्षेत्र में आम लोग घरों/प्रतिष्ठानों से प्रतिदिन गीला सूखा कूड़ा अलग-अलग दिया जा रहा है तथा रांची नगर निगम झिरी में प्रतिदिन 150 मेट्रिक टन गीला कचरा देने के लिए प्रयासरत हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष लग्न में चंद्र के साथ गुरु है. धन का आगमन होगा पर किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें. आय अच्छी होगी.

वृषभ गलत जगह खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. पुराण और बड़ा निवेशादि लाभ देंगे. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. मंदिर में अन्न का दान करें.

मिथुन भाई के लिए शाम का समय ठीक है. पर जल्द बाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे. यह नुकसान का कारण बनेगा. सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे.

कर्क घर परिवार में सुख शांति होगी. भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. आपकी मेहनत के बल पर पराक्रम में वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा. किसी बड़े लाभ का योग है. मंदिर ने जल दान करें.

सिंह सोच विचार कर ही कार्य करें. ससुराल से लाभ होगा. भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे.कठिन परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी,किसी वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. आपके मेहनत के बल पर रोजगार प्राप्ति हो सकती है. कोई छोटी यात्रा शुभ रहेगी. गौ माता का सेवा करें.

तुला प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा.निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. दूसरों की देखादेखी नहीं करें. पार्टनर से मतभेद होगा. कृष्ण के बालरूप का पूजन करें.

वृश्चिक संतान के कार्य बनने से मन खुश होगा. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. कोई छोटी यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा. मानसिक उलझन होगा. हनुमानजी का पूजन अर्चन करें.

धनु शिक्षा में कुछ अड़चन का योग है. कार्य सावधानी से करें. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. कोई कार्य बनने से लाभ होगा.

मकर कार्य का विरोध हो सकता है. रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. कोई छोटी यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. गाय का घी ब्राह्मण को दान करें.

कुंभ राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. शेयर बाजार से लाभ का योग है. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी.रूके हुए काम बन सकते है. किसी गरीब को भरपेट भोजन दे. समय बहुत ही अनुकूल होगा.

मीन नेत्र रोग से बचे. कुछ क्रोध से भी हानि का योग है. किसी मंदिर में दर्शन पूजन का योग है. अध्यात्म के प्रति खर्च होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे.सोचा हुवा निवेशादि लाभ देगें. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें.

झारखंड के आदिवासी मूलवासी संगठन आज निकालेंगे न्याय मार्च

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को साजिश के तहत फंसाए जाने के विरोध में विभिन्न आदिवासी मूलवासी संगठन 13 मार्च को न्याय मार्च निकालेंगे. इसकी जानकारी केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने दी. उन्होंने बताया कि आदिवासियों के लोकप्रिय हेमंत सरकार को अस्थिर करने वाली ताकतों के खिलाफ जन-जन में आक्रोश है. यह आक्रोश वृहत रूप ले चुका है. आदिवासियों को निशाना बनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. आदिवासी आक्रोश मार्च 13 मार्च को सुबह 11 बजे भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल में माल्यार्पण करते हुए, लालपुर चौक, शहीद चौक, कचहरी चौक होते हुए राजभवन पहुंचेगा.

ऑस्ट्रेलिया के साउथवेल्स में 4 से 8 नवंबर तक होगी सीपीए की बैठक

रांची। झारखंड विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) की झारखंड शाखा की वार्षिक आम बैठक हुई. विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने बैठक में मौजूद विधायकों और पूर्व विधायकों को सीपीए के आगामी सम्मेलन को लेकर जानकारी दी. बताया कि आस्ट्रेलिया के लिडनी स्थित न्यू साउथवेल्स में 4 नवंबर से 8 नवंबर 2024 तक सीपीए का 67वां सम्मेलन आयोजित किया गया है. विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर ने बैठक में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा का वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया. उन्होंने जानकारी दी कि फिलहाल संघ की झारखंड शाखा में वर्तमान में 126 सदस्य हैं.

मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग में छह अंडर सेक्रेट्री की प्रतिनियुक्ति

रांची। 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड सचिवालय सेवा के छह अंडर सेक्रेट्री रैंक के अफसरों की प्रतिनियुक्ति मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग में की गई है. इनमें मनोज कुमार सिंह,संजय कुमार सिन्हा, घनश्याम प्रसाद, विनोद कुमार, संतोष कुमार चौबे, विभाग चंद्र सिंह शामिल हैं.

कैबिनेट की बैठक में चंपाई सोरेन सरकार ने लिए कई अहम फैसले

राज्य में चार नए डिग्री कॉलेज खोले जाने की मंजूरी

विशेष संवाददाता। रांची

रांची शहर को जाम मुक्त करने के लिए व एप्रोच सड़क में सुधार के लिए डीएवी पुंदाग से लेकर डीएवी हेहल तक की सड़क को फोरलेन किया जाएगा. इसके लिए 102.68 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी. मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में चंपाई सोरेन सरकार ने इसकी मंजूरी दी. इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने हाट गम्हरिया, बंदगांव, गढ़वा के मेराल एवं पोटका में एक-एक डिग्री कॉलेज खोले जाने की मंजूरी प्रदान की. सरकार ने वन संरक्षण और अफसरों की कमी को देखते हुए सेवानिवृत्त होने वाले फॉरेस्ट

अफसर और सहायक वन निरीक्षक को एक-एक वर्ष का सेवा विस्तार देने का फैसला लिया है. इसकी अधिकतम सीमा 3 वर्ष तक होगी. मगर इस दौरान वेतन के अलावे और कोई सुविधा उन्हें प्रदान नहीं की जाएगी.

कैबिनेट के फैसले

- डीएवी पुंदाग से डीएवी हेहल तक सड़क होगी फोरलेन
- कैबिनेट की बैठक में कुल 30 प्रस्तावों पर लगी मुहर
- वन क्षेत्र के अफसर व सहायक वन निरीक्षक को मिलेगी सेवा विस्तार

कैबिनेट बैठक के अन्य निर्णय

- ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव पर चंदवा लातेहार के 400 केवी संचरण लाइन और पतरातू में 400 के बीच संरक्षण नहीं की चोरी हो जाने के बाद यह पूरे मामले के डिस्प्यूट को पीजीसीई और जेबीएसएनल से निपटारे के लिए उच्च स्तरीय कमेटी को देने का फैसला लिया गया है. साथ ही संचरण कार्य न रुके, इसके लिए पीजीसीआईएल को चार करोड रुपये देने की मंजूरी दी गई है
- सरकारी स्कूल में अध्यनरत कक्षा एक से दो और कक्षा तीन से चार बच्चों का मूल्यांकन होगा और उनके मूल्यांकन शिक्षक करेंगे और आठवीं से ऊपर का मूल्यांकन जैक करेगा
- पॉलिटेक्निक कॉलेज खूंटी, लोहरदगा, हजारीबाग, जामताड़ा, गोड्डा पालमपुर, बगोदर को पैन आईटी से संचालित करने के लिए 77 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई
- राज्य सरकारी सेवकों के आवास और किराया भत्ता तय किया गया
- पारा मेडिकल नियमावली के गठन को मंजूरी

16 को फिर होगी कैबिनेट की बैठक

रांची। राज्य की चंपाई सोरेन सरकार की अगली कैबिनेट की बैठक 16 फरवरी को होगी . यह बैठक सुबह 11 बजे से प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में होगी . संभवत: यह कैबिनेट की बैठक देश के लोकसभा चुनाव घोषणा के पूर्व अंतिम बैठक होगी . इसमें सरकार चुनावी दृष्टिकोण से कई अहम फैसले ले सकती है .

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस मुशाविरत का स्वागत सत्र आयोजित

झारखंड में भी मुस्लिम मुशाविरत का होगा गठन : फिरोज अहमद

संवाददाता। रांची

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस मुशाविरत का स्वागत सत्र मस्जिद जाफरिया हॉल में मंगलवार को हाजी हलीमुद्दीन की अध्यक्षता में हुई. कांग्रेस प्रवक्ता खुर्शीद हसन रुमी ने मुशाविरत के लक्ष्य व उद्देश्यों की जानकारी दी. कहा कि मुशाविरत एक संस्था है, यह हमारे बुजुर्गों की निशानी है, यह हमें विरासत में मिली है. इसे क्रियाशील और मजबूत बनाना हमारा दायित्व है. उन्होंने कहा कि मरहूम मौलाना अहमद अली कासमी के जीवनकाल तक झारखंड में मुशाविरत का काम बखूबी चल रहा था. उनकी मृत्यु के बाद, मुशाविरत झारखंड में ठहर गया. ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस मुशाविरत के अध्यक्ष फिरोज अहमद ने कहा कि मुशाविरत की स्थापना हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए हुई है. आजादी के बाद जो सांप्रदायिक हिंसा और दंगे हुए, उस समय के लोगों और कुल हिंद जमात के लोगों ने एक साथ आकर विचार-विमर्श कर उसकी नींव रखी और पूरे देश का दौरा किया. साथ ही निराश मुसलमानों को उभारने में मदद की. कहा कि आज बंगाल, महाराष्ट्र, असम, यूपी में मुशाविरत बेहतर काम कर रहा है, जल्द ही यह यूनिट झारखंड में भी स्थापित होगी. सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकिलुर्रहमान ने कहा कि इन दिनों मुशाविरत अधिक महत्वपूर्ण है.

हिंदु मुस्लिम एकता को मिलेगा बल : मौलाना तहजिबुल

मौलाना हाजी सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने कहा कि मुशाविरत का गठन सांप्रदायिकता के खिलाफ एक संगठन के रूप में किया गया था . झारखंड में आपसी भाईचारा और एकता कायम करना जरूरी है, ताकि विचार-विमर्श के मंच से आपसी एकता और हिंदू मुस्लिम भाईचारे को बल मिले .

सरकार को ठहराया जिम्मेदार : वरिष्ठ अधिवक्ता

झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मोख्तार खान ने झारखंड में मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर कार्रवाई, मुआवजा व सरकारी नौकरी नहीं देने के लिए झारखंड सरकार को जिम्मेदार ठहराया .

मुख्यधारा में लाना मुशाविरत की जिम्मेदारी : मंजूर अहमद अंसारी

मंजूर अहमद अंसारी ने कहा कि आज की परिस्थिति में समाज के दबे-कुचले लोगों को मुशाविरत की जरूरत अधिक है . निचले वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाना मुशाविरत की जिम्मेदारी है . वहीं मुफ्ती अब्दुल्ला अजहर कासमी की दुआ के साथ बैठक संपन्न हुई .

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल से मिले सीएम

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम चंपाई सोरेन से मुलाकात की. मंगलवार को प्रांतीय अध्यक्ष श्री योगेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सीएम के आवास पर जाकर शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान पुलिसकर्मियों के लंबित वर्दी भत्ता, राशन भत्ता, वाहन भत्ता और अन्य भत्तों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा की गयी. ये सभी भत्ते विगत पांच-छह वर्षों से लंबित चले आ रहे हैं. एसोसिएशन स्तर से प्राधिकार/सरकार के समक्ष हमेशा मांग रखी जा रही है.

सीएम द्वारा आश्वस्त किया गया कि पुलिसकर्मियों के लंबित उक्त भत्तों को जल्द पूरा किया जाएगा. इस प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह के साथ उपाध्यक्ष अखिलेश्वर पांडेय, महामंत्री मो. महताब आलम और संयुक्त सचिव रंजन कुमार, प्रक्षेत्रीय मंत्री धर्मेन्द्र कु. सिंह और विशेष आमंत्रित सदस्य भीम सिंह शामिल हुए.

सीएम से मिले एसके पटवारी

रांची। कोलकाता के रश्मि ग्रुप के अध्यक्ष एसके पटवारी ने झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात की. इस दौरान पटवारी ने मुख्यमंत्री को कोलकाता में अपने ग्रुप द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी. साथ ही झारखंड में स्टील व कोल माइंस के क्षेत्र में निवेश की इच्छा जाहिर की.

देश के 7 राज्यों में 8 माइग्रेशन सेंटर का हुआ उद्घाटन

संवाददाता। रांची

एक राज्य से दूसरे राज्य कमाने जाने वाले मजदूरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. कोरोना काल में इसकी बानगी देखने को मिली थी. इसे लेकर झारखंड और केंद्र सरकार ने उन्हें मदद पहुंचाने की ठानी है. इसी क्रम में मंगलवार को देश के 7 राज्यों में 8 माइग्रेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया. रांची के होटल रेडिशन में हुए उद्घाटन कार्यक्रम में श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता और श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा शामिल हुए. मंगलवार को मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत देशभर में स्थापित इन माइग्रेशन सेंटर्स का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया. माइग्रेशन सेंटर चेन्नई, तिरुपपुर, आंध्रप्रदेश के हैदराबाद, कर्नाटक के बेंगलुरु, महाराष्ट्र के पुणे, गुजरात के अहमदाबाद, राजस्थान के नीमरामा और नई दिल्ली में खोला गया है. इस मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य में कई उद्योग खोले जा रहे हैं. जिससे यहां के मजदूरों को काम करने बाहर ना जाना पड़े. फिलहाल श्रमिकों को अगर किसी तरह की परेशानी हुई तो वे इन सेंटर्स पर सरकार से मदद ले सकते हैं. बता दें कि मंत्री ने श्रम विभाग को सुझाव दिया था कि वर्तमान 8 शहरों की तरह लेह-लद्दाख में भी प्रवासन सहायता केंद्र स्थापित किए जाएं.

मिलेगी मदद

- मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत स्थापित किए गए हैं सेंटर
- प्रवासी मजदूरों को मदद पहुंचाने के लिए खोले गए माइग्रेशन सेंटर

न्यूज अपडेट

सीएए से आदिवासियों को नुकसान होगा: एस. अली

रांची। देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) 2019 लागू पर अल्पसंख्यक मामलों के जानकार एस. अली ने कहा कि इस नागरिकता कानून से आदिवासियों को नुकसान होगा. इस कानून विरोध में करीब 200 याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इनमें त्रिपुरा स्टेट व असम कि याचिका अहम है. नागरिकता संशोधन बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में प्रथम सुनवाई 22 जनवरी 2020 को हुई थी, जिसपर कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने को कहा था साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने बाकी याचिकाओं पर अलग से सुनवाई कि बात कही थी, जो अबतक लंबित है. सुप्रीम कोर्ट में नागरिकता संशोधन कानून में सुनवाई के दौरान त्रिपुरा स्टेट के 186वीं किंग प्रधुत बिक्रम मानिक्य देव बर्मन से मेरी मुलाकात हुई थी उन्होंने बताया कि त्रिपुरा के कुछ भाग छठी अनुसूची के अंतर्गत आते हैं, लेकिन जनजातीय बहुल इस राज्य में नागरिकता संशोधन कानून का जोरदार विरोध हो रहा है.

80 सीएम उत्कृष्ट विद्यालयों में 9वीं व 11वीं की परीक्षा शुरू

रांची। झारखंड के 80 जिला स्तरीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में मंगलवार से नौवीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू हो गई है. सीबीएससी से मान्यता प्राप्त इन 80 उत्कृष्ट विद्यालयों में पहली बार सीबीएससी के मानकों के अनुरूप वार्षिक परीक्षा ली जा रही है. 22 मार्च तक परीक्षाएं चलेंगी. 30 मार्च तक परीक्षा परिणामों का प्रकाशन और रिपोर्ट कार्ड का वितरण कर दिया जाएगा. इसके बाद 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो जाएगा.

पेयजल संकट को दूर करना प्राथमिकता : चंद्रशेखर

रांची। आइएएस चंद्रशेखर ने मंगलवार को निवर्तमान सचिव अरवा राजकमल से पदभार ग्रहण किया . उन्होंने जुडको और ग्रेटर रांची विकास प्रधिकार के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का भी पदभार ग्रहण किया. इस अवसर पर चंद्रशेखर ने कहा की शहरी नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है. गर्मी का मौसम आरंभ हो रहा है इसलिए पेयजल की उपलब्धता पर विशेष बल दिया जाएगा. जल्द ही पेयजल से संबद्ध पदाधिकारियों की बैठक बुला कर इस दिशा में कार्रवाई की जाएगी. पदभार ग्रहण करने के दौरान सचिव ने नगर विकास एवं आवास विभाग, सूडा तथा जुडको के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं के बारे में जानकारी ली.

वीमेंस क्रिकेट: रांची ने गिरीडीह को 9 विकेट से हराया

रांची: जमशेदपुर में चल रहे जेएससीए सीनियर वीमेंस इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में रांची ने गिरीडीह को 9 विकेट हराया. गिरिडीह ने पहले बालेबाजी करते हुए 32 ओवर में 63 रन पर सिमट गयी. श्रेयांशी ने टीम के लिए सर्वाधिक 14 रन बनाए. रांची की प्रीति ने 3, पल्लवी आरती व ईशा ने दो-दो विकेट लिए. जवाबी पारी में रांची की टीम ने 13.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. रांची की मेघा ने टीम के लिए ताबतोड़ 42 रन बनाए. गिरिडीह की साक्षी ने टीम के लिए एकमात्र विकेट लिया. रांची की कुमारी मेघा को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार मिला.

अंडर-14 क्रिकेट: रांची ने लातेहार को 6 विकेट से हराया

रांची। जेएएससीए द्वारा आयोजित अंडर-14 इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में रांची ने लातेहार को 6 विकेट से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए लातेहार की पूरी टीम 36 ओवर में 121 रन ढेर हो गई. सोनू ने सर्वाधिक 47 और राम ने 22 रन बनाए. रांची के रवि राज ने 36 रन देकर 4 विकेट चटकाए. अक्षत व धीरज ने दो-दो विकेट लिए. जवाबी पारी में रांची की टीम ने 22.4 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. यश राज ने 37 और अरहम अली ने 21 रन बनाए. लातेहार के नीतीश ने 13 रन देकर 2 विकेट लिए. मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए रवि राज को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार मिला.

चतरा से कुशवाहा समाज के प्रत्याशी की रखी मांग

रांची। लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर से कुशवाहा समाज से एक भी प्रत्याशी नहीं देने से समाज के लोगों में नाराजगी है. इसे लेकर अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अभय कुशवाहा ने प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में कुशवाहाओं की संख्या काफी है. समाज के 90 फीसदी लोग भाजपा को समर्थन करते हैं, लेकिन इस बार अब तक भाजपा की ओर से कुशवाहा समाज से एक भी उम्मीदवार नहीं दिया गया है, जबकि झारखंड की चार लोकसभा सीटों पर कुशवाहा बाहुल्य क्षेत्र है. इसमें कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग व चतरा शामिल हैं. समाज के लोगों आस लगाए हुए हैं कि चतरा से समाज के विधायक डॉक्टर कुशवाहा शशि भूषण मेहता को अवसर मिलेगा. कुशवाहा शशि भूषण मेहता को टिकट मिलने से झारखंड के सभी कुशवाहा समाज भाजपा को समर्थन देगी. अभय कुशवाहा ने कहा कि यदि ऐसा नही हुआ है तो कुशवाहा समाज निर्दलीय ही चुनाव मैदान अपना कैंडिडेट उतारेगी और भाजपा को सबक सिखाने का काम करेगी. प्रेस वार्ता में प्रदेश के पदाधिकारी चूड़ामणि महतो, अमरनाथ महतो, प्रयाग महतो समेत अन्य मौजूद थे.

मुलाकात

खाद्य आयोग के अध्यक्ष से मिले राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, कहा-

किसी को भी खाद्यान्न का संकट न हो, सुनिश्चित करें

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मंगलवार को राजभवन में झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी और सदस्या शबनम परवीन ने मुलाकात की. आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी ने पिछले एक वर्ष में राज्य खाद्य आयोग द्वारा किए गए कार्यों और आयोग के विशेष पहल के विषय में राज्यपाल को विस्तार से बताया. खाद्य आयोग द्वारा राज्य के सभी जिलों में आयोजित मुखिया संवाद कार्यक्रमों, जन सुनवाइयों, समीक्षा बैठकों और औचक निरीक्षण जैसे कार्यों को राज्यपाल ने

प्रशंसनीय और अनुकरणीय माना. खाद्य सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन और निगरानी में बेहतर काम करने वाले हर जिले के तीन मुखिया को खाद्य आयोग द्वारा पुरस्कृत किए जाने के पहल की भी राज्यपाल ने सराहना की. राज्यपाल ने बेहतर काम करने के आधार पर खाद्य आयोग द्वारा पुरस्कृत सभी मुखिया के साथ मुलाकात और सीधा संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना तलाशने का निर्देश भी दिया, ताकि जमीनी हकीकत जानी और समझी जा सके.

खास बातें

- खाद्य आयोग के कार्यों से राज्यपाल को कराया अवगत
- राज्यपाल ने आयोग के कार्यों की सराहना की

राज्यपाल ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम : राज्यपाल ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आने वाली सभी योजनाओं की राज्य में क्या स्थिति है, इस संदर्भ की विस्तृत जानकारी आयोग के अध्यक्ष से ली. राज्यपाल ने आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी को मुलाकात के दौरान निर्देश दिया कि वो ये सुनिश्चित करें कि राज्य में किसी को भी खाद्यान्न का संकट न हो. साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की खाद्य सुरक्षा अधिनियम से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ सभी लाभुकों को उसी मात्रा और अहर्ता के अनुरूप मिले, जिसके वो हकदार हैं. राज्यपाल ने आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर को खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित योजनाओं के क्रियान्वन में आ रही परेशानियों और उसे दूर करने के उपायों का उल्लेख करते हुए एक विस्तृत प्रतिवेदन समर्पित करने का भी निर्देश दिया.

रांची ने सिमडेगा को 56 रन से हराया

रांची। जेएससीए स्टेडियम में खेले जा रहे जेएससीए सीनियर डिस्ट्रिक्ट एचपी बोधनवाला ट्रॉफी के मुकाबले में रांची ने सिमडेगा को 56 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची ने 257 रन बनाए. टीम के लिए शिखर ने सर्वाधिक 83 रन बनाए. नाजिम ने 48 रन का योगदान दिया. सिमडेगा के सौरव ने चार और तनिश ने दो विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिमडेगा की 201 रन ही बना सकी. सिमडेगा के लिए हिमांशु ने 54 व सौरव ने 53 रन बनाए. रांची के संकच मोचन व ऋषभ ने दो-दो विकेट चटकाए. रांची के शिखर को शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया.

पेज एक का शेष

आदिवासियों के लिए कांग्रेस ने जारी की 6 गारंटी

3. सुरक्षा: कांग्रेस सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उन सभी बस्तियों या बस्तियों के समूहों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में चिन्हित करने के लिए प्रतिबद्ध है जहां एसटी सबसे अधिक हैं.

4. स्वशासन: कांग्रेस पेसा के अनुसार राज्यों में कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ''ग्राम सरकार'' और ''स्वायत्त जिला सरकार'' की स्थापना हो सके.

5. स्वाभिमान: कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया जाने वाला एमएसपी का अधिकार कानून, जो एमएसपी को कानूनी दर्ज़ा देगा वह छोटे वन उपज को भी कवर करेगा.

6. सब प्लान: अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए बजटीय संसाधनों में संतुलित और पर्याप्त हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए 1970 के दशक के अंत में इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई अनुसूचित जातियों और जनजातीय उपयोजना के लिए सब प्लान योजना को 2014 में मोदी सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था. कांग्रेस अनुसूचित जाति योजना और जनजातीय उप-योजना को पुनर्जीवित करने और इसे कानून द्वारा लागू करने योग्य बनाने की गारंटी देती है, जैसा कि कुछ राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने किया है.

सियासत में ध्रुवीकरण

आम चुनाव एलान से ठीक पहले नागरिकता कानून को लागू करने की अधिसूचना जारी करने के सियासी मकसद को ले कर पक्ष और विपक्ष के बीच ठन गयी है. विपक्ष ने एक ओर जहां इसे भाजपा के चिरपरिचित ध्रुवीकरण का आखिरी प्रयास बताया है, वहीं सत्ता पक्ष अपने वायदों को पूरा करने का दावा कर रहा है. इससे दीगर असम में इस कानून को ले कर वहां के छात्रों ने आंदोलन का एलान कर दिया है. 2019 में बने इस कानून को चुनाव एलान के चंद घंटे पहले ही क्यों लागू किया गया. इसे ले कर भी सवाल उठाए जा रहे हैं. सरकार जहां इसे नागरिकता देने का कानून बता रही है, वहीं यह सवाल उठाया जा रहा है कि इस कानून में म्यांमार और श्रीलंका जैसे देशों में प्रताडित अल्पसंख्यकों के लिए कानून में क्यों कुछ नहीं है. दुनिया में आमतौर पर धर्म आधारित नागरिकता दिए जाने के मामले में यह नायाब उदाहरण है. कानूनविदों के अनुसार इससे दुनिया के पटल पर भारत की उदार छवि प्रभावित होगी और वसुधैव कुटुंबकम, जिसका जी 20 की बैठक के दौरान खूब प्रचार किया गया, को ले कर भी दुनिया संशय की निगाह से देख सकती है. 2019 में जब यह कानून बनाया गया था देश भर में शाहीनबाग जैसे आंदोलन हुए थे और असम में भारी विरोध हुआ था. असम के लोगों का तर्क शाहीनबाग आंदोनकारियों से थोड़ा भिन्न है. असम के आसू संगठन का तर्क है कि सीएए असम और पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति अन्याय है. नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) भारत का एक कानून है, जो बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्मों के लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान करता है. इस कानून को चुनौती देते हुए 200 से ज्यादा याचिकाएं सर्वोच्च अदालत दाखिल की गयी हैं. सर्वोच्च अदालत में यचिकदाताओं ने इस कून की वैधानिकता और संवैधानिकता पर ही सवाल उठाए हैं. सीएए के पक्ष में तर्क में तर्क दिया जाता है कि उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को सहायता सीएए का उद्देश्य बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करके उन्हें सहायता करना है. सीएए का समर्थन करने वाले लोगों का मानना है कि यह कानून भारत की सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में मदद करेगा, सीएए के समर्थकों का तर्क है कि यह कानून अवैध प्रवासियों को नियंत्रित करने में मदद करेगा. सीएए के विपक्ष में जो बातें कही रही है, वे इस प्रकार हैं. सीएए का विरोध करने वाले लोगों का मानना है कि यह कानून मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण है, सीएए का विरोध करने वाले लोगों का तर्क है कि यह कानून भारत की धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन करता है, सीएए के विरोध में पूर्वोत्तर भारत में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं. लोगों का तर्क है कि यह कानून उनकी संस्कृति और भाषा को खतरे में डाल देगा.

> सीएए के पक्ष में तर्क में तर्क दिया जाता है कि उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को सहायता सीएए का उद्देश्य बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करके उन्हें सहायता करना है.

सुभाषित

गुरुशुश्रूषया विद्या पुष्क्लेन धनेन वा।
अथवा विद्यया विद्या चतुर्थो न उपलभ्यते ॥

गुरु की सेवा करने से या भरपूर धन देने से विद्या प्राप्त कर सकते हैं, अथवा एक विद्या का दसरी विद्या के साथ विनिमय कर सकते हैं. ब्रह्मविद्या प्राप्त करने का चौथा कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है.

चुनावी साल में जनतंत्र की मुश्किलें

भारत में जनतंत्र ऐतिहासिक तौर पर भले ही वैशाली के जनपद में सुदूर ईसापूर्व किसी रूप में रहा था, उसकी व्यवस्थित संरचना ब्रिटिश हुकूमत के दौरान सामने आई. आरम्भ में यह नगर निकायों में स्थानीय शासन के रूप में आया और फिर धीरे-धीरे इसका प्रांतीय और राष्ट्रीय स्वरूप विकसित हुआ. 1937 में पहली दफा चुनावों द्वारा प्रांतीय सरकारों का गठन संभव हुआ और 1946 में अंततः राष्ट्रीय असेंबली के भी चुनाव हुए, जिसने संविधान सभा के रूप में कार्य किया.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

चुनावी वर्ष में जनतंत्र की चर्चा जरा जोरदार हो जाती है, इसलिए स्वाभाविक है कि भारत में इन दिनों इस विषय पर चर्चा चल रही है. देश में जनतंत्र की हिफाजत कौन करेगा? यह प्रश्न हर नागरिक के दिल में उभर रहा है. क्या प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी इस दायित्व को पूरा करेगी, या फिर कांग्रेस और क्षेत्रीय पार्टियां जो अपने-अपने इलाकों में राष्ट्रीय दलों के मुकाबले अधिक मजबूत हैं. भाजपा विरोधी दल प्रधानमंत्री के तौर-तरीकों और उनकी सोच की बखिया उधेड़ रहे हैं, तो प्रधानमंत्री विरोधी दलों के भ्रष्टाचार और परिवारवाद पर ऊंगली उठा रहे हैं. लेकिन समग्र रूप से जनतंत्र की मुश्किलों को शायद दोनों नहीं देख रहे हैं. भारत में जनतंत्र ऐतिहासिक तौर पर भले ही वैशाली के जनपद में सुदूर ईसापूर्व किसी रूप में रहा था, उसकी व्यवस्थित संरचना ब्रिटिश हुकूमत के दौरान सामने आई. आरम्भ में यह नगर निकायों में स्थानीय शासन के रूप में आया और फिर धीरे-धीरे इसका प्रांतीय और राष्ट्रीय स्वरूप विकसित हुआ. 1937 में पहली दफा चुनावों द्वारा प्रांतीय सरकारों का गठन संभव हुआ और 1946 में अंततः राष्ट्रीय असेंबली के भी चुनाव हुए, जिसने संविधान सभा के रूप में कार्य किया. लेकिन, उसमें सबको मतदान करने का अधिकार नहीं था. कुल आबादी के लगभग ग्यारह फीसद लोगों को ही मताधिकार प्राप्त था. यह अभिजन सभा थी, लेकिन गैर-जवाबदेह नहीं थी. भारत की संविधान सभा ने सर्वाधिक क्रान्तिकारी निर्णय जो लिया, वह था बालिग मताधिकार पूरी आबादी को बिना किसी भेद-भाव के दिया जाना.

हमारे जनतंत्र के स्वप्न-द्रष्टा हजारों लोग थे, लेकिन कुछ खास थे, जिनमें जवाहरलाल नेहरू और भीमराव आम्बेडकर प्रमुख थे. इन दोनों का मानना था कि जनतंत्र केलिए एक जनतांत्रिक संस्कृति अपेक्षित है, जिसका इस देश में सामान्यतया अभाव था. इसीलिए नेहरू और आम्बेडकर लगातार वैज्ञानिक चेतना के विकास पर जोर देते रहे. क्योंकि इसके माध्यम से ही जनतंत्र को मजबूत किया जा सकता था. उन्हें प्रतीत हुआ इस चेतना की कोई समृद्ध उपस्थिति तत्कालीन भारतीय समाज में नहीं थी. गांधी ने भी लोकमानस पर प्रभाव डालने केलिए राजा राम के गीत गाए और रामराज का यूटोपिया सामने रखा, जो लोकप्रिय चाहे जितना हुआ हो, वास्तविक अर्थों में एक सामंती संस्कृति ही संचारित करता था. आम्बेडकर ने हिन्दू-मुस्लिम ढकोसला-वाद से जूझने केलिए ही अपने आखिरी दिनों में बौद्ध धर्म का सहारा लिया. नेहरू भी बुद्ध से बहुत प्रभावित थे. हालांकि दोनों ने बौद्ध धर्म के पाखंड को भी समझा था. लेकिन उनका मानना था व्यापक तौर पर इस बौद्ध चेतना, उसके करुणा और विवेक के ही बूते लोकतान्त्रिक भारत का निर्माण किया जा सकता है.

नेहरू प्रधानमंत्री थे और वह अपने तरीकों से देश के औद्योगिकीकरण की बात कर रहे थे. पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा वह एक नया समृद्ध भारत बनाना चाहते थे. समाजवादी ताकतें शिक्षा, रोजगार और शासन में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने केलिए प्रतिपक्ष मोर्चे से संघर्ष कर रही थीं. इस बीच दकियानूसी ताकतें समाज में अज्ञान और पाखण्ड का विस्तार कर रही थीं. जगह-जगह बाबाओं के अभ्युदय हो रहे थे और उनके अनुयायी बढ़ते जा रहे थे. भभूत और ताबीज़ का रोजगार बढ़ता जा रहा था. वैज्ञानिक चेतना (साइंटिफिक टेम्पर) सृष्टि और संसार के विकासवादी सिद्धांत को स्वीकार करता है. पारम्परिक सनातनी हिन्दू- मुसलिम - इसाइयत सोच सृष्टिकर्ता यानी ईश्वरवाद में यकीन करता है. पुराने ज़माने से विवेकवादियों और आस्थावादियों का वैचारिक संघर्ष चला आ रहा है. हिन्दू , इस्लाम और इसाइयत के कट्टरतावादियों ने बुद्धि-विवेकवादियों को कितना नहीं सताया! दुनिया भर के इतिहास में इसके सबूत हैं. भारत में जैन-बौद्ध और लोकायत मत वाले किसी ईश्वरवाद अथवा सृष्टिकर्ता में यकीन नहीं करते थे. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में संतों ने ईश्वर के साथ विवेकवाद को साधने की आयोजना की और इसके लिए ईश्वर को निर्गुण बनाना आवश्यक हुआ. यह एक अद्भुत वैचारिक आयोजन था,जिसमें ईश्वर को किताबों और देवालयों से मुक्त कर इंसानों के दिल से जोड़ दिया गया. मानो आस्था का जनतंत्रीकरण हो रहा हो.

एक व्यापक और सक्षम जनतंत्र के लिए वैज्ञानिक चेतना, सेकुलर सोच और दूसरे के मत का सम्मान करने का स्वभाव जरूरी होता है. जैन मत अनेकांतवाद में विश्वास करता है, जिसके अनुसार सच वही नहीं है, जो एक कह रहा है, दूसरा या तीसरा गलत ही है ,यह जरूरी नहीं और फिर यह कि सत्य के अनेक रूप होते हैं. एक ही व्यक्ति किसी का पुत्र, किसी का पति और किसी का पिता हो सकता है. सत्य को व्यापक तौर पर स्वीकार करने की उदारता और विनम्रता होनी ही चाहिए. जनतंत्र के लिए तो यह भाव अत्यंत जरूरी है. मुश्किल यह है कि हम एक जिद बना लेते हैं कि मैं सही और दूसरे गलत. इससे ही एकाधिकार और वर्चस्व की भावना आती है.

दुनिया के जिन देशों में भी लोकतंत्र मजबूत है और नागरिक खुशहाल हैं, वहां की डेमोग्राफी देखी जानी चाहिए. विकसित देशों में वैसे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है, जो किसी संस्थागत धर्म या रिलिजन में यकीन करते हैं. कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के फिल जुकरमान ,जो एक ख्यात समाजशास्त्री हैं, के अनुसार दुनिया भर में कोई पचहत्तर करोड़ लोग ऐसे हैं, जो किसी मजहब या ईश्वर पर यकीन नहीं करते. स्वीडेन, वियतनाम, डेनमार्क, जापान, चीन, रूस, नॉर्वे, फ्रांस आदि में इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

जैसा अन्न वैसा मन

एक साधु ग्रामानुग्राम विचरण करते हुए जा रहे थे और एक गांव में प्रवेश करते ही शाम हो गई. ग्रामसीमा पर स्थित पहले ही घर में आश्रय मांगा. वहां एक पुरुष था, जिसने रात्रि विश्राम की अनुमति दे दी. और भोजन के लिये भी कहा. साधु भोजन कर बरामदे में पडी खाट पर सो गया. चौगान में गृहस्वामी का सुन्दर हृष्ट पुष्ट घोडा बंधा था. साधु सोते हुए उसे निहारने लगा. साधु के मन में दुर्विचार ने डेरा जमाया, 'यदि यह घोडा मेरा हो जाय तो मेरा ग्रामानुग्राम विचरण सरल हो जाय'. वह सोचने लगा, जब गृहस्वामी सो जायेगा, आधी रात को मैं घोडा लेकर चुपके से चल पड़ूंगा. गृहस्वामी को सोया जानकर साधु घोडा ले उडा. कोई एक कोस जा कर पेड से घोडा बांधकर सो गया. प्रातः उठकर नित्यकर्म निपटाया और घोडे के पास आकर फ़िर उसके विचारों ने गति पकडी. 'अरे! मैंने यह क्या किया? एक साधु होकर मैंने चोरी की? यह कुबुद्धि मुझे क्योंकर सुझी?' उसने घोडा गृहस्वामी को वापस लौटाने का निश्चय किया और उल्टी दिशा में चल पडा. उसी घर में पहुंच कर गृहस्वामी से क्षमा मांगी और घोडा लौटा दिया. साधु ने सोचा, कल मैंने इसके घर का अन्न खाया था, कहीं मेरी कुबुद्धि का कारण इस घर का अन्न तो नहीं, जिज्ञासा से उस गृहस्वामी को पूछा- 'आप काम क्या करते है, आपकी आजीविका क्या है?' अचकचाते हुए गृहस्वामी ने साधु जानकर उसे सच्चाई बता दी- 'महात्मा मैं चोर हूं और चोरी करके अपना जीवनयापन करता हूं'. साधु का समाधान हो गया, चोरी से उपार्जित अन्न का आहार पेट में जाते ही उसके मन में कुबुद्धि पैदा हो गई थी. जो प्रातः नित्यकर्म में उस अन्न के निहार हो जाने पर ही सद्बुद्धि वापस लौटी. नीति-अनीति से उपार्जित आहार का प्रभाव प्रत्यक्ष था. इसलिए कहा गया है कि जैसा अन्न, वैसा मन. कोई मनुष्य यदि चोरी, डकैती, हत्या आदि दुष्कर्मों के माध्यम से धन अर्जित करता है तो उसके घर के अन्न पर उसका प्रभाव रहता है. वह अन्न जो कोई भी ग्रहण करता है, उसकी मानसिकता वैसी ही हो जाती है. क्रूरतापूर्वक तैयार गया भोजन का भी वैसा ही दुष्प्रभाव पड़ता है. उदाहरण के लिए मांसाहारियों का आहार अत्यंत क्रूरतापूर्वक किसी पशु या पक्षी की हत्या कर तैयार किया जाता है. उसका प्रभाव यह होता है कि जो उसे ग्रहण करता है उसकी मनोवृत्ति तामसी हो जाती है. इसलिए शुद्ध मन के लिए शुद्ध आहार आवश्यक है.

राजनीति में कीचड़ ज्यादा, तथ्य कम, भाषा अमर्यादित

• सियासत

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारतीय राजनीति जिस मोड़ से गुजर रही है. उसमें कीचड़ ज्यादा है और तथ्य कम हैं. हर तरफ से हर रोज कुछ न कुछ अनर्गल प्रलाप और सस्ती बातों के अलावा किसी राजनेता पर छींटाकशी आम बात हो गई है. कुंठित लोग जिनमें राजनीतिक नेता बड़े पैमाने पर हैं, किसी के भी बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते. बहुत लोग तो इसमें अपनी शान समझते हैं और अपने को बड़ा समझने लगते हैं. कुछ तो जानबूझकर ऐसा कहते और करते हैं, ताकि मुफ्त में पब्लिसिटी मिले. कई तो संसद और विधानसभाओं में भी अपनी कड़वी जुबान का इस्तेमाल करते हैं. भारतीय राजनीति में हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है. लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है. उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया. दरअसल, कांग्रेस में बड़े पद पर रहने के बाद जब वह अलग हुए तो राजनीति में उनकी वह कीमत नहीं रही थी. इस कारण वे कुंठित होने लगे और यह कुंठा उनके व्यवहार और उनके बोल में साफ झलकने लगी. यही भाव आज के उन ज्यादातर राजनीतिज्ञों में दिखता है जो कुंठा में जी रहे हैं. ऐसे ही नेता अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं. सत्ता से विमुख रहना या फिर उसे पाने के लिए किसी भी सीमा तक चले जाना, स्वाभाविक-सी बात है. कई राजनेता ईर्ष्यावश या दुर्भावना से भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं. वह खुद तो सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी बोलते हैं और जब विरोध करना होता है तो दूसरों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं. कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर. उन्होंने पीएम मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया. उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था, जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया. उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया. नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया. आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है, लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ कांग्रेसी ही इस गंदे खेल में शामिल रहे. समाजवादी पार्टी, राजद, डीएमके वगैरह खुलकर अनर्गल भाषा का इस्तेमाल करते रहे. इन दिनों लालू यादव भी सुर्खियों में हैं. उन्होंने पीएम मोदी की मां के निधन के बाद हल्की बातें कीं. खासकर उनके परिवार को लेकर जिसे अब मोदी ने एक पॉजिटिव मुद्दा बना दिया. ठीक उसी तरह जैसे चौकीदार वाला मुद्दा बना था. डीएमके वाले उदयनिधि और ए. राजा तो राम के खिलाफ ही बोलने लगे. उनके मन में बीजेपी ही नहीं, राम तक के लिए भी घृणा का भाव है क्योंकि इस समय वे लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. उन्हें सत्ता हाथ से निकलती दिखती है. ऐसा नहीं है कि ऐसे बोल सिर्फ विपक्षी ही बोलते हैं. सनातनी और बीजेपी के लोग भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं. बाबर की औलादों वाला अपशब्द याद है न? इस तरह के कई अल्फाज उधर से भी इस्तेमाल हुए हैं. 'पाकिस्तान चले जाओ' जैसे बोल तो आम हो गये थे. सत्ता में रहने वाले थोड़ा संयत हो जाते हैं फिर भी कोई न कोई कुछ बोलता रहता है. सवाल यह है कि यह कब तक चलता रहेगा? क्या भारत के छोटे-बड़े नेता इस लोभ को संवरण कर पायेंगे या अपनी कुंठा से बाहर निकलेंगे. सत्ता से बाहर रहने पर आक्रोश और कुंठा स्वाभाविक है. हमने यह देखा है और उन नेताओं को भी जो सोचते हैं कि ऐसा बोलकर वे लोकप्रियता बटोर लेंगे. लेकिन सच्चाई यह है कि अब जनता पढ़ी-लिखी है और दूसरी बात यह भी है कि यह सोशल मीडिया का जमाना है. अनर्गल और असभ्य किस्म की बातें करने वालों को वहां से तुरंत जवाब मिल जाता है. सोशल मीडिया के खिलाड़ी भी दोनों ओर हैं और अक्सर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं. कई पुलिस के हत्थे भी चढ़ जाते हैं और कुछ जेल भी पहुंच जाते हैं.

> दरअसल, कांग्रेस में बड़े पद पर रहने के बाद जब वह अलग हुए तो राजनीति में उनकी वह कीमत नहीं रही थी. इस कारण वे कुंठित होने लगे और यह कुंठा उनके व्यवहार और उनके बोल में साफ झलकने लगी. यही भाव आज के उन ज्यादातर राजनीतिज्ञों में दिखता है जो कुंठा में जी रहे हैं. ऐसे ही नेता अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं.

बिछड़े सहयोगियों के लिए खुले भाजपा के दरवाजे

• सामयिकी

अरुण श्रीवास्तव

ठीक 13 महीने पहले 10 फरवरी, 2023 को, नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में दुस्साहसिक दावा किया था, 'एक अकेला सब पर भारी. उन्होंने यहां तक कहा था कि 'एक व्यक्ति कई लोगों के लिए बहुत ज्यादा साबित हो रहा है'. उन्हें अपनी क्षमताओं, निपुणता और राजनीतिक शक्ति पर इतना भरोसा है कि उन्हें आम लोगों को 'मोदी की गारंटी' की पेशकश करते हुए सुना गया था. अपने दस साल के शासन के दौरान उन्होंने अपने सहयोगियों को वस्तुतः अप्रासंगिक बना दिया और उन्हें राजनीतिक दायरे से बाहर कर दिया. दुर्भाग्यवश, उसी व्यक्ति, भारतीय राजनीति के लौह पुरुष, को इंडिया गुट की चुनौती से लड़ने के लिए, अपने पूर्व सहयोगियों से वापस आने, उनके साथ शामिल होने की भीख मांगते हुए देखकर वास्तव में दया आती है. मोदी को किसी अन्य व्यक्ति की सलाह और सुझाव सुनने से नफरत है. वह सबसे बुद्धिमान व्यक्ति हैं. यह एक खुला रहस्य है कि 2014 का आम चुनाव जीतने के बाद उन्होंने तेलुगु देशम के चंद्रबाबू नायडू और अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल जैसे नेताओं को किनारे कर दिया था, जो कभी दोनों भाजपा के सबसे मजबूत सहयोगी थे. यहां तक कि उन्होंने ओडिशा के नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजेडी को भी नजर अंदाज कर दिया था. मोदी ने उनके साथ बेहद क्रूर व्यवहार किया. मोदी ने एक स्पष्ट संदेश दिया कि उन्हें ऐसे सहयोगियों की परवाह नहीं है और वह अकेले दम पर चुनाव जीतने में सक्षम हैं, चाहे राज्य में हों या केंद्र में. हालांकि अकालियों ने तीन विवादास्पद और अब रद्द किये गये कृषि कानूनों को लेकर भाजपा से नाता तोड़ लिया था, लेकिन सच्चाई यह है कि बादल निराश महसूस कर रहे थे. 2014 के राज्य के विभाजन के बाद आंध्र से किये गये वादों को पूरा करने में केंद्र की विफलता के विरोध में तेलुगु देशम ने 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले वॉकआउट कर दिया था. नवीन भाजपा के प्रति दोहरा रवैया अपनाये हुए थे. चंद्रबाबू नायडू और उनके सहयोगी जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण पहले ही भाजपा नेतृत्व के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर चुके हैं. दरअसल नायडू के साथ कई दौर की चर्चा हो चुकी है. मोदी बादलों की आहत भावनाओं को मनाने में भी सफल रहे हैं. उनके साथ सीटों पर बातचीत भी चल रही है. मोदी विपक्ष के प्रति इतने तिरस्कृत भाव से परिपूर्ण थे कि उन्होंने कांग्रेस की चुनौती को कभी गंभीरता से नहीं लिया. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा बनायी गयी अलौकिक दुनिया में घूमते हुए, उन्होंने सोचा कि राहुल गांधी और गांधी परिवार के खिलाफ उनके कटाक्ष कांग्रेस को निरर्थक बना देंगे. उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के लिए अपना अभियान भी चलाया. जरा सोचिए, जिस पार्टी (कांग्रेस) को प्रधानमंत्री मोदी ने महज दस साल में देश के राजनीतिक पटल से गायब कर दिया था, वह आक्रामक अंदाज में उभरने लगी है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जमीनी स्तर पर लोग राहुल गांधी के आह्वान और कदमों पर अनुकूल प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जिन्हें सही मायनों में अभी एक विकल्प के रूप में उभरना बाकी है. सबसे दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस के पास उनके अलावा कोई दूसरा चेहरा नहीं है जो मोदी के नेतृत्व में भगवा दिग्गजों की एक श्रृंखला का मुकाबला कर सकें. इसे डिकोड करना भागवत और मोदी पर निर्भर है, लेकिन एक बात तो तय है कि राहुल एक नये राजनीतिक दर्शन के प्रतीक हैं. अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान वह भारतीय संविधान के मूल मूल्यों और उसकी रक्षा कैसे की जाये, इस पर बात कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी का अपने ही पूर्वानुमानों और अनुमानों पर से भरोसा उठना भाजपा के एक वरिष्ठ नेता की टिप्पणी से झलकता है. 'हम उन सभी एनडीए सहयोगियों को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने हमें छोड़ दिया था. सत्ता में बने रहने के लिए यह जरूरी है कि हमें कम से कम मौजूदा सदन में मौजूद सीटें तो मिलें. मोदी का ध्यान एनडीए के 400 का आंकड़ा पार करने पर है, जाहिर तौर पर इसे हासिल करने के लिए हमें अपने पुराने सहयोगियों को साथ लेना होगा.' उनके मुताबिक भाजपा नेताओं को सहयोगी दलों पर धौंस नहीं जमानी चाहिए. बिहार में भाजपा को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. चिराग पासवान और जीतन राम मांझी को अपने ऑफर पर सहमत कराना मुश्किल हो रहा है. जद (यू) 2019 में जीती गयी अपनी16 सीटों में से कुछ सीटों पर दावा छोड़ने के भाजपा नेताओं के सुझाव से भी सहमत नहीं है.

> मोदी विपक्ष के प्रति इतने तिरस्कृत भाव से परिपूर्ण थे कि उन्होंने कांग्रेस की चुनौती को कभी गंभीरता से नहीं लिया. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा बनायी गयी अलौकिक दुनिया में घूमते हुए, उन्होंने सोचा कि राहुल गांधी और गांधी परिवार के खिलाफ उनके कटाक्ष कांग्रेस को निरर्थक बना देंगे.

मीडिया में अन्यत्र

त्रिस्तीरीय कंप्यूटिंग क्षमता पर जोर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय एआई (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) मिशन के लिए 10,371.92 करोड़ रुपये का पैकेज मंजूर किया था. इस अभियान के तहत देश में कंप्यूटिंग क्षमता तैयार करने पर जोर दिया जाएगा. यह पहले की उन सरकारी घोषणाओं के अनुरूप है, जिनमें कहा गया था कि त्रि-स्तरीय कंप्यूटिंग संरचना स्थापित करने पर विचार किया जाएगा. इस मिशन के ब्योरे की बात करें तो अभी तक जो ज्ञात है. उसके मुताबिक इसमें निजी क्षेत्र द्वारा उच्च-स्तरीय कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए व्यवहार्यता अंतर का वित्तपोषण शामिल होगा. प्रासंगिक स्टार्टअप में निवेश के साथ ही शैक्षणिक संस्थानों को अनुसंधान और विकास (आरऐंडडी) में सहयोग के लिए निश्चित राशि भी निर्धारित की गई है. इसमें नए प्लेटफॉर्मों की स्थापना भी शामिल है जो स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों के लिए प्रमुख भारतीय भाषाओं को कवर करने वाले डेटासेट पर प्रशिक्षित 100 अरब मापदंडों से अधिक क्षमता वाले मूलभूत मॉडल विकसित करेंगे. इसके तहत एआई क्यूरेशन इकाइयों (एसीयू) का भी विकास किया जाएगा. प्रस्ताव में 'एआई मार्केटप्लेस' की स्थापना की बात भी शामिल है, जो एआई को सेवा और पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल के रूप में पेश करने के लिए डिजाइन किया गया है. वैसे तो इस क्षेत्र के लिए यह सब उपयोगी और मददगार होगा, लेकिन निजी क्षेत्र कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना करने तथा मॉडल एवं बाजार विकसित करने के लिए अपेक्षित निवेश तलाशने में खुद सक्षम है, बशर्ते कि उसे पर्याप्त नीतिगत समर्थन मिले.एआई जैसे उच्च विकास वाले क्षेत्र के लिए निवेश जरूर आएगा. वास्तव में, सरकार एआई मिशन की रूपरेखा के मुताबिक महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए प्रारंभिक वित्तपोषण यानी जरूरी कर्ज या आर्थिक सहयोग से ज्यादा कुछ नहीं दे सकती.

इसलिए सरकार को सक्षम वातावरण बनाने पर ज्यादा जोर देना होगा. एआई के परिवेश को समझदारी वाले, स्पष्ट विनियमन एवं कानून और सक्षम नीति की आवश्यकता है, जिसमें प्रासंगिक हार्डवेयर के आयात के लिए तार्किक सीमा शुल्क और कर नीति, उपकरण के लिए मूल्य ह्रास, सॉफ्टवेयर में अनुसंधान एवं विकास के लिए व्यय के दिशानिर्देश, सेमीकंडक्टर जैसे उच्च-स्तरीय उपकरणों के स्थानीय निर्माण को प्रोत्साहित करने पर जोर और एआई परिवेश में निवेशकों के लिए स्पष्ट नीति शामिल हो.इसके अलावा यह देखते हुए कि एआई बड़े पैमाने के डेटा के आधार पर काम करता है, इस क्षेत्र के बढ़ने के साथ-साथ व्यक्तिगत और गैर-व्यक्तिगत डेटा, दोनों के प्रसंस्करण और भंडारण को बेहतर बनाने की तत्काल आवश्यकता है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आगम/आगर

कृष्ण भक्ति धारा के अप्रतिम कवि संत सूरदास जी कहते हैं-श्याम कह्यो सब सखन सो लावहु गोधन फेरि. संध्या को आगम भयो ब्रज तन हांको हेरि. यानी श्रीकृष्ण अपने मित्रों से कहते हैं कि संध्या का आगम हो गया, अब अपनी गायों को ब्रज की ओर हांको यानी ले चलो. इस पद में 'संध्या को आगम' शब्द पर गौर करते हैं. संध्या को आगम का मतलब शाम हो चुकी है. आगम संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. हिंदी शब्द सागर के अनुसार आगम शब्द के सामान्य और विशिष्ट अनेक अर्थ हैं. जैसे आगमन, आमद, भविष्य काल, आनेवाला समय, होनहार. आगम शब्द जब किसी क्रिया के साथ होता है तो उसका विशेष अर्थ निकलता है. जैसे आगम करना. मतलब ठिकाना करना. इसका वाक्य प्रयोग देखते हैं-हम यह नहीं कहते चंदा इकट्ठा करके तुम अपना आगम कर रहे हो. व्याकरण में किसी शब्द साधन में वह वर्ण जो बाहर से लाया जाता है, उसे भी आगम कहते हैं. आगम का मतलब उत्पत्ति, वेद, शास्त्र, तंत्र शास्त्र, नीति शास्त्र, प्रवाह, धारा, ज्ञान, संपत्ति की वृद्धि, सिद्धांत, नदी का मुहाना, सड़क मार्ग की यात्रा भी होता है. आगम का विशेषण के रूप में मतलब है आनेवाला, आगामी. अंतिम अक्षर में हेर-फेर से बना शब्द आगर है. अर्थ के दृष्टिकोण से इसका आगम से कोई संबंध नहीं है. यह शब्द प्रायः समासांत में आता है, जैसे गुण-आगर, बल-आगर. मतलब खान, आकर, समूह, ढेर. घर, गृह, छाजन का एक भेद, छाजन या छप्पर को भी आगर कहा जाता है. इस शब्द का सबसे अधिक प्रयोग श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़कर आदि अर्थों में किया जाता है. गोस्वामी तुलसीदास सहित सभी भक्त कवियों ने अपनी रचनाओं में आगर शब्द का प्रयोग इसी अर्थ में किया है. उदाहरण के लिए तुलसीदास ने कहा है-जो लांघै सत योजन सागर, करै सो रामकाज अति आगर. प्राचीन साहित्य में आगर शब्द का प्रयोग कुछ जगहों पर अमावस्या के अर्थ में भी किया गया है.

नारियों के समाज में लुप्त होती जा रही बिंदिया

• तीर-तुक्का

दीनदयाल शर्मा

विदेश में आदमी और औरत को पहनावे के कारण जल्दी से पहचाना नहीं जाता, लेकिन हमारे देश में ऐसा नहीं है. हमारी संस्कृति में इस तरह का पहनावा है कि यहां आदमी और औरत दूर से ही पहचाने जाते हैं. नारी विवाहित है या अविवाहित. सधवा है या विधवा. इसके संकेत भी उसके पहनावे से पता चल जाता है. आदमी की पहचान में ऐसा कोई पहनावा तय नहीं किया गया है, जिससे यह पता चल सके कि वह कुंवारा है या शादीशुदा. अब विवाहित औरतें केवल माथे की बिंदी तक ही सीमित होती जा रही है. एक दिन हमारी साली साहिबा हमारे घर पधारीं. घर में घुसते ही बोली, 'क्या बात है दीदी, जीजा जी घर पर नहीं है क्या?' पत्नी जी बोलीं, 'घर पर ही हैं, उधर देखो, वो बैठे. बिस्तर में बैठे-बैठे टीवी देख रहे हैं और साथ-साथ मुंगफलियां भी चबा रहे हैं!' मैं साली जी की तरफ देखकर अपनी खीसें निपोरने लगा. पत्नी जी ने साली जी से पूछा, 'लेकिन तुमने यह सवाल क्यों किया कि जीजा जी घर पर नहीं हैं क्या!' 'तुम्हारा सूना माथा देखकर. माथे पर बिंदी नहीं है न!' साली जी ने हंसते हुए कहा. 'ओहो!' अफसोस करते हुए पत्नी जी ने अपने सूने माथे पर हाथ फिराया और ड्रेसिंग टेबल से एक सस्ती सी बिंदी लेकर अपने माथे पर चिपका ली. मैं साली जी से बोला, 'तुम्हारी दीदी आजकल मेरी बिल्कुल ही कद्र नहीं करती. मुझे बाथरूम में किसी दीवार पर, कभी दरवाजे पर तो कभी ड्रेसिंग टेबल पर चिपका देती हैं. बिंदियां लाने के लिए मुझसे हर सप्ताह खूब सारे पैसे ले लेती है, लेकिन बिंदियों का सस्ता सा पत्ता लाकर बिंदी लगाने की खानापूर्ति ही करती हैं बस!' एक दिन मैंने देखा कि मैं घर के बाहर गंदी नाली में पड़ा हूं. मैंने पत्नी जी को आवाज दी, 'अरे सुनती हो!' 'क्यों चिल्ला रहे हो? क्या हो गया ?' वह चिल्लाती हुई मेरे पास आई. मैंने नाली में पड़ी बिंदी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'ये देखो, आजकल यह कद्र रही है मेरी. गंदी नाली में किस तरह फेंका है मुझे!' तभी हमारे दूर के पड़ोसी की सुन्दर सी पत्नी मुस्कुराती हुई हमारी पत्नी जी के नजदीक आती हुई बोली, 'अरी बहिन, आज-आज के लिए मुझे अपनी बिंदी दे दो. मैं कल लौटा दूंगी!' पड़ोसन की मांग सुनकर मैं फुला नहीं समा रहा था. पत्नी जी मुझे प्रसन्न देख कर भीतर ही भीतर जल रही थीं. फिर भी पड़ोसी धर्म समझ कर उसने मुझे अपने माथे से उतार कर उसके माथे पर चिपका दिया. पड़ोसन खुश होकर अपने घर चली गई. मैं पत्नी जी से मुस्कुराते हुए बोला, 'थोड़ी सी चाय तो पिला दो मेरी जान!' 'उसी से जाकर पी लो.' गुस्से से बड़बड़ाती पत्नी जी रसोईघर में चली गई.

Her Story

शादी के करीब 6 महीने पहले प्री वेडिंग फंक्शन के नाम पर देश के सबसे अमीर परिवार ने जिस तरह पैसा बहाया है, उससे उनके पॉकेट पर शायद कोई असर नहीं पड़ेगा. पर सामाजिक चिंता का विषय यह है कि आज न कल यह चलन आम परिवारों में भी पैठ करेगा. पहले उन्हें रोल मॉडल मानते हुए धनाढ्य परिवार इसे अपनाएंगे और फिर मध्यम वर्ग भी भले कर्ज लेकर, इस तरह के आयोजनों में पैसा बर्बाद करेंगे.

शादी में क्यों हो पैसे की बर्बादी!

मार्च का पहला हफ्ता खबरिया चैनल से लेकर यू-ट्यूब तक अंबानी परिवार के प्री-वेडिंग फंक्शन में बेहाल रहा. देश-विदेश में कौन कहां से आया, क्या मेन्यू था, किसी कलाकार को क्या फीस दी गई, कौन क्या पहना, क्या उपहार दिया...चर्चा में बस यही. अनंत-राधिका की शादी 12 जुलाई को है. करीब छह महीने पहले प्री वेडिंग के नाम पर पैसा पानी की तरह बहाया गया. आश्चर्य नहीं कि अगले एक-दो विवाह सीजन में उच्च आय वर्ग के कई परिवार भी प्री-वेडिंग के नाम पर पैसों की फिजूलखर्ची करेंगे. इतना ही नहीं, चुपके से यह रोग मध्यम वर्ग तक भी जकर लेगा और उनके यहां भी तमाम जरूरतों को ताक पर रखकर और कर्ज लेकर शादी के पहले ही शादी के नाम पर पैसे बर्बाद किए जाएंगे. गैर जरूरी रस्में शुरू होंगी. सवाल है कि शादी पहले ही अपने समाज में पैसे की दृष्टि से शिकन डालने वाला रहा है. अपने झारखंड में तो कई आदिवासी समाज के लोग इन खर्चीले रस्मों की वजह से ही बुढ़ापे तक विवाह के मंडप तक नहीं पहुंचते और नाती-पोते वाले हो जाते हैं. ऐसे में इस तरह के नए चोंचले यदि शुरू होते हैं तो अपने साथ और कई सामाजिक कुरीतियां लाएंगे, यह तय है.

ये जो मलाल है...

जब इस बात की चर्चा हमने झारखंड की महिलाओं से की तो उन्होंने भी शादी के कई खर्चे को फिजूल करार दिया. साथ ही साझा किए अपने अनुभव या कहें एक टीस को कि उनकी शादी में भी कुछ खर्च ऐसे हुए जिन्हें कम किया जा सकता था.

साड़ियों पर यह खर्च फिजुलखर्ची

कंचन सिंह

अपनी शादी के पलों पर पलट कर देखती हूं तो लगता है कि कुछ खर्च ऐसे थे जो बेमतलब थे. करीब 11 साल पहले मेरी शादी हुई थी. तब अपने रिशेप्शन पार्टी में जो मैंने साड़ी पहनी, वह आज तक दुबारा कभी नहीं पहनी. वह साड़ी करीब सात आठ हजार रुपए की थी. इतनी भी अच्छी नहीं कि अगली पीढ़ी को सौंपी जा सके. मेरे वार्डरोब में शादी के समय ली गई कई ऐसी साड़ियां हैं जिसे आज तक नहीं पहनी हूं. आज फैशन भी तेजी से बदल रहा. इसी तरह खाने के आयटम में भी बहुत खर्च हुआ जिसे रोका जा सकता था.

कम किया जा सकता था कैटरिंग का खर्च

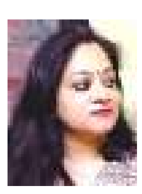

प्रियंका नियोगी

मेरी शादी में मुझे लगता है कि कैटरिंग पर कुछ कम खर्च हो सकता था. कपड़ों पर भी सावधानी के बावजूद कई फिजूलखर्च हुए. बनारसी साड़ी कोई एक-दो बार ही पहनता है, इसपर हजारों रुपए लगा देना बुद्धिमानी नहीं. इन दिनों व्हाट्सएप पर शादी के कार्ड भेज दिए जाते हैं. यह एक अच्छा चलन है. पैसे ही नहीं, प्रकृति के लिहाज से भी लाभकारी है. हमारी शादी के समय कार्ड पर भी व्यर्थ खर्च होते थे.

वह हल्दी, यह यलो थीम इवेंट

पहले

अब

पिछले दिनों अपनी शादी की सालगिरह पर सोशलमीडिया पर हल्दी रस्म की कुछ प्यारी तस्वीर शेयर करते हुए पत्रकार पूनम पांडे ने रस्म की खूबसूरती से जुड़ी बेहद मीठी बातें शेयर की थीं- "हमारे जमाने में हल्दी की जो रस्म में होती थी उसमें ग्रामीण परंपरा के अनुसार लड़की के माथे पर तेल थोप दिया जाता था, आंख में काजल लगा दिया जाता था और कोई पुरानी साड़ी पहना दी जाता थी (क्योंकि वो साड़ी रस्मोपरांत नाईन को दे दिया जाना था). मेंहदी बस लगवा दी जाती थी. आज की तरह हरियाली या पीली थीम के बारे तो कोई जानता भी नहीं था. मगर हल्दी पर ठिठोली खूब होती थी. हल्दी की होली लोग खेल लेते थे." सच पूछिए तो आधुनिकता की चकाचौंध में रस्मों की एक खूबसूरती ही कहीं खो गई है जब भाभी, दीदी और परिवार की अन्य बड़ी महिलाएं आपस में हंसी ठिठोली करती हुई बेटी को हल्दी लगाते-लगाते एक दूसरे के साथ हल्दी की होली सी खेल लेती थीं. आज यह यलो थीम का इवेंट हो गया है जिसमें हजारों का लहंगा पहनकर भावी दुल्हन बैठती है जिसके ब्यूटीशियन या डर्मेटोलॉजिस्ट के पास प्री वेडिंग सेशंस चल रहे होते हैं. एक टीका भर लगाने की इजाजत होती है, कहीं स्किन नहीं खराब हो जाए. महंगे लहंगे का भी तो ध्यान रखना होता है. सब दर्शक की भांती बैठे रहते हैं और कैमरामैन के निर्देशन में फोटो शूट होता रहता है.

कानून से लगेगी लगाम

जया कुमार
सीनियर
क्रिमिनल एडवोकेट
सिविल कोर्ट धनबाद

भारतीय शादियों में होने वाले भारी भरकम खर्च को कानून के दायरे में लाने और उसे सीमित करने के लिए कई बार प्रयास किए जा चुके हैं और संसद में भी विधेयक पेश किए गए हैं. बिहार की रंजीत रंजन, मुबई उत्तर से गोपाल चिनय्या शेट्टी ने वर्ष 2017 के क्रमशः फरवरी और दिसंबर में इस बाबत निजी विधेयक पेश किया था और शादियों में होने वाले फिजूलखर्चों पर रोकथाम की मांग की थी. जनवरी 2020 में कांग्रेस सांसद जसबीर सिंह गिल द्वारा पेश किया गया प्राइवेट मेंबर बिल शुक्रवार को लोकसभा में चर्चा के लिए सदन के पटल पर रखा गया. पर अब तक इसे कानून का जामा नहीं पहनाया जा सका है.
इन विधेयकों में यह प्रावधान किया गया था कि जो लोग शादी पर 5 लाख रुपए से अधिक खर्च करते हैं, वे इस राशि का 10 प्रतिशत गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी में योगदान करें. शादियों में आमंत्रित किए जाने वाले मेहमानों की संख्या और परोसे जाने वाले व्यंजनों की सीमा तय करने की भी चर्चा की गई है. इसके अलावा नवविवाहितों को उपहारों पर खर्च की जाने वाली राशि की सीमा तय करने का प्रावधान करता है, ताकि फिजूलखर्ची को रोका जा सके.

नई सोच

सृष्टि सिन्हा
लॉ छात्रा

अनंत अंबानी ने पैसा बहाया, वह समर्थ हैं और इस पैसे से मेरे अनुसार कहीं न कहीं भारतीय अर्थव्यवस्था ही दुरुस्त हुई. जहां तक मेरी शादी की बात है, मैं इसमें फिजूलखर्ची बिल्कुल नहीं करना चाहूंगी. मुझे खुद के मामले में कोर्ट मैरिज सर्वश्रेष्ठ विकल्प लगता है. अपनी शादी में सजावट या व्यर्थ के दिखावे में खर्च करने का कहीं से इरादा नहीं.

ये महंगे कार्ड

लोगों को न्यौता देने के लिए कार्ड का चलन नहीं है. लेकिन इस मद में भी अब लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं. पहले लोगों ने चॉकलेट-मिठाई के साथ कार्ड भेजने का रिवाज शुरू किया, फिर इसमें सोने-चांदी के जेवर तक भेजे जाने लगे.

ईशा अंबानी और आनंद पीरामल की शादी का कार्ड भी सुर्खियों में रहा था. मुकेश अंबानी और नीता अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की शादी के कार्ड की कीमत तीन लाख रुपये बताई जाती है. कार्ड एक बॉक्स की तरह था जिसके खुलते ही गायत्री मंत्र बजता था. क्रीम रंग का यह कार्ड फूलों से सजा हुआ था जिस पर ईशा अंबानी और आनंद पीरामल के नाम के शुरुआती अक्षर थे.

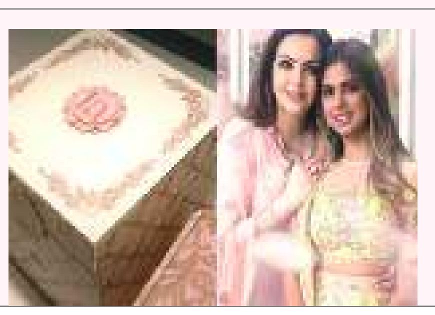

कर्नाटक के पूर्व मंत्री और खनन कारोबारी जी जनार्दन रेड्डी की बेटी ब्राह्मणी रेड्डी की शादी के कार्ड बॉक्स में बंद था. इस कार्ड में एलसीडी स्क्रीन लगवाई गई थी. बॉक्स खोलते ही स्क्रीन पर लिखा आता था- ब्राह्मणी वेड्स राजीव रेड्डी. बॉलीवुड थीम पर बने इस कार्ड में दूल्हा और दुल्हन शरमाते हुए दिखे. करीब एक मिनट के इस वीडियो में आखिर में शादी की तारीख और स्थान बताया गया. बता दें कि साल 2016 में इस शादी में रिपोर्ट्स के मुताबिक, 500 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे.

वहीं सबसे अलग रहा सोनम कपूर की शादी का कार्ड. शादियों में फिजुलखर्ची रोकने के लिए सोनम ने सभी को ई-कार्ड भेजा था.

छोटे-छोटे पॉट में लगाएं- ये टेबल प्लांट

बेशक कंक्रीट के जंगल में हम रहते हैं पर हरियाली को हमारी आंखे तलाशती हैं. आंखों के सुकून के लिए, एक खूबसूरत अहसास के लिए हम छोटे-छोटे पॉट में इन्हें अपने आसपास रख सकते हैं. ऑफ़िस डेस्क हो या घर का सेंटर/कॉफी/डायनिंग/कॉनर टेबल या फिर बुक सेल्फ. या फिर आप खिड़की पर छोटे-छोटे पॉट में रखा जा सकता है. आइए ऐसे ही कुछ टेबल टॉप प्लांट्स के बारे में जाने जिनका रख रखाव अधिक कठीन नहीं.

सिंगोनियम

सिंगोनियम के क़रीब छह से सात शेड आते हैं, जिनमें से पिंक और ग्रीन शेड वाले प्लांट्स की मांग सबसे अधिक है. ये एयर प्यूरीफायर का भी काम करते हैं. इनकी बेहतर ग्रोथ के लिए इन्हें मिट्टी के बजाय ऑर्गैनिक मनुर (खाद) में लगाएं. इससे वजन कम होगा, पौष्टिकता अधिक मिलेगी और पानी अधिक देने की जरूरत नहीं होगी. टेबल पर रखे सिंगोनियम के पौधे को हफ़्ते में केवल एक दिन धूप-पानी देना होगा.

स्नेक प्लांट

माना जाता है कि सैंसेविएरा पौधा रात में ऑक्सीजन रिलीज़ करता है, इसलिए बेडरूम के लिए भी यह बेहतर विकल्प है. इसमें भी रोज़ाना पानी डालने की ज़रूरत नहीं पड़ती. यह गोल्डन और ग्रीन जैसे रंगों वाली पत्तियों में आते हैं.

गोल्डन पोथोस

एयर प्यूरीफायर के रूप में पहचान रखने वाले गोल्डन पोथोस को न तो अधिक पानी चाहिए और न अधिक धूप. इसे हफ़्ते में एक बार धूप दिखाना काफी है. मिट्टी में सूखेपन का अहसास हो तो पानी डाल दें.

फ़िलोडेन्ड्रॉन

बेहद आकर्षक पत्तियों वाले इस पौधे को हल्की धूप की ज़रूरत होती है. यह भी कम पानी पर चलनेवाला पौधा है. जब मिट्टी सूखने लगे तब इसमें पानी डालें. आप बीच-बीच में इसकी पत्तियों को ट्रिम करती रहें.

क्लोरोफ़ायटम

गहरे हरे रंग के पत्तों पर सफेद मार्जिन वाला क्लोरोफायटम एक एयर-प्यूरिफ़ाइंग प्लांट है. धूप-पानी की अधिक दरकार नहीं. हर मौसम में यह सदाबहार रहता है, और यह इसकी बड़ी खासियत है.

ब्लश-ब्लश

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

एक परफ़ेक्ट ब्लश कॉम्पिलिमेंट दिलाने में गजब का माद्दा रखता है. एक नैचुरल फ़्लश आपके चेहरे को शाइनिंग और गर्माहट दिलाता है. हालांकि हर रंग हर किसी को सूट नहीं करता है. स्किन टोन के साथ अच्छी तरह से मेल खानेवाला सही ब्लश ढूंढ़ना एक मुश्क़िल काम होता है. आइए, जाने एक्सपर्ट की राय

लाइट स्किन टोन
कलर: लाइट पीच, पिंक
अंडरटोन यलो है, तो लाइट पीच आपकी स्किन टोन को निखरेगा. कूलर अंडरटोन है, तो लाइट पिंक ब्लश रोज़मर्रा के लुक के लिए एकदम नैचुरल फ़्लश साबित हो सकता है.

ऑलिव स्किन टोन
कलर: बेरीज़, पिंक
कूलर अंडरटोन वालों को बेरी ब्लश की तरफ़ अपने क़दम बढ़ाने चाहिए, जबकि वॉर्मर अंडरटोन पिंक शेड को आज़मा सकते हैं.

मीडियम स्किन टोन
कलर: वॉर्म कोरल, पिंक
कूलर अंडरटोन है तो रिच पिंक ब्लश ट्राय करें. यह आपके गालों को एक उभार देगा और साथ ही एक नैचुरल फ़्लश करेगा. वॉर्मर अंडरटोन के लिए कोरल और पीच के ब्राइटर शेड्स बेहतर विकल्प हैं.

डार्क स्किन टोन
कलर: ब्रिक्स रेड, ऑरेंज, प्लम, बेरी
ब्रिक्स रेड और ऑरेंज वॉर्म स्किन टोन के लिए कॉम्प्लिमेंट का काम करते हैं, जबकि प्लम और बेरी शेड्स कूलर अंडरटोन के लिए बेहतरीन होते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग : खुशबू कुमारी

फुटबॉल : चेल्सी, उडिनेस और अल ऐन की टीम ने अपने-अपने मुकाबले जीते

ईपीएल : कोल पाल्मर के गोल से चेल्सी ने न्यूकासल की टीम को हराया

भाषा । लंदन

कोल पाल्मर ने एक गोल करने के अलावा एक गोल करने में मदद की, जिससे चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में न्यूकासल को 3-2 से हराया. इंग्लैंड के मैनेजर गैरेथ साउथगेट की मौजूदगी में 21 साल के पाल्मर ने चेल्सी के लिए लगातार पांच मैच में गोल करने वाले छठे खिलाड़ी बने. पाल्मर ने 57वें मिनट में गोल दागा जो उनका मौजूदा सत्र का 11वां गोल है. इसके अलावा निकोलस जैकसन (छठे मिनट) और मिखाइलो मुद्रिक (76वें मिनट) ने भी चेल्सी की ओर से गोल किए. न्यूकासल की ओर से एलेक्सांद्र आइसेक (43वें मिनट) और जैकब मर्फी (90वें मिनट) ने गोल दागे. इस नतीजे से 10वें स्थान पर चल रहे न्यूकासल और 11वें स्थान पर चल रहे चेल्सी के बीच चार अंक का अंतर अब सिर्फ एक अंक का रह गया है.

- चेल्सी ने न्यकासल को 3-2 से हराया
- 11 गोल दाग चुके हैं पाल्मर इस सत्र में

21 वर्षीय पाल्मर ने लगातार पांचवें मैच में गोल दागा

उडिनेस ने सिरी ए में लाजियो को हराया, दर्ज की साल की दूसरी जीत

- उडिनेस ने लाजियो को 2-1 से हराया
- निचली लीग में खिसकने से बचा उडिनेस

04 स्थान के फायदे के साथ 13 वें पायदान पर पहुंचा उडिनेस

रोम । उडिनेस ने सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में यहां लाजियो को 2-1 से हराया. उडिनेस की यह साल की सिर्फ दूसरी जीत है, लेकिन इस जीत के बदौलत वह निचली लीग में खिसकने वाली टीमों के समूह से बाहर आ गया है. टीम ने इस साल इससे पहले सिर्फ यूवेंटस को हराया था और संभावित 27 में से सिर्फ सात अंक जुटा पाई थी. इस जीत से उडिनेस चार स्थान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गया है जबकि लाजियो नौवें स्थान पर है. लोरेंजो लुका ने 47वें मिनट में उडिनेस को बढ़त दिलाई लेकिन लाजियो ने दो मिनट बाद लॉटेरो जियानेटी के गोल से बराबरी हासिल की. ओएर जरागा ने 51वें मिनट में उडिनेस को 2-1 की बढ़त दिलाई जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ.

एशियाई चैंपियंस लीग : क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुआ अल नासर

रियाद (सऊदी अरब) । क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल के बावजूद अल नासर की टीम एशियाई चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ बाहर हो गई. संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन के खिलाफ पहले चरण के मुकाबले में 1-0 की हार के बाद अल नासर ने को दूसरे चरण का मुकाबला 4-3 से जीता. कुल स्कोर पर मुकाबला 4-4 से बराबर होने के बाद पेनल्टी शूट आउट में हालांकि अल नासर को 3-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी. शूट आउट में मेजबान टीम की ओर से सिर्फ रोनाल्डो ही गोल कर पाए. रोनाल्डो ने नियमित समय में कई मौके गंवाए. एक बार तो वह सिर्फ दो मीटर की दूरी से गेंद को गोल में डालने में नाकाम रहे, जबकि अल ऐन के गोलकीपर खालिद ईसा मैदान पर गिरे हुए थे. नियमित समय में अल नासर के लिए अब्दुलरहमान घरीब (45 प्लस पांच मिनट), एलेक्स टेलेस (72वें मिनट) और रोनाल्डो (118वें मिनट) ने गोल दागे जबकि खालिद ने 51वें मिनट में आत्मघाती गोल किया. अल ऐन की ओर से सोफियान रहीमी (28वें और 45वें मिनट) और सुल्तान अल शम्सी (103वें मिनट) ने गोल किए.

- पहले चरण में 1-0 से हारी थी अल नासर की टीम
- दूसरे चरण में मुकाबला अल नासर ने 4-3 से जीता

03 -1 से पेनल्टी शूटआउट में हारकर में बाहर हुआ अल नासर

ब्रीफ खबरें

हॉकी रैंकिंग में चौथे स्थान पर खिसका भारत

नयी दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को जारी एफआईएच विश्व रैंकिंग में एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई. हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाली जर्मनी की टीम तीसरे स्थान पर पहुंच गई है. भारत के 2761 रैंकिंग अंक हैं. उसने पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक में जगह बना दी थी और इस कारण ओलंपिक क्वालीफायर्स में हिस्सा नहीं लिया. जर्मनी ने 2786 अंक के साथ भारत को पीछे छोड़ा.

शबीर व तेनजिन ने जीता स्नो मैराथन

कुल्लू (हिमाचल) । लद्दाख स्काउट के शबीर हुसैन और स्थानीय दावेदार तेनजिन डोल्मा ने रविवार को यहां तीसरी स्नो मैराथन का क्रमशः पुरुष और महिला पूर्ण मैराथन (42 किमी) का खिताब जीता. कोर्स पर बर्फ और शून्य से कम तापमान के बीच 200 से अधिक प्रतिभागियों ने इस स्नो मैराथन में हिस्सा लिया. नियमित आयोजन स्थल पर भारी हिमस्खलन के कारण मैराथन को सिस्सू से मनाली के जना झरना मार्ग पर स्थानांतरित करना पड़ा. मैराथन में अमेरिका, रूस और इथोपिया के धावकों ने भी हिस्सा लिया.

राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन की मेजबानी करेगा जमशेदपुर

जमशेदपुर । राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 19 मार्च से जमशेदपुर में होगा. भारत के 300 से अधिक पैरा खिलाड़ी इस चार दिवसीय राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेंगे. इस प्रतियोगिता में तोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता ओडिशा के प्रमोद भगत और राजस्थान के कृष्णा नागर के अलावा कई प्रमुख खिलाड़ी भाग लेंगे. इसमें तोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले सुहास एल यतिराज के भी भाग लेने की भी संभावना है.

रणजी ट्रॉफी फाइनल : विदर्भ की टीम को मिला 538 रन का विशाल लक्ष्य

मुंबई ने तीसरे दिन कसा शिकंजा

भाषा । मुंबई

युवा मुशीर खान (136) के शतक के अलावा श्रेयस अय्यर और कप्तान अजिंक्य रहाणे के अर्धशतकों से मुंबई ने रणजी ट्रॉफी फाइनल अपना पलड़ा भारी रखा है. मुंबई ने विदर्भ को 538 रन का लक्ष्य दिया है. दिन का खेल खत्म होने तक विदर्भ ने बिना विकेट खोए 10 रन बना लिए हैं. ध्रुव शोरे सात जबकि अथर्व ताइडे तीन रन बनाकर खेल रहे है. टीम को जीत के लिए 528 रन और बनाने हैं. मुंबई ने 538 रन का लक्ष्य देकर अपना 42वां रणजी खिताब जीतने का दावा मजबूत कर दिया है. मुंबई के बल्लेबाजों ने दूसरे दिन सतर्क रवैया अपनाया था लेकिन मंगलवार को उसके बल्लेबाज अधिक स्वच्छंद होकर खेले और टीम ने दूसरी पारी में 418 रन बनाए. मुंबई के पहली पारी के 224 रन के जवाब में विदर्भ की टीम पहली पारी में 105 रन ही बना सकी थी और 119 रन से पिछड़ गई थी. मुंबई ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 141 रन से की. रहाणे ने 58 रन से आगे खेलते हुए चौका जड़ा लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे (144 रन पर पांच विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर अक्षय वाडकर को कैच दे बैठे. उन्होंने 143 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा. मुंबई के निचले क्रम के बल्लेबाज अधिक समय नहीं टिक सके लेकिन शम्स मुलानी ने 85 गेंद में छह चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेलकर टीम की बढ़त को 500 रन के पार पहुंचाया.

136 रन बनाए मुशीर खान ने

शतक से चूके श्रेयस अय्यर, 95 रन बनाए

मुंबई के लिए अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी की. अय्यर ने टीम के लिए महत्वपूर्ण 95 रन बनाए. अय्यर ने शुरुआत से ही आक्रामक

रवैया अपनाया. उन्होंने तेज गेंदबाज आदित्य ठाकरे पर छक्के से शुरुआत की और 111 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके और तीन छक्के मारे. उन्होंने मुशीर के साथ चौथे विकेट के लिए 256 गेंद में 168 रन की साझेदारी भी की. अय्यर हालांकि शतक से सिर्फ पांच रन से चूक गए जब उन्होंने आदित्य ठाकरे (39 रन पर एक विकेट) की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉग ऑन पर अमन मोखाडे को कैच थमाया.

मैच देखने के लिए पहुंचे तेंदुलकर व रोहित

घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को सचिन तेंदुलकर औव रोहित शर्मा फाइनल मुकाबला देखने के लिए वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे.

रोहित मुंबई के ड्रेसिंग रूम में गए तथा इस बीच उन्होंने शार्दुल ठाकुर सहित मुंबई के अपने साथियों के साथ बातचीत की. उनके हाथ में फोन था और उन्होंने टीम का हिस्सा नहीं होने के बावजूद फोन लेकर ड्रेसिंग रूम में कैसे प्रवेश किया यह बड़ा सवाल है. इससे पहले सुबह के सत्र में तेंदुलकर ने एमसीए प्रेसिडेंट बॉक्स में बैठकर खेल का आनंद लिया. तेंदुलकर के साथ पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर, सुब्रत बनर्जी और चंद्रकांत पंडित भी बैठे हुए थे.

खाली हाथ लौटा भारत

ओलंपिक क्वालीफायर
क्वाफा में हारे निशांत देव

भाषा । बुस्तो अर्सिजियो (इटली)

पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर से सभी भारतीय मुक्केबाजी खाली हाथ लौटे. निशांत देव 71 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने से चूक गए. निशांत को लाइट मिडिलवेट वर्ग के क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अमेरिका के ओमारी जोन्स के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा. विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत अगर अंतिम आठ चरण का मुकाबला जीत लेते तो पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लेते. यहां हिस्सा ले रहे नौ भारतीय मुक्केबाजों में से कोई भी मुक्केबाजी में देश के चार ओलंपिक कोटा में इजाफा नहीं कर पाया.

एशियाई खेल और पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के रूप में दो क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट खत्म होने के बाद भी कोई भारतीय पुरुष मुक्केबाज ओलंपिक में जगह नहीं बना पाया है. भारत ने अपने चारों ओलंपिक कोटा महिला वर्ग में हासिल किए हैं. दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुड्डा (57 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ओलंपिक कोटा हासिल कर चुकी हैं. भारतीय मुक्केबाजों को 23 मई से तीन जून तक बैंकॉक में होने वाले दूसरे विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर से पेरिस की टिकट कटाने का अंतिम मौका मिलेगा. इस प्रतियोगिता से 45 से 51 मुक्केबाजों के पास पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा. भारत के नौ मुक्केबाजों ने तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था जिसमें सिर्फ लवलीना (कांस्य) पदक जीत पाईं थी.

खास बातें

- क्वार्टर फाइनल में ओमीरी जोन्स से हारे निशांत
- 23 मई से बैंकॉक में होगा अंतिम क्वालीफायर का आयोजन

बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट

लुका नार्डी ने किया उलटफेर

भाषा । इंडियन वेल्स (अमेरिका)

लुका नार्डी ने अपने बचपन के आदर्श और शीर्ष वरीय नोवाक जोकोविच को बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हराकर उलटफेर किया. तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में दुनिया के 123वें नंबर के खिलाड़ी नार्डी ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच को 6-4, 3-6, 6-3 से हराया. . इटली के 20 साल के नार्डी ने ऐस के साथ जीत दर्ज की. उन्होंने 'लकी लूजर' के रूप में टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी. लकी लूजर वह खिलाड़ी होता है जो क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में हार जाता है लेकिन पहले दौर से पूर्व हटने

वाले चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर उसे मौका मिलता है. नार्डी ने मुख्य ड्रॉ में दुनिया के 30वें नंबर के खिलाड़ी टॉमस मार्टिन एचवेरी की जगह ली थी और उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी. नार्डी ग्रैंडस्लैम या एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर के टूर्नामेंट में जोकोविच को हराने वाले सबसे अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं. इससे पहले 2008 में मियामी में दुनिया के 122वें नंबर के खिलाड़ी केविन एंडरसन ने जोकोविच को हराया था.

प्री क्वार्टर फाइनल में गॉफ : महिला एकल में कोको गॉफ ने लूसिया ब्रोनजेटी को सीधे सेट में हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. गॉफ ने लूसिया के खिलाफ 6-2, 7-6 से जीत दर्ज की. उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक प्वाइंट बचाए. इस जीत के साथ अमेरिका में गॉफ की जीत का क्रम 18 मैच तक पहुंच गया है .

यशस्वी जायसवाल बने प्लेयर ऑफ द मंथ

भाषा । दुबई

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद मंगलवार को फरवरी के लिए आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए चुना गया. 22 साल के जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की इस श्रृंखला में 712 रन बनाए, जो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है. उन्होंने इस दौरान दो दोहरे शतक और तीन अर्धशतक लगाकर भारत को 4-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. जायसवाल ने विशाखापत्तनम में 219 रन की पारी खेलने के बाद राजकोट में नाबाद 214 रन बनाये थे. बाईस वर्ष 49 दिन की उम्र में लगातार दो दोहरे शतक जड़ने वाले वह डॉन ब्रैडमैन और विनोद कांबली के बाद दुनिया के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने. उन्होंने फरवरी के महीने में तीन टेस्ट मैचों में 112 की औसत से 560 रन बनाये जिसमें 20 छक्के शामिल थे. जायसवाल ने न्यूजीलैंड के दिग्गज केन विलियमसन और श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका को पछाड़ते हुए यह पुरस्कार जीता.

फरवरी में जायसवाल का प्रदर्शन

टेस्ट मैच	03
रन	560
औसत	112

आईसीसी पुरस्कार

- जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में बनाए थे 712 रन
- श्रृंखला में जायसवाल ने जड़े थे दो दोहरे शतक

आईसीसी पुरस्कार हासिल करके वास्तव में खुश हूं और उम्मीद है कि भविष्य में मुझे और पुरस्कार मिलेंगे
- यशस्वी जायसवाल

वापसी दिल्ली के कप्तान के रूप में हो सकती वापसी, टी-20 विश्व कप टीम में भी मिल सकती है जगह

आईपीएल के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पंत फिट घोषित

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को ऋषभ पंत को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया. इससे टी-20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी की उनकी संभावना भी बढ़ गई. पंत को 14 महीने पहले एक दर्दनाक कार दुर्घटना में काफी चोटें लगी थी. पंत आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के रूप में वापसी करेंगे और विस्तृत रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद 22 मार्च से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में दोहरी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं.

14 महीने पहले कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हुए थे ऋषभ पंत

इससे लीग में उनकी भूमिका को लेकर लग रही अटकलों पर भी विराम लग गया है.

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि भीषण सड़क दुर्घटना में चोटिल होने के बाद 14 महीने के विस्तृत रिहैबिलिटेशन और उबरने की प्रक्रिया से गुजरने के बाद ऋषभ पंत को आगामी आईपीएल के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में फिट घोषित किया गया है. टी-20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है.

पंत ने कहा था- निर्धारित समय से पहले फिट होकर दिखाऊंगा

कुछ हफ्ते पहले पंत ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से बात करते हुए कहा था कि उन्हें याद है कि उन्होंने अपने डॉक्टर को कहा था कि वह उनके उबरने के लिए जो भी समय देंगे वह उसमें कम से कम छह महीने की कटौती कर देंगे. पंत ने तब कहा था कि मैंने डॉक्टर से पूछा कि मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा. मैंने उनसे कहा कि हर कोई अलग-अलग बातें बोल रहा है लेकिन आप मुझे इसके बारे में सबसे अधिक स्पष्टता देंगे. उन्होंने (डॉक्टर) कहा कि इसमें 16 से 18 महीने लगेंगे. मैंने डॉक्टर से कहा कि आप मुझे जो भी समयसीमा देंगे मैं उसमें से छह महीने कम कर दूंगा. राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने उन्हें एक हफ्ते पहले फिट घोषित किया था जब उन्होंने 'खेलने के लिए वापसी' से जुड़े सभी फिटनेस परीक्षण पास किए थे. यह पता चला है कि उन्होंने एनसीए द्वारा तैयार मैच जैसी स्थिति में लंबे समय तक बल्लेबाजी की और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने लंबे समय तक विकेटकीपिंग भी की. ऐसी अटकलें थीं कि वह आईपीएल में केवल 'इम्पैक्ट प्लेयर' या बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं.

आईपीएल पर निभर करेगा विश्व कप में खेलना

पंत अगर आईपीएल में विकेटकीपर-बल्लेबाज के रुप में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनके पास टी-20 विश्व कप खेलने का अच्छा मौका होगा. पंत के लिए आईपीएल का प्रदर्शन महत्वपूर्ण होगा क्योंकि आईपीएल के प्रदर्शन पर ही उनका चयन टी-20 विश्व कप टीम में होगा. पंत पिछले साल आईपीएल नीलामी के दौरान कैपिटल्स के अधिकारियों के साथ मौजूद थे और दुर्घटना के बाद से वह एनसीए में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं. दुर्घटना में पंत के दाहिने घुटने में गंभीर चोट लग गई थी जिसके कारण कलाई और टखने में फ्रैक्चर के अलावा उन्हें लिगामेंट की सर्जरी करानी पड़ी. बीसीसीआई ने पीटीआई की पिछले महीने की इस खबर की भी पुष्टि की कि गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एड़ी की सर्जरी के कारण आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे. उनके इस साल सितंबर से पहले वापसी की उम्मीद नहीं है.

बीच मुकाबले में यिवोनी ली के हटने से सिंधू दूसरे दौर में

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप

भाषा । बर्मिंघम

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारत की पीवी सिंधू ने मंगलवार को यहां जर्मनी की यिवोनी ली के पहले दौर के मुकाबले के बीच से हटने पर ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई. पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने पहला गेम 21-10 से जीता जिसके बाद दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी ली ने मुकाबले से हटने का फैसला किया.

हैदराबाद की 28 साल की सिंधू अगले दौर में कोरिया की शीर्ष वरीय आन से यंग से भिड़ेंगी, जिनके खिलाफ उन्होंने अब तक सभी छह मुकाबले गंवाए हैं. सिंधू दुनिया की नंबर एक कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सिर्फ एक बार गेम जीतने में सफल रही हैं और उन्होंने पिछले साल दुबई में एशियाई चैंपियनशिप के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछली बार हुए मुकाबले में ऐसा किया था. दाएं घुटने की चोट से उबर रहीं आन से ने रविवार को फ्रेंच ओपन के रूप में सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता था.

बैडमिंटन टूर्नामेंट

- सिंधू के पहले गेम जीतने के ली ने हटने का फैसला किया
- अगले दौर में आन से यंग से भिड़ेंगी पीवी सिंधू

फरवरी में झारखंड की राजनीति काफी गर्म रही. राज्य के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन जेल गये. चंपाई सोरेन नए सीएम बने. कैबिनेट का विस्तार हुआ. कांग्रेसी विधायकों का विरोध सामने आया. इन सब मामलों को लेकर प्रदेश भाजपा झामुमो-कांग्रेस और राजद गठबंधन पर हमलावर रही. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और विधायक दल के नेता अमर बाउरी सत्ता पक्ष के नेताओं पर निशाने साधते रहे. इस बीच जेएसएससी पेपर लीक का मुद्दा भाजपा को मिल गया. मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा ने सड़क से सदन तक प्रदर्शन किया. पढ़िये फरवरी में बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी के दिये गये 15 बयान.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने कहा

झारखंड सरकार का खाओ पकाओ बजट कांग्रेस केवल सत्ता की भूखी पार्टी

27 फरवरी : झारखंड सरकार खाओ- पकाओ बजट लायी है. यह बजट लूट-खसोट की योजनाओं की केवल कॉपी पेस्ट है.यह किसानों के लिए केवल छलावा है. बजट अदूरदर्शी सोच वाला और विकास विरोधी है. इसमें दूरगामी सोच वाले लोक कल्याणकारी योजनाओं का समावेश नहीं है. केवल लूट खसोट की योजनाओं की कॉपी पेस्ट करते हुए ऑफिसर्स के लिए लूट के रास्ते को खुला रखा गया है.

26 फरवरी : कांग्रेस पार्टी केवल सत्ता की भूखी पार्टी है. मधु कोड़ा के नेतृत्व में सरकार बनाकर कांग्रेस ने सारा मधु चट कर जाने के बाद गरीब आदिवासी कोड़ा को खाने के लिए छोड़ दिया. पहले शिबू सोरेन, लालू प्रसाद यादव,अहमद पटेल ने मिलकर आदिवासियों की जल जंगल जमीन को लूटा, फिर मधु कोड़ा को फंसाकर छोड़ दिया. आज भी मधु कोड़ा की गिरफ्तारी के दौरान झारखंड भवन में मिले गोपनीय कागजात तथा बरामद गाड़ी में कांग्रेस और राजद के नेताओं के लूट में संलिप्तता के प्रमाण हैं, जिसे जनता के बीच उजागर होना चाहिए.

22 फरवरी : कपिल सिब्बल गरीब, आदिवासी और दलित समाज के हितैषी बनने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं. अगर ऐसा है तो क्या वे रूबिका पहाड़न, उमेश कच्छप और दारोगा संध्या टोप्पो का केस भी बिना किसी फीस के लड़ेंगे.

21 फरवरी : भाजपा के सभी कार्यकर्ता लाभार्थी संपर्क अभियान को सफल बनाने में पूरी ताकत झोंक दें. एक-एक लाभार्थी से मिल कर पीएम मोदी के संदेश को पहुंचाएं. हमें फिर से मोदी सरकार बनाने के लिए और रिकॉर्ड मतों से जीतने के लिए जमीनी स्तर पर तैयारी करनी होगी.

15 फरवरी : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के खान, खनिज, बालू, पत्थर सब को लूटा है. बिचौलियों को खुली छूट मिल गई है. जब इससे भी जी नहीं भरा तो उन्होंने बेरोजगार युवाओं की नौकरी बेच दी. बिचौलिये के चैट ने पूरा इतिहास-भूगोल बता दिया है. हेमंत सोरेन को उनके किये का परिणाम भुगतना पड़ रहा है.

13 फरवरी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देश के लगभग सभी घरों को केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का कार्य किया है. झारखंड में भाजपा कार्यकर्ता 30 लाख लाभार्थियों के घरों तक जनसंपर्क करेंगे और उनसे फिडबैक लेंगे.

7 फरवरी : जेएसएससी की परीक्षा की तिथि घोषणा से 2-3 दिन पहले से ही 35 लाख से लेकर 50 लाख तक में सीट बेची जा रही थी. यह सरकार सिर्फ बच्चों, नवजवानों का भविष्य ही नहीं, झारखंड का भी भविष्य बर्बाद करने में लगी है. राज्य सरकार के संरक्षण में जेएसएससी के कुकर्म की सजा युवा ही नहीं, पूरा प्रदेश भुगत रहा है.

लालू, शिबू और अहमद पटेल ने मिलकर जल, जंगल और जमीन को लूटा

आदिवासी बहुल राज्य झारखंड और छत्तीसगढ़ का निर्माण भाजपा ने किया

3 फरवरी : आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू को भाजपा ने राष्ट्रपति बनाया, लेकिन कांग्रेस ने उनका भी विरोध किया. आजादी के बाद पांच दशकों तक आदिवासी समाज झारखंड राज्य के निर्माण की मांग करता रहा, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी नजरअंदाज किया. भाजपा ने आदिवासी बहुल राज्य झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया. जनजातीय कल्याण मंत्रालय का गठन किया. भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को भाजपा ने जनजातीय गौरव दिवस का दर्जा दिया. विकसित भारत के निर्माण में हमारा आदिवासी समाज कदम से कदम मिलाकर पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के नवनिर्माण में लगा हुआ है.

2 फरवरी : कांग्रेस हमेशा भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का खेल खेलती रही है, चंपई सोरेन को कांग्रेस से सावधान रहने की जरूरत है. चंपई आंदोलनकारी रहे हैं, इसलिए उन्हें अपनी सोच-समझ से काम करना चाहिए. कांग्रेस के साथ की वजह से ऐसा लगता है कि यह सरकार पिछली सरकार की तरह ही तुष्टीकरण के एजेंडे को लागू करने के लिए बनी है.

बाउरी ने झामुमो, कांग्रेस, राजद पर साधा निशाना

इनके आगे शर्म भी शर्मिंदा, कांग्रेस को तो बाबा साहेब के जिक्र का हक नहीं

29 फरवरी : कांग्रेसियों को यह हक भी नहीं कि वह बाबासाहेब के नाम का जिक्र भी करें. हम तो बाबा साहब को जीने वाले लोग हैं. बाबा साहब को अपमानित करने का चरित्र कांग्रेस का है. वोटबैंक की राजनीति करने वाली कांग्रेस भूल जाती है कि बाबा साहब संसद में न पहुंच सकें, इसके लिए कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी.

27 फरवरी : जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में अभी तक सत्ता पक्ष ने सीबीआई जांच की अनुशंसा का कोई आश्वासन सदन के माध्यम से नहीं दिया है. यदि इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से करवाई जाती है तो दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा और झारखंड के युवाओं को न्याय भी मिल सकेगा, लेकिन सरकार इस मामले में सीबीआई जांच न करवा कर झारखंड के युवाओं को न्याय से कोसों दूर कर रही हैं. यदि इस मामले की जांच सीबीआई से नहीं कराई जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होगी.

23 फरवरी : रामगढ़ में दलित युवक अनिकेत कुमार की पुलिस हिरासत में संदिग्ध मौत हुई है. अगर दलित परिवार को न्याय नहीं मिला तो इस मामले में हम सड़क से लेकर सदन तक चंपाई सोरेन सरकार को घेरेंगे. राज्य सरकार के नियम के अनुसार पीड़ित परिवार को तत्काल 15 लाख रुपया मुआवजा, परिवार को आवास और भूमिहीन होने के कारण पीड़ित परिवार को जमीन दे.

19 फरवरी : झामुमो-कांग्रेस-राजद के आगे शर्म भी शर्मिंदा है. आदिवासी समाज को लेकर इनकी नीति और नीयत कितनी दोगली है वह इस बात से समझिये कि बंगाल के संदेशखाली में आदिवासी समाज की महिलाओं से इनके गठबंधन द्वारा पोषित वर्ग विशेष के व्यक्ति द्वारा शोषण-हत्या-बलात्कार की दर्जनों घटना सामने आयी है, लेकिन झामुमो-कांग्रेस-राजद के तथाकथित आदिवासी हितैषी लोगों के मुख से एक शब्द नहीं निकला.

16 फरवरी : राज्य की विडंबना है कि मंत्रियों के शपथ ग्रहण के ठीक पहले बैद्यनाथ राम का नाम आखिरी समय में काटा गया. जबकि बैद्यनाथ राम का नाम राजभवन को भेजी गयी सूची में शामिल था. झारखंड के 50 लाख की आबादी वाले अनुसूचित जाति समाज को ठगबंधन सरकार के द्वारा एक और ठगी-धोखा का सामना करना पड़ा है.

12 फरवरी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल में जिन जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश भर के 7 करोड़ लाभार्थियों को मिला है वैसे लाभार्थियों के साथ संपर्क स्थापित करने का एक अभियान शुरू किया जा रहा है. पीएम की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसका प्रयास अभियान के माध्यम से किया जाएगा, ताकि एक बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में भाजपा की सरकार का गठन हो और 400 से ज्यादा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को जीत हासिल हो.

फरवरी महीने में झारखंड का राजनीतिक पारा चढ़ा रहा. पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद झामुमो के सामने फिर से सरकार बनाने और विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती थी. दो फरवरी को चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. इसके बाद वे लगातार हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर हमलावर रहे. ईडी पर भी आरोप लगाये. इस दौरान उन्होंने हेमंत सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना का कई जिलों में शुभारंभ किया. झामुमो के प्रदेश महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भी भाजपा और ईडी पर हमले करते रहे.
पढ़िये फरवरी में चंपाई और सुप्रियो के दिये 24 बयान

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा

हेमंत पर कार्रवाई दुर्भावना से प्रेरित, वह झुक जाते तो न जांच होती न कार्रवाई

29 फरवरी : झारखंड सरकार की 'मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय' में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ये स्कूल हमारे सरकार के उस संकल्प का हिस्सा हैं, जिसके तहत परिवार की आर्थिक स्थिति प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा नहीं बनती. अगर आपके परिवार या आस-पड़ोस में कोई प्रतिभाशाली विद्यार्थी हो, जो अंग्रेजी माध्यम से, अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करना चाहता हो, तो उन्हें नजदीकी सीएम उत्कृष्ट विद्यालय में आवेदन करने को कहिए.

28 फरवरी : याद रखियेगा, जब इस देश में सरकारें अपने व्यापारी दोस्तों के लाखों करोड़ के ऋण माफ करने को प्राथमिकता बना चुकी हों, किसानों के आंदोलन को कुचलने के लिए देश के भीतर रणभूमि जैसा माहौल बनाया जा रहा हो, उस दौर में भी, एक ऐसी राज्य सरकार है, जो अपने किसान साथियों का कर्ज माफ कर रही है.

27 फरवरी : झारखंड सरकार का बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ राज्य के गरीब, वंचित, युवा, महिला, किसान समेत सभी वर्गों के लिए बेहतर भविष्य की संरचना तैयार करेगा. राज्य में टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना, लाखों परिवारों को पेयजल योजना से जोड़ना, आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास करना तथा गर्भवती महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ कर, हम राज्य के लाखों गरीब परिवारों का जीवन बेहतर बना पाएंगे.

26 फरवरी : झारखंड को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना एवं आदिवासियों, मूलवासियों समेत सभी भूमिपुत्रों के जीवन स्तर को बेहतर करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है. केन्द्र सरकार द्वारा जनकल्याण की योजनाओं से पीछे हटने के बाद, हमारी सरकार सर्वजन पेंशन, ग्रीन कार्ड व अबुआ आवास जैसी योजनाएं लेकर आई है.

25 फरवरी : 2019 से पहले भाजपा की सरकार ने 5 हजार से अधिक प्राइमरी स्कूलों को बंद कर दिया था, ताकि बच्चे पढ़ न सकें. वहीं हमारी सरकार ने छात्रवृत्ति की राशि 2 से 3 गुना बढ़ा दी, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना द्वारा बेटियों को शिक्षा से जोड़ा गया, गरीब के बच्चों को विदेशों में उच्च शिक्षा का अवसर मिला तथा सरकारी स्कूल के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के उद्देश्य से सीएम उत्कृष्ट विद्यालय का शुभारंभ किया गया.

25 फरवरी : हेमंत सोरेन अगर विपक्ष की बात मान लेते, उनके सामने झुक जाते तो उनके खिलाफ न कोई जांच होती, न ही कार्रवाई. भानु प्रताप शाही से लेकर अजित पवार, छगन भुजबल एवं हिमंता बिस्वा सरमा तक, इसके कई उदाहरण हैं. अगर ये एजेंसियां वाकई आदिवासियों की जमीन को लेकर गंभीर हैं तो रांची जैसे कई शहर हमारी जमीनों पर बसे हैं. आइये, जांच कीजिए और हमारी जमीनें, हमारे जंगल लौटा दीजिए, इन शहरों को फिर से हरा भरा बना दीजिए.

23 फरवरी : अबुआ आवास योजना में लाभुकों की शिकायत पर हजारीबाग जिला प्रशासन ने मुखिया पर प्राथमिकी दर्ज करवाई. बरियातु पंचायत मुखिया के सभी वित्तीय अधिकार समाप्त करने का निर्देश दिया गया. इस योजना से जुड़ी शिकायतों पर किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा. अबुआ आवास योजना का लाभ सिर्फ जरूरतमंदों को मिलेगा और अगर कोई भी सरकारी अधिकारी इसमें गड़बड़ी करने का प्रयास करता हुआ पाया गया, तो उस पर भी कार्रवाई होगी.

21 फरवरी : झारखंड के ग्रामीण एवं जंगल से सटे क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को सुधारने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना लेकर आई है, जिसके तहत छात्र, बुजुर्ग एवं दिव्यांग साथी मुफ्त यात्रा कर सकेंगे. ग्रामीण क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी से ना सिर्फ विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के विकास की रफ्तार भी तेज होगी.

20 फरवरी : झारखंड में अभी पहले चरण के अंतर्गत दो लाख परिवारों को अबुआ आवास योजना का लाभ देने की प्रक्रिया चल रही है. इसके बाद, तीन महीनों के भीतर नौ लाख परिवारों को इसी योजना के तहत, तीन कमरों का मकान मिलेगा. हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि 2027 तक हर जरूरतमंद परिवार को इसका लाभ मिले.

19 फरवरी : पिछले चार वर्षों से हमारी सरकार झारखंड के हर जरूरतमंद को आवास, पेंशन, राशन, कपड़े, शिक्षा, छात्रवृति एवं अन्य योजनाओं से जोड़ कर, उनके जीवन में बदलाव लाने का प्रयास कर रही है. हम खनिज संपदा के मामले में "अमीर" इस राज्य के उन गरीबों, आदिवासियों, मूलवासियों एवं आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का काम कर रहे हैं, जिन्होंने झारखंड राज्य के साथ, अपने बेहतर भविष्य का सपना देखा था.

16 फरवरी : सत्ता हमारे लिए फूलों का ताज नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों से भरी एक पथरीली डगर है, जिसके हर कदम पर कोशिश रहती है कि हर उस घर में दीया जलाया जाये, जहां सदियों से अंधेरा है. प्रदेश के हर आम आदमी के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाये, ताकि वे खुद को राज्य की विकास यात्रा का हिस्सा मानें.

15 फरवरी : झारखंड में सभी महिलाओं एवं एससी- एसटी वर्ग के पुरुषों के लिए पेंशन की उम्र सीमा घटा कर 50 वर्ष कर दी गई है. हमारा प्रयास है कि ये लोग बिना किसी पर निर्भर हुए सम्मानजनक जीवन जी सकें. आगामी 20 फरवरी से राज्य भर में अभियान चला कर, ऐसे आवेदकों को सर्वजन पेंशन योजना से जोड़ा जायेगा.

14 फरवरी : झारखंड में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ठोस करने के लिए हमारी सरकार जरूरी कदम उठाएगी. हेमन्त बाबू द्वारा शुरू की गई योजनाओं को तेज गति से लागू करना हमारी प्राथमिकता होगी. हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि यहां काम करने वाली कंपनियां स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़े.

13 फरवरी : आधी आबादी के बिना झारखंड के विकास की कल्पना करना भी मुश्किल है. हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं. इन महिला सखी मंडलों की सहायता से राज्य की लाखों महिलाओं के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव हो रहा है, उसका परिणाम न सिर्फ इनके जीवन में, बल्कि अगली पीढ़ी में भी परिलक्षित होगा.

11 फरवरी : झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ नहीं दे रही केंद्र सरकार ना तो पेंशन के लिए सहयोग करती है, न ही राशन के लिए, इसलिए हमें सर्वजन पेंशन योजना और ग्रीन कार्ड लाना पड़ा. पीएम आवास पर जब उन्होंने मना कर दिया तो हमें अबुआ आवास योजना लाना पड़ा. राज्य की जनता के हक एवं अधिकार के लिए विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का अभियान जारी रहेगा.

10 फरवरी : झारखंड के कई जिलों में अबुआ आवास योजना के तहत मकान का आवंटन हो रहा है. अगर आपका नाम सूची में न मिले, तो चिंता की कोई बात नहीं है. अभी योजना का फेज वन चल रहा है, इसके बाद कई फेज में 20 लाख परिवारों को आवास मिलेगा. साल 2027 तक राज्य में कोई परिवार आवास विहीन नहीं रहेगा.

8 फरवरी : झारखंड में बिजली उपभोक्ताओं को पहले से मिल रही 100 यूनिट की जगह 125 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाने की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिया है. ऊर्जा विभाग को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया है.

7 फरवरी : पिछले दिनों हुई जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के आरोपों की जांच कर के, इस मामले में संलिप्त अभियुक्तों की जल्द शिनाख्त कर गिरफ्तारी का आदेश दिया गया है. इसके लिए सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई है. ऐसे मामलों में किसी आरोपी को बख्शा नहीं जायेगा.

6 फरवरी : केंद्रीय एजेंसियों के काम करने का तरीका देखिए, भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही पर ईडी ने चार्जशीट फाइल किया, उनकी सात करोड़ की संपत्ति जब्त की गई, हाईकोर्ट ने भी उनको राहत देने से इंकार कर दिया, लेकिन वे सदन में बैठे हुये हैं. दूसरी ओर एक आदिवासी सीएम को साजिश कर के फंसाया गया.

4 फरवरी : हेमंत सोरेन ने जो दीया जलाया है, किसी भी कीमत पर उसे बुझने नहीं देंगे. आप हजार साजिशें कर लो, लेकिन हमारी सरकार झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों एवं आम झारखंडियों के हित में काम करती रहेगी.

3 फरवरी : झूठ और जालसाजी कर भाजपा ने हमारे योद्धा हेमंत सोरेन के खिलाफ षड्यंत्र किया. झारखंडी और आदिवासी विरोधी भाजपा के अति का अंत होगा, और वह अंत भी प्रलयंकारी होगा.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा को आड़े हाथों लिया

भाजपा ने 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा दिया और अब वह 'कांग्रेस युक्त बीजेपी' है

21 फरवरी : भाजपा को यह बताना चाहिए कि काले धन के जरिए उसके खाते में आए 6500 करोड़ रुपए पर इलेक्शन कमीशन और ईडी ने क्या कदम उठाए. यह देश की जनता जानना चाहती है. यह देश के सामने भी स्पष्ट हो गया, ये दोनों एजेसियां कैसे और किसके इशारे पर काम रही है.

19 फरवरी- बीते 10 साल में ऐसे कम से कम 740 विधायक और सांसद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं, जिनके खिलाफ केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे. जो नेता भाजपा में शामिल हुए हैं उनमें ज्यादातर कांग्रेस से हैं और इन पर बीजेपी ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे. ये लोग अब उनके पसंदीदा हैं. बीजेपी ने कभी 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा दिया था और अब वह 'कांग्रेस युक्त बीजेपी'है.

12 फरवरी : हेमंत सोरेन को ईडी अपनी हिरासत में अमानवीय परिस्थिति में रखे हुए है. दूसरी ओर हेमंत की पेशी के दौरान लगातार मीडिया ट्रायल भी किया जा रहा है. ईडी हेमंत को 13 दिनों की रिमांड पर ले चुकी है. नेता से इतना खौफ है कि उन्हें तहखाने में रखा गया है, ताकि घुट कर मर जाएं, रोशनी में मत रखो, ताकि वह अंधा हो जाएं. आवाज न आए, ताकि उनके सुनने की क्षमता खत्म हो जाए. इस अमानवीय परिस्थिति में उनको रखा गया है. झारखंड में अभी सरकार को अस्थिर करने के प्रयास किये जा रहे हैं. अब हम मुकाबला करेंगे.

7 फरवरी : देश के प्रधानमंत्री ने पहले लोकसभा और अब राज्यसभा में कई बातें कहीं. जिसमें पहला अबकी बार, 400 के पार. मजे की बात यह है कि देश अभी जिस दौर से गुजर रहा है. यह किसी से छिपी नहीं है. चारो ओर संघर्ष ही संघर्ष नजर आ रहा है. प्रधानमंत्री का यह बयान एक बड़ी सोच और साजिश की ओर बहुत कुछ इशारा कर रहा है. वह सोच है भारत में लोकतंत्र को समाप्त करना. इसकी पुष्टि खुद भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने चंढ़ीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर कर दी है.

लेखा-जोखा : फरवरी में कांग्रेस में मची रही उथल-पुथल, फिर भी तेवर कड़े

गीता कोड़ा के भाजपा में जाने से कांग्रेस को फायदा होगा : राजेश ठाकुर

फरवरी में प्रदेश में झामुमो की सहयोगी कांग्रेस पार्टी में उथल-पुथल मची रही. हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद चंपाई सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया. सरकार बनने तक कांग्रेस के विधायक एकजुट रहे, लेकिन मंत्रिमंडल बंटवारे के समय कांग्रेस का कलह खुलकर सामने आ गया. हेमंत सरकार में रहे कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को रिपीट नहीं करने की मांग को लेकर कांग्रेस के विक्षुब्ध विधायक नाराजगी जताते रहे, लेकिन जब कहीं फरियाद नहीं सुनी गई तो आखिर में मान गये. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और विधायक दल के नेता आलमगीर आलम संकट के समय मजबूती के साथ झामुमो के साथ खड़े थे. दोनों नेता भाजपा पर हमले करते रहे. पढ़िये राजेश ठाकुर और आलमगीर आलम के फरवरी में दिये सात बयान.

जब चौकीदार चोर बन जाता है, तो अपने ही लोगों से सावधान रहना पड़ता है

28 फरवरी : सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा के भाजपा में जाने से कांग्रेस को फायदा ही होगा, क्योंकि उन्होंने समय से पहले पार्टी छोड़ दी. अगर वे ऐसा नहीं करतीं और लोकसभा चुनाव के समय निर्णय लेतीं तो दिक्कत हो सकती थी. ऐसे लोग केवल व्यक्तिगत फायदे के लिए पार्टी छोड़ रहे हैं. अगर जनहित में इस तरह का निर्णय लेतीं तो पहले ले लेतीं.

21 फरवरी : 2019 के चुनाव के समय परिस्थितियां अलग थीं और वर्तमान स्थिति अलग है. लोगों ने 2019 में गलती की, लेकिन अब वे उस गलती को फिर नहीं दोहराएंगे. गठबंधन ने चुनाव जीतने की रणनीति बनाई है. गठबंधन के अंदर सीटें तय हो चुकी हैं, सभी सहयोगी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सभी सीटें जीतेंगे. हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और देश में नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की कमियों को जनता के बीच ले जायेंगे.

9 फरवरी : नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूं. जब से राहुल गंधी की न्याय यात्रा शुरू हुई है तो इनको (मोदी सरकार) सदबुद्धि आई है. ऐसे तमाम लोगों ने देश के लिए सबकुछ किया है, उन्हें सम्मानित करने का काम किया जा रहा है. अब यह साफ हो जाना चाहिए कि ये कहते कुछ और हैं और करते कुछ और हैं. जब उन्होंने कुछ किया है तभी तो भारत रत्न मिला है.

3 फरवरी : जब चौकीदार चोर बन जाता है, तो अपने ही लोगों से सावधान रहना पड़ता है. जब सत्ता पक्ष के विधायक एक साथ रहना चाहते हैं और एक साथ विश्वास मत का सामना करना चाहते हैं, तो इसमें भाजपा को क्या दिक्कत है.

2 फरवरी : राहुल गांधी के कदमों की आहट से केंद्र सरकार घबरा गई है. उनके कदम हमारे लिए शुभ हैं. उनके झारखंड में कदम पड़ने से पहले ही हमारी सरकार बन गई. कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी को घुटनों पर ला दिया है. उसकी तमाम साजिशों को नाकाम कर दिया है.

जांच एजेंसियों का हो रहा दुरुपयोग : आलमगीर

7 फरवरी : इसकी आशंका पहले से थी कि विपक्ष राज्य में सरकार गिराने का काम करेगा. अंत में वही हुआ जिसका डर था. हालांकि, विपक्ष अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सका. हम दोबारा सरकार बनाने में सफल रहे. विपक्ष हेमंत सरकार पार्ट टू को लेकर सवाल उठा रहा है, लेकिन हेमंत सरकार के चार वर्ष के कार्यों को पूरा करने के लिए ही पार्ट टू बना है. वर्ष 2019 में गठबंधन को पांच वर्ष के लिए जनादेश मिला था, लेकिन पूरा देश जान रहा है कि सरकार गिराने के लिए क्या नहीं किया गया.

6 फरवरी : देश में हवाई जहाज से लेकर रेल तक, आज देश में जो कुछ है वह कांग्रेस के कामों के कारण है. भाजपा जब से बनी है पैसा के बल पर लोकतंत्र को खरीदने का काम किया है. जनता से चुनी गयी सरकार को अपदस्थ करने का काम किया. ईडी और सीबीआइ का दुरुपयोग कर डराने का काम करते हैं. जो नेता पाला बदल लेता है वह भाजपा की वाशिंग मशीन से धुल कर स्वच्छ बन जाता है. इसके कई उदाहरण भी देखने को मिले हैं. ये लोग पूरे देश में ऑपरेशन लोटस चला रहे हैं. जो बीजेपी के साथ नहीं जायेगा, वह जेल जाएगा.

पोखरण भारत की आत्मनिर्भरता का गवाह बना : मोदी

पोखरण (राजस्थान)। पोखरण में मंगलवार को 'भारत शक्ति' अभ्यास देखने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंचे. मोद ने कहा कि पोखरण भारत की आत्मनिर्भरता, विश्वास और आत्म-गौरव का गवाह बन गया है. सेना के तीनों अंगों का समन्वित अभ्यास पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में करीब 50 मिनट तक हुआ, जहां भारत ने अपने स्वदेशी रक्षा उपकरणों की उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया. हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने आसमान में गर्जना की और अत्याधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर एमके-4 ने उड़ान भरी, जबकि मुख्य लड़ाकू टैंक अर्जुन और के-9 वज्र, धनुष तथा सारंग तोपखाना प्रणालियों ने जमीन पर गोलाबारी की. पिनाक उपग्रह प्रणाली जैसे प्लेटफॉर्म और कई ड्रोन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारत शक्ति अभ्यास के दौरान आसमान में विमान की गर्जना और जमीन पर प्रदर्शित किया गया.

एनएसए डोभाल ने नेतन्याहू से की मुलाकात

यरूशलम। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात कर भीषण खाद्य संकट से जूझ रहे गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति की समस्या को सुलझाने की तत्काल आवश्यकता और क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा की. इजराइल के प्रधानमंत्री के आधिकारिक हैंडल से 'एक्स' पर साझा की गई पोस्ट में लिखा गया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से आज मुलाकात की और उन्हें गाजा पट्टी में जारी युद्ध से जुड़े हालिया घटनाक्रम की जानकारी दी. हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हमला कर दिया था जिसमें करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और उसने 250 लोगों को बंधक बना लिया था.

मोहम्मद इशाक डार बने पाकिस्तान के विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। वरिष्ठ राजनेता और अर्थशास्त्री इशाक डार ने मंगलवार को पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला. पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव हुए थे. इशाक डार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता हैं. मूल रूप से कश्मीरी डार सनदी लेखाकार (सीए) हैं. वह पार्टी प्रमुख और तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के विश्वासपात्र हैं. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मोहम्मद इशाक डार ने औपचारिक रूप से पाकिस्तान के 39वें विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है. विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय डार ने विदेशमंत्री का महत्वपूर्ण प्रभार ऐसे समय संभाला है जब पड़ोसी भारत और अफगानिस्तान के साथ देश (पाकिस्तान) के संबंध बेहद निम्न स्तर पर हैं. दूसरी ओर केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद अगस्त 2019 में भारत और पाकिस्तान ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिये थे. वहीं डार के अलावा ख्वाजा मुहम्मद आसिफ को रक्षा, रक्षा उत्पादन और विमानन मंत्री, अहसान इकबाल को योजना, विकास और विशेष पहल मंत्री, आज़म नज़ीर तरार को विधि और न्याय, मानवाधिकार मंत्री, अताउल्लाह तरार को सूचना एवं प्रसारण मंत्री, कैसर अहमद शेख समुद्री मामलों का मंत्री, मोहम्मद औरंगजेब को वित्त एवं राजस्व मंत्री बनाया गया है.

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम लागू होने पर बोले असम सीएम हिमंत

विरोधियों व समर्थकों दोनों का सम्मान करते हैं

एजेंसी। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि अगर राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के लिए आवेदन नहीं करने वाले किसी व्यक्ति को नागरिकता मिल जाती है तो वह इस्तीफा देने वाले पहले व्यक्ति होंगे. उनकी यह टिप्पणी सोमवार को विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) को लागू करने पर विपक्षी दलों द्वारा केंद्र सरकार की आलोचना और पूरे असम में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच आई है.

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देता है. मुख्यमंत्री ने शिवसागर में एक कार्यक्रम से इतर कहा कि मैं असम का बेटा हूं और अगर एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करने वाले एक भी व्यक्ति को नागरिकता मिलती है, तो मैं इस्तीफा देने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा. प्रदर्शनकारियों का दावा है कि सीएए लागू होने पर लाखों लोग राज्य में प्रवेश करेंगे.

शर्मा ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो मैं विरोध करने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा. मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि जो लोग 2014 के बाद भारत आए हैं उन्हें नागरिकता नहीं मिलेगी और ऐसे आवेदकों की संख्या नगण्य होगी. उन्होंने कहा कि लोग अपनी पहचान विदेशी के रूप में नहीं बताना चाहते. बराक घाटी के तीन जिलों से 50,000-60,000 आवेदन आने की उम्मीद है, जबकि ब्रह्मपुत्र घाटी के जिलों में यह नगण्य होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएए के बारे में कुछ भी नया नहीं है क्योंकि इसे पहले तैयार किया गया था और अब पोर्टल पर आवेदन करने का समय आ गया है. शर्मा ने कहा पोर्टल पर डेटा से स्पष्ट हो जाएगा कि अधिनियम का विरोध करने वालों के दावे तथ्यात्मक रूप से सही हैं या नहीं. उन्होंने कहा कि असम के लोगों को एक महीने में पता चल जाएगा कि राज्य में नागरिकता के लिए लाखों लोग आवेदन कर रहे हैं या कुछ हजार. मुख्यमंत्री ने कहा कि वह प्रदर्शनकारियों और नागरिकता संशोधन अधिनियम के समर्थकों- दोनों का सम्मान करते हैं, लेकिन सीएए पर बहुत कहा जा चुका है.

सीएए को एक और 'विभाजन' के लिए लागू किया गया है : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को आरोप लगाया कि नागरिकता (संशोधन) कानून (सीएए) को लागू करके भाजपा हिंदू महासभा के 'दो राष्ट्र' सिद्धांत की अवधारणा पर चल रही है. जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री रह चुकी महबूबा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में इस मामले के लंबित रहने के बावजूद सीएए को लागू करना सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने का एक प्रयास है. कहा कि विभाजन के 77 साल बाद भाजपा अब भी हिंदू महासभा के 'दो राष्ट्र' सिद्धांत की अवधारणा से जुड़ी है.

सीएए को लागू करना भाजपा के नापाक मंसूबों को दर्शाता है

चेन्नई। दिग्गज अभिनेता और 'मक्कल निधि मय्यम' पार्टी के संस्थापक कमल हासन और अभिनेता विजय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) लागू किये जाने का मंगलवार को कड़ा विरोध किया. विजय ने हाल ही में अपनी राजनीतिक पार्टी 'तमिझागा वेत्री कषगम' गठित की है. हासन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार आम चुनाव से पहले सीएए के माध्यम से लोगों को विभाजित करने और सद्भाव को नष्ट करने की कोशिश कर रही है. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कानूनी और राजनीतिक रूप से सीएए का दृढ़ता से विरोध किया है. हासन ने कहा कि अपनी धर्मनिरपेक्ष साख और भारत के संविधान के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप मक्कल निधि मय्यम इस अधिनियम को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने वाली तमिलनाडु की पहली राजनीतिक पार्टी थी. केंद्र सरकार ने सीएए को लागू करने के लिए सोमवार को नियमों को अधिसूचित कर दिया था. हासन ने एक बयान में आरोप लगाया कि सीएए को लागू करना भाजपा के 'नापाक मंसूबों' को दर्शाता है और शायद यह 'भारत के उस दृष्टिकोण' का एक आदर्श उदाहरण है जिसे भाजपा सत्ता में वापस आने पर गढ़ना चाहती है.

तमिलनाडु सरकार सीएए लागू नहीं करेगी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को विभाजनकारी और बेकार बताते हुए मंगलवार को इसे खारिज कर दिया और कहा कि इसे उनके राज्य में लागू नहीं किया जाएगा. स्टालिन ने लोकसभा चुनाव नजदीक होने के बीच सीएए लागू करने के लिए नियमों को जल्दबाजी में अधिसूचित करने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सीएए और इसके नियम संविधान की मूल संरचना के खिलाफ हैं. उन्होंने कहा कि सीएए से कोई लाभ नहीं होने वाला है. यह भारतीय जनता के बीच सिर्फ फूट डालने का रास्ता तैयार करेगा. उनकी सरकार का रुख यह है कि यह कानून पूरी तरह अनुचित है और इसे निरस्त किया जाना चाहिए. स्टालिन ने कहा कि इसलिए, तमिलनाडु सरकार राज्य में सीएए लागू करने का किसी भी तरीके से कोई अवसर नहीं देगी. कहा कि सीएए बहुलवाद, धर्मनिरपेक्षता, अल्पसंख्यक समुदायों और श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के खिलाफ है.

सीएए की अधिसूचना है ऐतिहासिक भूल

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एके पलानीस्वामी ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के लागू होने की आलोचना की. पलानीस्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार ने इसके कार्यान्वयन के साथ एक ऐतिहासिक भूल की है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक इस कदम की कड़ी निंदा करती है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक लाभ लेने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले लोगों को विभाजित करना है. जबकि इसे पिछले पांच वर्षों से लागू नहीं किया गया था. राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार ने इसे लाकर एक ऐतिहासिक भूल की है. अन्नाद्रमुक इसे स्वदेशी लोगों- मुसलमानों और श्रीलंकाई तमिलों के खिलाफ लागू करने के किसी भी प्रयास की अनुमति नहीं देगी.

बीजद सीएए का स्वागत करता है: ढाडा

भुवनेश्वर। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) लागू किये जाने का मंगलवार को समर्थन किया, जबकि राज्य में विपक्षी दलों ने आम चुनाव से पहले इसे लागू किये जाने को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना की. बीजद विधायक परशुराम ढाडा ने कहा कि बीजद सीएए का स्वागत करता है, क्योंकि यह लोगों को नागरिकता प्रदान करता है और किसी की देश में रहने का अधिकार नहीं छीन रहा है. ओडिशा के मुख्यमंत्री एवं बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने 17 दिसंबर 2019 को कहा था कि सीएए का भारतीय नागरिकों से कोई लेना-देना नहीं है, यह केवल विदेशियों से संबंधित है. लोकसभा और राज्यसभा में बीजद सदस्यों ने स्पष्ट कर दिया है कि हम एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) का समर्थन नहीं करते. कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने आम चुनावों से पहले सीएए लागू करने को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना की है. ओडिशा में कांग्रेस के विधायक दल के नेता नरसिंह मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से सोमवार को कहा कि सीएए का देश की एक बड़ी आबादी ने कड़ा विरोध किया, जिसके चलते इसे लागू करने में देर की गई. उन्होंने आरोप लगाया कि अब, चूंकि चुनाव होने हैं, केंद्र सरकार ने समाज के एक वर्ग के वोट को एकजुट करने के लिए देश में शायद अव्यवस्था पैदा करने के एकमात्र इरादे से अधिसूचना जारी की है. सपा की ओडिशा इकाई के प्रमुख रवि ने आरोप लगाया कि रमजान का महीना शुरू होने की पूर्व संध्या पर सीएए ध्रुवीकरण करने के इरादे से लागू किया गया.

सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची आईयूएमएल

केरल के एक राजनीतिक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने सीएए पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नागरिकता संशोधन कानून धर्म के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव करता है. यह तर्क दिया गया है कि ये कानून अनुच्छेद 14 के समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है. 18 दिसंबर, 2019 को सर्वोच्च अदालत ने सीएए को चुनौती देने वाली तमाम याचिकाओं पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था. उस समय भी लीग ने कानून पर रोक लगाने के लिए दबाव डाला था. हालांकि केंद्र सरकार ने तब कोर्ट से कहा था कि क्योंकि कानून अभी नहीं बने हैं, इसलिए सीएए लागू नहीं किया जाएगा.

कांग्रेस ने लोस चुनाव के लिए जारी की 43 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

राजस्थान

- बीकानेर- गोविंदराम मेघवाल
- चूरू- राहुल कस्वां
- झूंझनू- बृजेंद्र ओला
- अलवर- ललित यादव
- भरतपुर- संजना जाटव
- टोंक- हरीश चंद्र मीणा
- जोधपुर- करन सिंह उचियारडा
- जालोर- वैभव गहलोत
- उदयपुर- तारा चंद मीणा
- चित्तौड़गढ़- उदय लाल आंजना

मध्य प्रदेश

- छिंदवाड़ा- नकुलनाथ
- भिंड- फूल सिंह बरैया
- टीकमगढ़- पंकज अहिरवार
- सतना- सिद्धार्थ कुशवाहा
- सीधी- कमलेश्वर पटेल
- मंडला - ओंकार सिंह मरकाम
- देवास - राजेंद्र मालवीय
- धार - राधेश्याम मुवेल
- खरगोन - पोरलाल खरते
- बैतूल - रामू टेकाम

असम

- कोकराझार – गर्जन मुशहरी
- धुबरी – रकीबुल हुसैन
- बारपेटा – दीप बायन
- दारंग-उदलगुरी – माधब राजबंशी
- गुवाहाटी- मीरा बारठाकुर गोस्वामी
- दीफू - जॉयराम एंगलेंग
- करीमगंज- हाफिज रशीद अहमद चौधरी
- सिलचर – एससी सूर्यकांत सरकार
- नागांव- प्रद्युत बोरदोलोई
- काजीरंगा- रोजेलिना तिर्की
- सोनितपुर- प्रेम लाल गंजू
- जोरहाट- गौरव गोगोई

गुजरात

- कच्छ- नीतीश लालन
- बनासकांठा- गेनीबेन ठाकोर
- पोरबंदर- ललित वसोया
- अहमदाबाद पूर्व- रोहन गुप्ता
- अहमदाबाद पश्चिम- भरत मकवाना
- बारडोली- सिद्धार्थ चौधरी
- वलसाड- अनंत पटेल

उत्तराखंड

- टेहरी गढ़वाल- जोत सिंह गुंटसोला
- गढ़वाल- गणेश गोडियाल
- अलमोड़ा (एससी)- प्रदीप तमता
- दमन और दीव- केतन दयाभाई पटेल

नवी मुंबई में 8 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने सोमवार सुबह बेलापुर इलाके के शाहबाज गांव में एक फ्लैट पर छापेमारी की. इसमें बांग्लादेश की पांच महिलाएं और तीन पुरुष मिले.

सेक्टर-36 में बदमाशों ने की चौकीदार की हत्या

नोएडा। थाना बीटा-दो क्षेत्र के सेक्टर-36 स्थित एक निर्माण स्थल पर चौकीदार के रूप में कार्यरत व्यक्ति की अज्ञात बदमाशों ने कथित रूप से हत्या कर दी. घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह को पुलिस को कृष्णा (40 वर्ष) नामक व्यक्ति के मृत पाए जाने की सूचना मिली. कहा कि मृतक के सिर पर गंभीर चोट है, जिससे प्रतीत हो रहा है कि अज्ञात बदमाशों ने उसके सिर किसी भारी वस्तु से वार किया है. बताया कि घटनास्थल पर विधि विज्ञान की टीम और पुलिस के आला अधिकारी पहुंच गए हैं.

भाजपा ने तिरुवनंतपुरम के लिए क्या किया: शशि थरूर

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर के आरोपों पर पलटवार किया. कहा कि उनके ''अज्ञानी प्रतिद्वंद्वी'' को पहले मतदाताओं को यह बताना चाहिए कि भाजपा ने अपने 10 साल के शासन में क्षेत्र के लिए क्या किया. चंद्रशेखर ने थरूर पर अपने संसदीय क्षेत्र में काम नहीं करने का आरोप लगाया था. थरूर ने सोमवार रात कहा कि मैं सवाल को घुमाऊंगा और पूछूंगा कि भाजपा ने अपने 10 साल के शासन में तिरुवनंतपुरम के लिए क्या किया. यहां तक कि संसद में किए गए वादों का भी सम्मान नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने तिरुवनंतपुरम के लिए एम्स, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और कई अन्य परियोजनाओं का वादा किया था. थरूर ने पूछा कि वे केंद्र में वादे करते हैं लेकिन वे उन्हें कभी पूरा नहीं करते हैं. यह भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड है. हमें इस पार्टी के किसी भी नए वादे पर भरोसा क्यों करना चाहिए. हालांकि, थरूर ने कहा कि वह चन्द्रशेखर के इस बयान से सहमत हैं कि यह चुनाव व्यक्तियों के बीच की लड़ाई नहीं है, यह विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है. थरूर ने कहा कि हम जानते हैं कि हम किसके लिए खड़े हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

इंटरनेशनल मार्केटिंग में बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

इंटरनेशनल मार्केटिंग राष्ट्रीय सीमाओं के पार रहने वाले विभिन्न लोगों की विभिन्न आवश्यकताओं और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मार्केटिंग प्रिंसिपल्स के लिए एप्लीकेशन है. इसे ग्लोबल मार्केटिंग, ग्लोबल स्ट्रैटेजी या वर्ल्डवाइड मार्केटिंग के रूप में भी जाना जाता है. यह विभिन्न लक्षित ग्राहकों की संस्कृति, परंपराओं, मूल्यों और अपेक्षाओं को समझने और बेहतर बाजार पहुंच और बिक्री के लिए प्रोडक्ट्स/सर्विसेज को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करने की प्रक्रिया है. इंटरनेशनल मार्केटिंग उन गतिविधियों को संदर्भित करता है, जो विदेशी ऑर्गेनाइजेशन अपने प्रोडक्ट्स, सर्विसेज या ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए अन्य देशों में करते हैं. इंटरनेशनल मार्केट रिसर्च के लिए, व्यापक समय, बजट और ह्यूमन रिसोर्सेज की आवश्यकता होती है.

इंटरनेशनल मार्केटिंग में कॅरियर

- इंटरनेशनल मार्केटिंग में रिसर्च करने को बहुत मिलता है, क्योंकि एक इंटरनेशनल मार्केटिंग एंटरप्राइज शुरू करने से पहले आपको देश की पॉलीटिकल स्टेबिलिटी, देश की इकोनॉमिक स्टैबिलिटी, देश की सोशल स्टैबिलिटी आदि के बारे में जरूरी है.
- इंटरनेशनल मार्केटिंग कोर्स में करियर बनाने के लिए मौजूदा लॉ, भाषा बाधा, स्थानीय संस्कृति और परंपराएं, मुकाबला आदि के बारे में जानकारी एकत्र करना सिखाया जाता है जोकि इसके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है.
- इंटरनेशनल मार्केटिंग कोर्स करने के बाद आप अच्छे सैलरी पैकज के साथ मार्केटिंग रिसर्चर, इंटरनेशनल ब्रांड मैनेजर, नॉनप्रॉफिट मार्केटिंग मैनेजर, रिटेल मैनेजर, मार्केटिंग मैनेजमेंट एनालिस्ट, इंटरनेशनल प्रोमोशन एंड सेल्स एडवाइजर आदि और भी कई जॉब ऑप्शन्स में से चुनने का मौका पाते हैं.
- इसमें आपको ग्लोबली काम करने का मौका भी मिल सकता है.

स्किल्स

इंटरनेशनल मार्केटिंग के लिए कुछ स्किल्स जरूरी हैं, जो इस प्रकार हैं:

- कम्युनिकेशन
- मैनेजमेंट
- क्रिएटिविटी
- एनालिटिक्स
- क्रॉस कल्चर कम्युनिकेशन
- रिसर्च
- सॉफ्ट स्किल्स
- कॉमेंटेटर एनालिसिस
- स्ट्रैटेजिक थिंकिंग

टॉप कोर्सेज

- एमएससी इंटरनेशनल मार्केटिंग
- एमएससी इंटरनेशनल फैशन मार्केटिंग
- एमएससी इंटरनेशनल फैशन रिलेटिंग मार्केटिंग
- एमएससी इन ग्लोबल मार्केटिंग मैनेजमेंट
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन ग्लोबल मार्केटिंग मैनेजमेंट
- एमए और एमएससी इन इंटरनेशनल बिजनेस एंड मैनेजमेंट
- इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग
- एमएससी इन इंटरनेशनल बिजनेस
- मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस एंड मास्टर ऑफ मार्केटिंग
- मास्टर ऑफ इंटरनेशनल रिलेसंस एंड मास्टर ऑफ मार्केटिंग
- मास्टर ऑफ मार्केटिंग/मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस
- मास्टर ऑफ मार्केटिंग/मास्टर ऑफ इंटरनेशनल टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) इन इंटरप्रेर्नरशिप एंड ग्लोबल मार्केटिंग
- मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) इन ग्लोबल मार्केटिंग मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ बिजनेस (ग्लोबल मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग)
- मास्टर इन इंटरनेशनल मार्केटिंग एंड ब्रेंड मैनेजमेंट

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज़

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेन ट्रेड, दिल्ली
- धर्मजीवी इंस्टीट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल एजुकेशन
- श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स
- व्हिज्डम स्कूल ऑफ मैनेजमेंट सहारनपुर
- गुप्ता कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी
- इंडियन बिजनेस स्कूल ऑफ एडवांस्ड मैनेजमेंट स्टडीज
- तालीम कॉलेज ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज
- अभयपुरी कॉलेज
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया इस प्रकार है

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.

कॅरियर स्कोप

मार्केटिंग रिसर्चर
इंटरनेशनल ब्रांड मैनेजर
नॉनप्रॉफिट मार्केटिंग मैनेजर
रिटेल मैनेजर
मार्केटिंग मैनेजमेंट एनालिस्ट
इंटरनेशनल प्रोमोशन एंड सेल्स एडवाइजर
बिजनेस डेवलपमेंट कंसल्टेंट्स
पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर
इंटरनेशनल सर्विस मार्केटिंग मैनेजर
प्रोफेसर/लेक्चरर
पब्लिक पॉलिसी एनालिस्ट

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)